फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 83 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 23 अक्टूबर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Lost Sanskrit University Adhai Din Ka Jhonpra

Perhaps, the most remarkable discovery was a dated inscription from 1153 CE describing the original architectural layout of the complex

The Elephant That Left the Island

The Page That Explains India Better Than a Thousand Speeches

आज का दिन नानी और दोहिते के नाम रहा

नानी सोनिया गांधी को उनकी आत्मकथा की पहली कॉपी मिली, वहीं दोहिते रेहान राजीव वाड्रा को उनकी फोटो प्रदर्शनी से 75 तस्वीरें हटाने का आदेश मिला है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। आज का दिन एक नानी और उनके दोहित्र के नाम रहा।

उनकी कहानियाँ दो बिल्कुल अलग-अलग तरह की भावनाएं दर्शाती हैं। एक तरफ जश्न, कामयाबी और खुशी थी, तो दूसरी तरफ निराशा, दुख और अपनी आज़ादी छिन जाने की पीड़ा थी।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हाथों में आज उनकी सद्य-प्रकाशित आत्मकथा "बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव" थी। प्रकाशकों ने उन्हें इसकी पहली प्रति सौंपी, जिसे उन्होंने अपनी बाहों में ऐसे थाम रखा था, जैसे कभी अपने बच्चों के जन्म के समय उन्हें अपनी गोद में लिया करती थीं।

- **सोनिया गांधी अपनी आत्मकथा, "बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव" की प्रति हाथों में थाम कर बेहद खुश दिखीं और पहली बार इंस्टाग्राम पर आईं तथा जैन ज़ी से मुखातिब हुईं।**
- **उनकी इस किताब में उनके जन्म, कैम्ब्रिज में पढ़ाई और राजीव गांधी से मुलाकात, शादी और भारत में हुए तमाम अनुभवों का विस्तृत ब्यौरा है।**
- **सोनिया के दोहिते, प्रियंका के पुत्र रेहान एक उभरते हुए फोटोग्राफर हैं और दिल्ली के बीकानेर हाउस में उनकी फोटो प्रदर्शनी होने जा रही है।**
- **लेकिन सरकार ने उन्हें 75 फोटो हटाने का आदेश दिया है, क्योंकि ये सभी फोटो दिल्ली में जैन ज़ी के मार्च में हुए प्रोटेस्ट में पुलिस की क्रूरता को दर्शाते हैं।**

वे खुश थीं, उनके चेहरे पर मुस्कान थी और पहली बार उन्होंने इंस्टाग्राम का इस्तेमाल किया, जहाँ उनकी आत्मकथा को पेश किया गया था।

सोनिया गांधी ने पहली बार सोशल मीडिया पर कदम रखा, शायद इसलिए, क्योंकि युवा पीढ़ी, जिन्हें आज "जेन ज़ी" कहा जाता है, तक पहुँचने का यह सबसे बेहतरीन और तेज़ ज़रिया है।

10 नवंबर को आधिकारिक तौर पर रिलीज़ होने के बाद, यह किताब एक बड़ी बैस्ट सैलर बन सकती है।

यह बहुप्रतीक्षित किताब कैसे और किसके द्वारा लोकार्पित की जाएगी, यह अभी भी केवल अटकलों का विषय है।

इसी के ठीक सामने रेहान आर. वाड्रा हैं, जो सोनिया गांधी के दोहिते और उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के बेटे हैं।

एक उभरते हुए फोटोग्राफर और कलाकार, युवा रेहान अपनी तस्वीरों को बीकानेर हाउस में प्रदर्शित करने के लिए पूरी तरह तैयार थे। बीकानेर हाउस, इंडिया गेट के ठीक सामने लुटियंस दिल्ली के केन्द्र में स्थित एक सांस्कृतिक और कला केन्द्र है।

एक ऐसी घटना, जिसने देश के राजनीतिक, कलात्मक और सांस्कृतिक हलकों में हलचल मचा दी है, रेहान से उनकी 75 तस्वीरें हटाने के लिए कहा गया। इन तस्वीरों में दिल्ली में जेन ज़ी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों को दिखाया गया था, खासकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन, संसद तक का मार्च, और देश की राजधानी के बीचों-बीच पुलिस की बर्बरता के दृश्य।

रेहान ने मीडिया से बात की, अपनी निराशा जताई और सवाल किया कि ऐसा क्यों हो रहा है?

लोकतंत्र भारतीय मूल्यों का हिस्सा है, और यह हमारी सांस्कृतिक व कलात्मक पहचान का भी एक अहम हिस्सा है, लेकिन मौजूदा शासन में, ऐसी घटनाएं अब आम बात हो गई हैं।

दो तस्वीरें, दो अलग-अलग भावनाएं, और जवाब की तलाश में दो किरदार।

यही है नया भारत।

तिब्बत में 7.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग, 22 अक्टूबर। दक्षिण-पश्चिमी तिब्बत क्षेत्र में गुरुवार रात 7.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भारत के नैशनल सैंटर फॉर सैस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार रात करीब 8:03 बजे आया इसका केन्द्र जमीन से 173 कि.मी. की गहराई पर था। शुरुआती रिपोर्ट में जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है।

भूकंप का केन्द्र उत्तरी तिब्बत के नागचू क्षेत्र के एक ऊंचाई वाले जिले में

- **अभी तक कोई जान-माल की हानि की सूचना प्राप्त नहीं हुई।**

जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। केन्द्र के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में औसत ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 4,864 मीटर बताई गई है। भूकंप के झटके स्थानीय क्षेत्र में स्पष्ट रूप से महसूस किए गए।

भूकंप का केन्द्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से लगभग 400 किलोमीटर दूर था। सीईएनसी के मुताबिक, जनवरी 2024 के बाद चीन में आया यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

इससे पहले, वर्ष 2010 में पड़ोसी छिंगहाई प्रांत के युशू क्षेत्र में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस आपदा में कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 300 लोग लापता हो गए थे। युशू भूकंप का केन्द्र मौजूदा भूकंप के क्षेत्र से लगभग 280 किलोमीटर दूर था।

पंजाब में दोनों अकाली गुटों से अलग-अलग गठबंधन करेगी भाजपा

इसके लिए कई महीनों से पर्दे के पीछे वार्ता चल रही है और कभी भी गठबंधन की औपचारिक घोषणा हो सकती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि "पंजाब में एनडीए की सरकार बनने जा रही है।" इस बयान के बाद, चुनाव से पहले भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), साथ ही अकाली दल के अन्य छोटे गुटों, के बीच गठबंधन की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं।

दिल्ली में 8,941 करोड़ रुपये की यमुना पुनरोद्धार परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा: "पंजाब में इस बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है।" उन्होंने "भाजपा सरकार" के बजाय, "एनडीए सरकार" का जिक्र जानबूझकर किया है। यह बयान उनके इस साल के उस दावे से उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी और अपनी सरकार बनाएगी।

- **गठबंधन का संकेत अमित शाह के इस बयान से भी मिला, जब उन्होंने कहा कि पंजाब में एनडीए की सरकार बनेगी, जबकि पूर्व में उन्होंने कहा था भाजपा सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और पंजाब में अपनी सरकार बनाएगी।**
- **भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की टीम, जिसमें पंजाब के प्रभारी सतीश पूनिया भी शामिल हैं, शिरोमणि अकाली दल से अलग हुए गुट पुनर सुरजीत के नेताओं से भी बात कर रहे हैं।**
- **अगर यह गठबंधन हो गया तो सत्तारूढ़ आप और कांग्रेस के साथ त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा का पलड़ा भारी रहेगा।**

खबरों के अनुसार, सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले मुख्य शिरोमणि अकाली दल के अलावा, उससे अलग हुआ शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) गुट भी इन चर्चाओं में शामिल है। पुनर सुरजीत गुट के जिन प्रमुख नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, उनमें बीबी जागीर कौर, गुरप्रताप सिंह वडाला, प्रेम सिंह चंदूमाजरा और गोबिंद सिंह लोंगोवाल शामिल हैं। इस प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है कि दोनों अकाली गुट अलग-अलग इकाइयों के रूप में एनडीए में शामिल हों। इससे उन्हें बिना किसी औपचारिक विलय के, एक साथ काम करने का मौका मिलेगा, ठीक उसी तरह, जैसा बिहार में देखने को मिला था। पर्दे के पीछे कई महीनों से बातचीत चल रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने अमित शाह को जन्म दिन की बधाई दी

एक्स पर लिखे बधाई संदेश में प्र.मंत्री ने आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने और माओवाद उन्मूलन अभियान के लिए शाह की तारीफ की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके 62वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में शाह के योगदान की सराहना की और माओवाद के खिलाफ अभियान को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया।

एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि शाह की प्रशासनिक समझ ने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। उन्होंने माओवाद के खिलाफ मिली प्रगति को खास तौर पर उल्लेखनीय बताया तथा

- **प्रधानमंत्री मोदी ने "मोआवाद" का विशेष उल्लेख किया और कहा कि शाह ने अकेले दम पर यह कर दिखाया है।**

साथ ही, नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने शाह के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की, ताकि वे जनता की सेवा करते रहें।

मोदी का माओवाद के खिलाफ अभियान का जिक्र शाह के संसद में किए गए एक बडे दावे के सात महीने बाद आया है। 30 मार्च को, सरकार की ओर से तय समय-सीमा से एक दिन पहले, शाह ने लोकसभा में कहा था कि भारत नक्सलवाद से लगभग मुक्त हो चुका है और माओवादियों के केन्द्रीय तथा राज्य स्तरीय नेतृत्व ढांचे लगभग पूरी तरह खत्म कर दिए गए हैं।

31 मार्च 2026 की समय-सीमा काफी पहले तय की गई थी। शाह ने जून 2025 में रायपुर में भी इस लक्ष्य को दोहराया था। उन्होंने कहा था कि पिछले 35 वर्षों में माओवादी हिंसा के कारण करीब 40,000 लोगों की जान गई है। वर्ष 2025 में उन्होंने यह भी कहा था कि विद्रोहियों को संघर्षविराम की कोई पेशकश नहीं की जाएगी। लोकसभा में अपने बयान के दौरान, शाह ने पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली नगर निगम बैठक में भाजपा व आप पार्षद भिड़े

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दिल्ली के सिविक सेंटर में गुरुवार (22 अक्टूबर) को नगर निगम सदन की बैठक के दौरान विकास फंड और प्रदूषण को लेकर जमकर हंगामा हुआ। आम आदमी पार्टी और भाजपा के

- **महापौर प्रवेश वाही को मार्शल सुरक्षित बाहर ले गये।**

पार्षदों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि माइक खींचने, पानी और फाइलें फेंकने के आरोप लगे। हालात बिगड़ने पर मार्शल महापौर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर ले गए। बैठक के बाद महापौर ने आप पार्षदों पर सदन में हंगामा करने का आरोप लगाया और कहा कि मामले को कार्रवाई के लिए निगम की अनुशासन समिति के पास भेज दिया गया है।

सदन में पार्षदों को मिलने वाले विकास फंड को लेकर भी खूब बहस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्राइम ब्रांच की पूछताछ पर नहीं आए सीजेपी नेता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरव दास व आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए तलब किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका गुरुवार को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की जांच में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने एजेंसी को सूचित किया है कि वे अभी उपलब्ध नहीं हैं और उन्होंने कुछ और समय मांगा है।

इन दोनों नेताओं को गुरुवार दोपहर 12 बजे राजौरी गार्डन स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। यह मामला 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर उनके विरोध प्रदर्शन से जुड़े दो मामलों से संबंधित है।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, दास और रांका ने जांच टीम

- **दोनों नेताओं ने अनुपलब्ध होने की बात कह कर उपस्थित होने के लिए और समय मांगा।**
- **पुलिस ने अजिंक्य शिंदे को भी समन भेजा है। इन नेताओं पर प्रतिबंधित क्षेत्र में जबरन घुसने और सरकारी अफसरों का आदेश नहीं मानने के आरोप हैं।**

को बता दिया है कि वे अभी उपलब्ध नहीं हैं और जांच में शामिल होने के लिए और समय मांगा है। उम्मीद है कि क्राइम ब्रांच अब उन्हें एक नई तारीख और समय बताते हुए फिर से समन जारी करेगी।

पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि सीजेपी सदस्य अजिंक्य शिंदे को भी इस जांच के सिलसिले में बुलाया गया था। इन मामलों में, बिना अनुमति कहीं घुसने और किसी सरकारी अधिकारी के आदेशों का पालन न करने जैसे आरोप शामिल हैं।

दास और रांका एक हफ्ते तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद तिहाड़ जेल से रिहा हुए हैं और उसके अगले ही दिन यह घटनाक्रम सामने आया है।

दिल्ली पुलिस ने 13 अक्टूबर की घटना से जुड़े मामलों को आगे की जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। इनमें से एक मामला कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जबकि दूसरा संसद मार्ग (पार्लियामेंट स्ट्रीट) पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था।

पुलिस के अनुसार, दास, रांका और सीजेपी के अन्य सदस्यों ने जंतर-मंतर इलाके में घुसने की कोशिश की थी। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप था कि मतदाता सूची के "विशेष गहन पुनरीक्षण" में गड़बड़ियां हुई हैं।

बताया जा रहा है कि यह समूह बैरिकेड्स पार करके एक निजी प्रतिष्ठान के रास्ते उस इलाके में घुस गया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में सरकारी अधिकारी के आदेश का पालन न करने, बिना अनुमति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेहा बोरा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा की दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला

- **नेहा बोरा ने 10,000 रु. का निजी मुचलका भरने व शांति बनाए रखने का निर्देश देने वाले आदेश को चुनौती दी है।**

सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने दोनों पक्षों की ओर से विस्तृत दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया। कोर्ट कल, यानी 23 अक्टूबर को फैसला सुनाएगा।

सुनवाई के दौरान नेहा बोरा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड में एक सदी से लॉक हिमालयी फॉल्ट से 8.1 तीव्रता का भूकंप आ सकता है

एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, उत्तराखंड में एक बड़ा भूगर्भीय फॉल्ट पूरी तरह से लॉक है, इसके कारण धरती की प्लेटें खिसक नहीं पा रही हैं, जिससे भारी मात्रा में दबाव बढ़ रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। शोधकर्ताओं ने पाया है कि हिमालय के नीचे स्थित भूगर्भीय दरार (फॉल्ट) पूरी तरह से और मजबूती से लॉक है, जिससे लगभग एक सदी में 8.1 तीव्रता के भूकंप के बराबर दबाव जमा हो गया है। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह भविष्यवाणी नहीं की जा सकती कि भूकंप कब आएगा।

एक नए वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, उत्तराखंड के हिमालय के नीचे की जमीन चुपचाप भारी मात्रा में ऊर्जा जमा कर रही है, जो भविष्य में एक शक्तिशाली भूकंप के रूप में बाहर निकल सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि इस क्षेत्र के नीचे स्थित एक बड़ी भूगर्भीय दरार (फॉल्ट) पूरी तरह से लॉक है। इसके कारण धरती की प्लेटें सामान्य रूप से खिसक नहीं पा रही हैं और समय के साथ दबाव बढ़ता जा रहा है।

अध्ययन का अनुमान है कि जमा हुई यह ऊर्जा लगभग 8.1 तीव्रता के भूकंप से निकलने वाली ऊर्जा के बराबर है। इस खोज ने उत्तराखंड और उससे सटे गंगा के मैदानी इलाकों, जहाँ करोड़ों लोग रहते हैं, के लिए भूकंप के दीर्घकालिक खतरे को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि हर 100 साल में इतनी तीव्रता का भूकंप

- **वैज्ञानिकों के अनुसार, एक सदी में 8.1 की तीव्रता के भूकंप के बराबर दबाव जमा हो गया है, जिससे कभी भी भारी भूकंप आ सकता है।**
- **वैज्ञानिकों ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या यह भूकंप हर 100 साल में आएगा या फिर यह निकट भविष्य में कभी भी आ सकता है।**
- **यह स्टडी तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दिव्य शक्ति पांडा, मृदुल यादव, एरिक ओ. लिंडसे और जी. श्रीनिवास राव ने की है और शोध में धरती के नीचे दबाव बनने की प्रक्रिया को समझाने की कोशिश की है।**

आएगा या फिर ऐसा भूकंप जल्द आने वाला है। इस शोध में यह समझने की कोशिश की गई है कि धरती की सतह के नीचे दबाव कैसे बनता है। इससे यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि जमा हुई ऊर्जा कब बाहर निकलेगी।

इस अध्ययन का शीर्षक है, "उत्तराखंड हिमालय में टेक्टोनिक प्लेटों के बीच मजबूत जुड़ाव के प्रमाण: जीएनएसएस और एलओएस-2 इनसार के अवलोकनों से प्राप्त निष्कर्ष।" यह अध्ययन तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दिव्यशक्ति पांडा, मृदुल यादव, एरिक ओ. लिंडसे और जी. श्रीनिवास राव ने किया है।

शोधकर्ताओं ने उत्तराखंड हिमालय के नीचे स्थित फॉल्ट की गतिविधियों को समझने के लिए जमीन पर लगे सैटेलाइट नेविगेशन स्टेशनों के आँकड़ों और एक जापानी उपग्रह द्वारा ली गई रडार तस्वीरों का इस्तेमाल किया है।

यह एक ऐसा फॉल्ट है, जो स्वतंत्र रूप से खिसक नहीं रहा है। हिमालय का निर्माण भारतीय और यूरेशियन टैक्टॉनिक प्लेटों के लगातार टकराने से हुआ है। ये पृथ्वी की बाहरी परत के विशाल हिस्से हैं, जो भूगर्भीय समय के दौरान धीरे-धीरे खिसकते रहते हैं।

जैसे-जैसे भारतीय प्लेट यूरोशियन प्लेट के नीचे उत्तर की ओर बढ़ती है, दोनों के बीच की चट्टानों पर भारी दबाव पड़ता है। जहाँ, कुछ हिस्से धीरे-धीरे खिसक सकते हैं, वहीं, दूसरे हिस्से घर्षण के कारण फंस जाते हैं। ऐसा होने पर दोनों प्लेटें एक-दूसरे पर दबाव डालती रहती हैं। इससे आसपास की चट्टानें मुड़ने लगती हैं और उनमें ऊर्जा जमा होती रहती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु के मंत्री 26 लाख तक की कार खरीद सकेंगे

चेन्नई, 22 अक्टूबर। तमिलनाडु सरकार ने मंत्रियों और वरिष्ठ विधायी पदाधिकारियों के लिए सरकारी कार खरीदने की अधिकतम सीमा 26 लाख रुपये तय की है, जबकि अन्य विधायकों के लिए यह सीमा 15 लाख रुपये होगी। राज्य सरकार ने विधानसभा सदस्यों के

- **विधायकों के लिए यह सीमा 15 लाख होगी।**

यात्रा भत्ता नियमों में संशोधन करते हुए इस संबंध में नई अधिसूचना जारी की है।

नए नियमों के तहत, मुख्यमंत्री के मंत्रिमंडल के सदस्यों के अलावा, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष और सरकारी मुख्य सचेतक 26 लाख रुपये तक की कार खरीद सकेंगे।

अन्य विधायकों को 15 लाख रुपये तक के वाहन की पात्रता होगी। इस सीमा में कार की एक्स-शोरूम कीमत, कर, पंजीकरण शुल्क और मोटर बीमा प्रीमियम सहित सभी खर्च शामिल होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दया चरित्र को सुन्दर बनाती है। –जेम्स एलन

राजस्थान: सौर ऊर्जा की भूमि, भविष्य की ऊर्जा का अग्रदूत

राजस्थान की पहचान अब केवल रेगिस्तान, किलों, लोक संस्कृति और वीरगाथाओं तक सीमित नहीं रही। यह राज्य धीरे-धीरे देश की ऊर्जा नीति के केंद्र में आ रहा है। यहाँ की तपती धरती, विस्तृत खुले मैदान, वर्ष भर की तीव्र धूप और विशाल थार मरुस्थल सौर ऊर्जा के लिए प्रकृति का वरदान सिद्ध हो रहे हैं। जहाँ कभी सूरज की तपिश को जीवन के लिए कठिनाई माना जाता था, वहीं आज वही सूरज राजस्थान के विकास का सबसे बड़ा साथी बनता जा रहा है। सौर ऊर्जा अब केवल बिजली उत्पादन का विषय नहीं है; यह राजस्थान के ग्रामीण विकास, कृषि, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता से जुड़ा एक व्यापक राज्य-विकास का मुद्दा बन चुकी है। इसीलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राजस्थान भारत के सौर ऊर्जा भविष्य का अग्रदूत बन सकता है।

राजस्थान की भौगोलिक स्थिति इसे सौर ऊर्जा के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती है। जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, जालोर, पाली और श्रीगंगानगर जैसे जिलों में साल भर लगभग निरंतर सूर्यप्रकाश प्राप्त होता है। यहाँ बादलों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रहती है और सौर विकिरण की तीव्रता अधिक होती है। थार के विशाल रेतीले क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व भी कम है, जिससे बड़े सौर पार्क स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध है। यही कारण है कि राजस्थान में देश के कुछ सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं और अनेक नई परियोजनाएँ निरंतर विकसित हो रही हैं। भदला सौर पार्क जैसी परियोजनाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि राजस्थान की धरती न केवल बड़े उद्योगों को आतिथ्य दे सकती है, बल्कि राष्ट्र को स्वच्छ बिजली भी दे सकती है।

सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का स्रोत है। कोयला जलाकर बिजली बनाने से कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और अनेक हानिकारक कण वायुमंडल में छोड़े जाते हैं। ये प्रदूषक वायु प्रदूषण बढ़ाते हैं, जलवायु परिवर्तन को तीव्र करते हैं और मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं। राजस्थान जैसे राज्य में, जहाँ गर्मी अधिक रहती है और जल संकट गंभीर है, वहाँ पर्यावरण की गिरती गुणवत्ता का प्रभाव और भी अधिक भयावह हो सकता है। सौर ऊर्जा के उपयोग से बिजली उत्पादन के दौरान ऐसे प्रदूषक उत्सर्जित नहीं होते। इसलिए जब राजस्थान अपनी बढ़ती बिजली आवश्यकता को सौर ऊर्जा से पूरा करेगा, तो वह न केवल अपने नागरिकों को स्वच्छ वातावरण देगा, बल्कि राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। सौर ऊर्जा अब इतनी सस्ती हो चुकी है कि अनेक स्थितियों में यह जीवाश्म ईंधन से बेहतर विकल्प साबित हो रही है।

राजस्थान के लिए सौर ऊर्जा का महत्व केवल बड़े संयंत्रों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक लाभ तब दिखेगा, जब यह आम नागरिक के घर, खेत, स्कूल, अस्पताल और गाँव की गलियों तक पहुँचेगी। राज्य के दूरस्थ गाँवों में बिजली आपूर्ति अक्सर अनियमित रही है। ऐसे क्षेत्रों में सौर लैंप, सौर पंप और छोटे सौर प्लांट जीवन की गुणवत्ता बदल सकते हैं। किसान सौर पंप से सिंचाई कर सकते हैं, जिससे डीजल पर खर्च कम होगा और धुएँ से होने वाला प्रदूषण भी घटेगा। स्कूलों में सौर ऊर्जा से पंखे, लाइट, कंप्यूटर और डिजिटल शिक्षा के साधन चलाए जा सकते हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में निरंतर बिजली से दवाओं का भंडारण, जाँच उपकरणों का संचालन और रात्रि में इलाज संभव होगा। इस प्रकार सौर ऊर्जा ग्रामीण राजस्थान की शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार को नई दिशा दे सकती है।

राजस्थान की कृषि अर्थव्यवस्था में सौर ऊर्जा की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। राज्य के अनेक क्षेत्रों में भूजल गहरा है और सिंचाई के लिए बड़ी मात्रा में बिजली या डीजल की आवश्यकता होती है। डीजल पंपों पर निर्भरता किसानों की लागत बढ़ाती है और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती है। सौर पंप इस समस्या का टिकाऊ समाधान हो सकते हैं। दिन में जब सूरज तेज होता है, तब सिंचाई की जरूरत भी अधिक होती है; इसलिए सौर पंप की उपयोगिता प्राकृतिक रूप से अनुकूल है। यदि किसानों को सौर पंपों की उचित सहायता, रखरखाव सेवा और प्रशिक्षण दिया जाए, तो कृषि लागत घट सकती है और उत्पादकता बढ़ सकती है। इसके साथ ही खेतों के किनारे या खलिहानों में लगाए गए सौर पैनल किसानों को अतिरिक्त आय का साधन भी बन सकते हैं।

राजस्थान में सौर ऊर्जा का विस्तार रोजगार की नई संभावनाएँ भी पैदा कर रहा है। सौर पैनलों के निर्माण, परिवहन, स्थापना, मरम्मत, बिक्री, बैटरी प्रबंधन और ग्रिड से जोड़ने जैसे कार्यों के लिए प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता होती है। जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और अन्य जिलों में सौर परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सकता है। इसके लिए आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सौर ऊर्जा से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए। यदि राजस्थान के युवाओं को सौर तकनीशियन, इलेक्ट्रिशियन, इंजीनियर और रखरखाव विशेषज्ञ बनने का अवसर मिले, तो राज्य केवल बिजली का उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा कौशल का केंद्र भी बनेगा। यह राज्य की अर्थव्यवस्था को विविधता देगा और प्रवासन को कम करने में भी सहायक होगा।

सौर ऊर्जा का एक विशेष पहलू यह है कि इसे विकेंद्रित रूप से अपनाया जा सकता है। बड़े ताप विद्युत संयंत्रों या जल विद्युत परियोजनाओं के लिए विशाल बुनियादी ढाँचा चाहिए, जबकि सौर पैनल एक छोटे घर की छत से लेकर बड़े औद्योगिक परिसर तक कहीं भी लगाए जा सकते हैं। राजस्थान के शहरों-जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर-में सरकारी भवनों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और बहुमंजिला आवासीय परिसरों की छतों पर सौर पैनल लगाए जा सकते हैं। इससे भूमि की बचत होगी और शहरी क्षेत्रों में बिजली की माँग का एक बड़ा हिस्सा स्थानीय स्तर पर पूरा होगा। जयपुर जैसे तेजी से बढ़ते शहर में छतों पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना विशेष रूप से आवश्यक है, क्योंकि यहाँ बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है और वायु प्रदूषण भी चिंता का विषय बन रहा है।

सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा का स्त्रोत है। कोयला जलाकर बिजली बनाने से कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और अनेक हानिकारक कण वायुमंडल में छोड़े जाते हैं। राजस्थान की भौगोलिक स्थिति इसे सौर ऊर्जा के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती है।

फिर भी यह मानना कि सौर ऊर्जा के सामने कोई चुनौती नहीं है, यथार्थवादी नहीं होगा। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूर्य रात में नहीं चमकता और बादलों, धूल भरी आँधियों या वर्षा के समय उत्पादन घट जाता है। राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में धूल और रेत का पैनलों पर जमना एक सामान्य समस्या है। धूल जमा होने से पैनलों की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए नियमित सफाई, स्वच्छ पैनल तकनीक और स्थानीय रखरखाव व्यवस्था आवश्यक है। इसके अतिरिक्त रात में बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए बैटरी संग्रहण या ग्रिड से जुड़ाव आवश्यक है। बैटरी की लागत अभी भी अधिक है और उसके निपटान की समस्या भी गंभीर है। इसलिए सौर ऊर्जा को अकेले नहीं, बल्कि पवन ऊर्जा, जल विद्युत और आधुनिक ग्रिड प्रणाली के साथ मिलाकर अपनाया जाना चाहिए। राजस्थान में पवन ऊर्जा की भी अच्छी क्षमता है, विशेषकर जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर के क्षेत्रों में। सौर और पवन ऊर्जा का संयुक्त उपयोग राज्य को अधिक स्थिर ऊर्जा आपूर्ति दे सकता है।

दूसरी चुनौती भूमि की उपलब्धता और उसके उचित उपयोग से जुड़ी है। बड़े सौर पार्क के लिए विशाल भूमि चाहिए। राजस्थान में अनुपयोगी और रेतीली भूमि उपलब्ध है, जो सौर परियोजनाओं के लिए उपयुक्त है। परंतु यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कृषि भूमि का उपयोग सौर परियोजनाओं के लिए इस तरह न हो कि किसानों की आजीविका प्रभावित हो। सौर परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता, उचित मुआवजा और स्थानीय लोगों की सहमति आवश्यक है। साथ ही नहरों के किनारे, रेलवे के आसपास, जलाशयों पर तैरते सौर पैनलों और छतों पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। तैरते सौर प्लांट से जलाशयों में जल वाष्पीकरण भी कम हो सकता है, जो जल संरक्षण की दृष्टि से राजस्थान जैसे राज्य के लिए विशेष लाभदायक है।

सौर पैनलों के जीवनकाल के बाद उनका निपटान भी एक गंभीर मुद्दा है। सौर पैनलों में काँच, एल्युमीनियम, सिलिकॉन और कुछ अन्य तत्व होते हैं। यदि पुराने पैनलों का उचित पुनर्चक्रण न हो, तो वे भविष्य में सौर कचरे की समस्या पैदा कर सकते हैं। अनुमान है कि भविष्य में भारत में सौर कचरे की मात्रा लाखों टन तक पहुँच सकती है। राजस्थान में बड़े सौर पार्कों के विकास के साथ ही पुनर्चक्रण केंद्र, निपटान नियम और जिम्मेदार निर्माता दायित्व पर ध्यान देना आवश्यक है। सौर ऊर्जा को वास्तव में स्वच्छ बनाने के लिए उसके जन्म से लेकर अंत तक की प्रक्रिया को पर्यावरण के अनुकूल बनाना होगा। यही सतत विकास का वास्तविक अर्थ है।

सौर ऊर्जा के विस्तार में जन-जागरूकता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनेक लोग यह मानते हैं कि सौर पैनल महंगे होते हैं, इनका रखरखाव कठिन है या ये केवल धनी वर्ग के लिए उपयोगी हैं। यह धारणा बदलनी होगी। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया के माध्यम से सौर ऊर्जा के लाभ, लागत, सरकारी योजनाओं और सफल उदाहरणों की जानकारी दी जानी चाहिए। जब एक गाँव का कोई किसान सौर पंप से सिंचाई करके बचत करता है, तो वह उदाहरण आसपास के गाँवों के लिए प्रेरणा बनता है। इसी प्रकार शहरों में सफल सौर रूफटॉप परियोजनाएँ अन्य लोगों को प्रोत्साहित करती हैं। राजस्थान की जनता को यह समझाना होगा कि सौर ऊर्जा केवल बिजली बिल घटाने का साधन नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य में निवेश है।

सौर ऊर्जा केवल वैज्ञानिक या आर्थिक विषय नहीं है; यह नैतिक और सांस्कृतिक दायित्व भी है। राजस्थान की लोक परंपरा में सूर्य की पूजा, सूर्य अर्घ्य और सूर्य के प्रति श्रद्धा की परंपरा गहराई तक व्याप्त है। यहाँ के लोग सूरज को जीवन दायिनी शक्ति मानते आए हैं। आज वही सूरज राज्य को स्वच्छ बिजली, रोजगार और आत्मनिर्भरता का साधन दे रहा है। यदि हम अपनी परंपरा की दृष्टि से देखें, तो सौर ऊर्जा केवल तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संवाद का आधुनिक रूप है। यह हमें याद दिलाती है कि विकास प्रकृति के विरुद्ध नहीं, प्रकृति के साथ होना चाहिए।

अंत में कहा जा सकता है कि राजस्थान के लिए सौर ऊर्जा केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता और अपार संभावना है। यह राज्य अपनी भौगोलिक विशेषताओं के कारण सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्र का अग्रणी बन सकता है। सौर ऊर्जा से राजस्थान को स्वच्छ वातावरण, कम बिजली लागत, ग्रामीण विकास, कृषि सुधार, रोजगार और ऊर्जा आत्मनिर्भरता मिल सकती है। परंतु इसकी सफलता केवल पैनल लगाने से नहीं होगी। इसके लिए बैटरी संठाहण, आधुनिक ग्रिड, कचरा प्रबंधन, भूमि नीति, जन-जागरूकता, प्रशिक्षण और निरंतर शोध आवश्यक हैं। सौर ऊर्जा को पवन और अन्य नवीकरणीय स्त्रोतों के साथ मिलाकर अपनाया जाए, तो राजस्थान भारत के ऊर्जा भविष्य की रीढ़ बन सकता है। सूरज हर प्रभात राजस्थान की धरती पर निःशुल्क ऊर्जा देकर हमें आमंत्रित करता है कि हम अपने घर, गाँव, शहर और राज्य को स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाएँ। यही आमंत्रण स्वीकार करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

संवैधानिक प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करने के अभाव में शिक्षा रूपी शेरनी का दूध बिक रहा है

मदन सिंह काला

भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर ने अपने जीवन के अनुभव के आधार पर कहा था कि 'शिक्षा शेरनी का दूध है, जो इसे पियेगा वह दहाड़ेगा'। यह वाक्य आज भी हर स्कूल की दीवार पर लिखा मिल जाता है, पर उस दूध की कीमत अब इतनी लिख दी गई है कि गरीब का बच्चा उसे देख भी नहीं पाता। बाबा साहब का मतलब था कि शिक्षा कमजोर को ताकत देती है, उसे अन्याय के खिलाफ बोलना सिखाती है। पर आज की हकीकत यह है कि शिक्षा आम बच्चे के लिए दूर का सपना बन रही है।

बाबा साहब ने इसीलिए शिक्षा को दया नहीं, अधिकार बनाया था। मूल संविधान के अनुच्छेद 45 के अनुसार राज्य 10 साल में 14 साल तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देगा, पर वह नीति निर्देशक तत्व में था। इसे मूल अधिकार बनाने के लिए पहला बड़ा कदम 86वां संविधान संशोधन 2002 था, जो अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय 12 दिसंबर 2002 को पारित हुआ। इसने अनुच्छेद 21 जोड़कर कहा कि 6 से 14 साल के हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा मूल अधिकार है। अनुच्छेद 45 को बदलकर 6 साल से कम के बच्चों के लिए प्रारंभिक देखभाल, यानी बालवाटिका की जिम्मेदारी दी और अनुच्छेद 51ए(के) में माता-पिता का कर्तव्य जोड़ा। इस अधिकार को जमीन पर उतारने का दूसरा कदम मनमोहन सिंह सरकार ने उठाया, 2009 में शिक्षा का अधिकार कानून बनाया, जो 1 अप्रैल 2010 से लागू हुआ। उसी कानून की धारा 27 कहती है शिक्षक को गैर-शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाएगा और धारा 13 कहती है प्रवेश पर कैपिटेशन फीस नहीं ली जाएगी। अनुच्छेद 41 और 46 कहते हैं राज्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक हितों की विशेष रक्षा करेगा।

इतनी मजबूत व्यवस्था के बाद भी शिक्षा रूपी दूध बाजार में क्यों बिक रहा है, इसका जवाब एक दादा की पुकार दे रही है। इस पुकार के अनुसार कक्षा 3 के बच्चे की फीस की रसीद है – 2023 में 75,000 रुपये सीड मनी के नाम पर जमा करवाए गए, जो सीधे आरटीई की धारा 13 का उल्लंघन है। अब हर तीन महीने 27,800 रुपये, यानी साल के 1,11,200 रुपये। किताब, यूनिफॉर्म, वैन अलग, साल का डेढ़ लाख से ऊपर। यह किसी एक परिवार की कहानी नहीं, यह देश के करोड़ों दादा-दादियों की पुकार है। सरकार देख रही है कि देश का आम बच्चा शिक्षा से महरूम हो रहा है, और देखते-देखते इस अधिकार को ही व्यापार बना दिया गया है।

इसकी शुरुआत जीवन के पहले कदम से ही हो जाती है। सरकार कागज पर कहती है कि तीन से छह साल तक बालवाटिका मुफ्त है, जो अनुच्छेद 45 की जिम्मेदारी है। पर जमीन पर माँ-बाप तीन साल के बच्चे को लेकर अंग्रेजी मीडियम के गेट पर खड़े हैं। आज एक आम मध्यम प्राइवेट स्कूल में एलकेजी में प्रवेश के दिन ही पचास हजार रुपये किट के नाम पर ले लिए जाते हैं। फिर हर तीन महीने पर दस हजार रुपये फीस। वैन, फंक्शन मिलाकर पहले साल का कुल एक लाख पाँच हजार। अगले साल यूकेजी में फिर तीस हजार का किट, फीस आठ प्रतिशत बढ़कर चौवालीस हजार। सिर्फ दो साल में एक परिवार एक लाख चौरानवे हजार दे देता है। सरकारी बालवाटिका में खर्च शून्य है।

फिर भी लोग प्राइवेट में जा रहे हैं, क्योंकि सरकारी स्कूल पर से भरोसा उठता जा रहा है। शिक्षक स्कूल में कम, चुनाव, जनगणना, बीएलओ में ज्यादा, जो धारा 27 का उल्लंघन है। यहीं से शेरनी का दूध बिकना शुरू होता है।

यह लूट सिर्फ शुरुआत है। हर साल आठ प्रतिशत वृद्धि से एलकेजी से बारहवीं तक अठारह लाख। सरकारी में चौदह साल का खर्च पैंतीस हजार। फर्क अठारह लाख का। आरटीई कहता है पच्चीस प्रतिशत गरीब बच्चों को मुफ्त पढ़ाओ, पर राजस्थान में साठ प्रतिशत स्कूलों ने एक भी बच्चा नहीं लिया, जो अनुच्छेद 46 की अवहेलना है।

बारहवीं के बाद हर रास्ते पर टोल है। आईटीआई सरकारी ढाई से सात हजार, प्राइवेट बीस से पैंतालीस हजार। पॉलिटेक्निक सरकारी आठ हजार, प्राइवेट पैंतालीस से अस्सी हजार। बीए, बीएससी, बीकॉम सरकारी ढाई से बारह हजार, प्राइवेट पच्चीस से अस्सी हजार। बीटेक सरकारी साढ़े तीन लाख, प्राइवेट आठ से दस लाख। एमबीबीएस सरकारी चार लाख, प्राइवेट साठ लाख से सवा करोड़। एनएलयू जोधपुर में एक साल तीन लाख पैंतालीस हजार, बैंगलोर में चार लाख अठासी हजार, पाँच साल में सत्रह से उन्नीस लाख, प्राइवेट लॉ में तीस से पैंतीस लाख। यह सरकारी होते हुए भी अनुच्छेद 41 के खिलाफ है।

पूरा जोड़ लगाएं तो एलकेजी से बारहवीं तक अठारह लाख, कोचिंग दो लाख, बीटेक सरकारी साढ़े तीन लाख, कुल साढ़े तेईस लाख। एमबीबीएस प्राइवेट एक करोड़ से ऊपर, एनएलयू सरकारी अड़तीस लाख। वहीं सरकारी व्यवस्था से बीटेक चार लाख और एमबीबीएस पाँच लाख में हो जाता है।

सरकार ने इसे महंगा होने दिया। ग्रांट घटाई और संस्थानों से कहा अपनी कमाई खुद करो। आईआईटी फीस 2015 में नब्बे हजार थी, आज दो लाख बीस हजार है।

और यहीं से विस्फोटक स्थिति बनती है। यदि शिक्षा मुफ्त नहीं हुई तो खाई दीवार बन जाएगी। अमीर का बच्चा तीन साल से अंग्रेजी, कंप्यूटर, कोचिंग में पलेगा, गरीब का बच्चा शिक्षक का इंतजार करेगा। जब शिक्षा बिकेगी तो मानव ही मानव का शोषक बनेगा। एक करोड़ में डॉक्टर बना व्यक्ति बीस रुपये फीस नहीं लेगा, पैंतीस लाख में वकील बना व्यक्ति गरीब की पैरवी मुफ्त नहीं करेगा। शिक्षा ने उसे शेर नहीं, शिकारी बना दिया।

देश में पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस साल से कम है। उसे बाहर किया तो वह नशे, अपराध या व्यवस्था से नफरत की ओर जाएगी। फ्रांस की क्रांति से लेकर नक्सल आंदोलन तक, जड़ में यही था कि पढ़ने का अधिकार कुछ हाथों में सिमट गया था। मुफ्त शिक्षा कोई दया नहीं, देश की सुरक्षा है एवं उसे कुशल नागरिक देती है।

इसलिए एक दादा की पुकार में चार मांगें हैं। एक, जीडीपी का 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च हो ताकि 21ए लागू हो। दो, सख्त फीस प्राधिकरण बने जो सीड मनी और किट के नाम पर वसूली पर रोक लगाए। तीन, शिक्षकों को धारा 27 के अनुसार गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति मिले। चार, उच्च शिक्षा में अनुदान वापस आए।

बाबा साहब ने शिक्षा रूपी दूध को मुफ्त देने के लिए संवैधानिक प्रावधान किया था। वह दूध अब अनुच्छेद 21ए है जो हर बच्चे का मूल अधिकार है। 27,800 रुपये की तिमाही रसीद बताती है कि वह अधिकार आज बाजार में बिक रहा है और सरकार इसे देख रही है। आमजन इससे बेखबर है। अतः शिक्षा को मुफ्त कर, इस क्षेत्र में संपूर्ण देश के भविष्य बच्चों को समानता की ओर ले जाना सरकार का प्राथमिक दायित्व है। तभी हमारे देश का भविष्य हर बच्चा शेर होकर, अर्थात निडर होकर देश के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी निभा सकेगा।

–मदन सिंह काला,
सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी

दशहरा विवाद और भारतीय पंथनिरपेक्षता का वास्तविक अर्थ-संविधान सभा की बहसें, धर्म की अवधारणा व भारत की सभ्यतागत विरासत

सूर्य प्रताप सिंह राजावत

दशहरे के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा पूजा-अर्चना किए जाने को राजनीतिक दलों का एक वर्ग पंथनिरपेक्षता के आदर्शों के विपरीत बताता है। यह बहस एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाती है-क्या भारतीय पंथनिरपेक्षता का अर्थ सार्वजनिक जीवन में अपनी सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक विरासत की अभिव्यक्ति से परहेज करना है? अथवा भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक परंपराओं और आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों के बीच समन्वय स्थापित करने की गुंजाइश देता है?

इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए संविधान की मूल प्रति, संविधान सभा की बहसों और भारतीय चिंतन परंपरा का अध्ययन आवश्यक है। किसी संवैधानिक अवधारणा को समझने के लिए केवल उसके प्रचलित राजनीतिक अर्थ पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है; उसके ऐतिहासिक विकास, संवैधानिक प्रावधानों और निर्माताओं के विचारों को भी समझना चाहिए।

भारतीय संविधान केवल विधिक प्रावधानों का संकलन नहीं है। इसकी मूल हस्तलिखित एवं चित्रांकित प्रति भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा को भी अभिव्यक्त करती है। महान चित्रकार नंदलाल बोस के निर्देशन में तैयार इस प्रति को भारतीय कला, संस्कृति और सभ्यतागत परंपराओं से प्रेरित चित्रों से अलंकृत किया गया। इनमें भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी से संबंधित चित्र भी सम्मिलित हैं।

संविधान सभा के सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को संविधान की मूल प्रति पर हस्ताक्षर किए और संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। यह तथ्य विचारणीय है कि स्वतंत्र भारत के संविधान की कलात्मक अभिव्यक्ति में भारतीय सभ्यता की विविध ऐतिहासिक परंपराओं को स्थान मिला। इससे यह समझना अधिक उपयुक्त है कि भारत की संवैधानिक यात्रा अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से पूर्णतः विच्छिन्न नहीं थी। इसी संदर्भ में प्रश्न उठता है कि किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा पूजा-अर्चना करना अपने आप में पंथनिरपेक्षता के विरुद्ध कैसे माना जा सकता है? इसका उत्तर संबंधित आचरण, उसके उद्देश्य, राज्य की भूमिका और संवैधानिक दायित्वों के आधार पर दिया जाना चाहिए, न कि केवल धार्मिक अभिव्यक्ति की उपस्थिति के आधार पर।

भारतीय पंथनिरपेक्षता की अवधारणा को समझने के लिए 27 दिसंबर 1948 को संविधान सभा में हुई बहस विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। इस दिन एच. वी. कामथ ने राष्ट्रपति की शपथ के प्रारूप में संशोधन संख्या 1146 प्रस्तुत किया। उनका प्रस्ताव था कि शपथ के प्रारंभिक शब्दों में ईश्वर के नाम का उल्लेख करने का विकल्प उपलब्ध हो। वैकल्पिक रूप से व्यक्ति बिना धार्मिक उद्घोषणा के सत्यनिष्ठापूर्वक प्रतिज्ञान कर सकता था।कामथ का तर्क था कि ईश्वर का उल्लेख करना अपने आप में किसी राज्य को धार्मिक राज्य नहीं बनाता। उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं के उदाहरण देते हुए कहा कि ईश्वर के प्रति आस्था विभिन्न समुदायों में अलग-अलग रूपों में व्यक्त होती है। उनके विचार में भारत के पंथनिरपेक्ष राज्य की कल्पना का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन से धार्मिक आस्था को पूरी तरह निषिद्ध कर दिया जाए। उन्होंने कहा भारत की आध्यात्मिक स्वतंत्रता पर पहली चोट तब लगी जब सोमनाथ पर हमला हुआ।

इस बहस में महावीर त्यागी ने भी धार्मिक आस्था और पंथनिरपेक्ष राज्य के संबंध पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने उस धारणा पर आपत्ति जताई जिसके अनुसार पंथनिरपेक्ष राज्य में ईश्वर का उल्लेख वर्जित होना चाहिए। उनके विचार में पंथनिरपेक्षता का अर्थ किसी विशेष धर्म के प्रति पक्षपात किए बिना राज्य का संचालन करना है, न कि नागरिकों की धार्मिक आस्था का निषेध करना। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रश्न उठाया कि यदि पंथनिरपेक्षता की व्याख्या इस प्रकार की जाए कि सार्वजनिक जीवन से धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी तरह हटा दिया जाए, तो राजनीतिक स्वतंत्रता का क्या महत्त्व रह जाएगा? उन्होंने अपनी बात को रामराज्य की अवधारणा से जोड़ते हुए कहा: राजनीतिक स्वतंत्रता का क्या महत्व है यदि 'रामराज्य' से भगवान को निकाल दिया गया तो भारत राम-विहीन अयोध्या बन जाएगा। इस कथन के माध्यम से त्यागी ने उस दृष्टिकोण पर प्रश्न उठाया जिसके अनुसार पंथनिरपेक्षता का अर्थ धार्मिक प्रतीकों, आस्थाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को सार्वजनिक जीवन से पूर्णतः अलग कर देना है। उनके विचारों में स्वराज केवल राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं था, बल्कि भारत की आत्मा और सांस्कृतिक चेतना की स्वतंत्रता से भी जुड़ा था। इस बहस का महत्त्व इस बात में है कि संविधान सभा के सदस्यों ने धार्मिक आस्था और पंथनिरपेक्ष राज्य के संबंध पर विचार-विमर्श किया। त्यागी ने भारत की आध्यात्मिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन और स्वराज की अपनी अवधारणा का उल्लेख करते हुए राजनीतिक स्वतंत्रता के व्यापक अर्थ पर विचार किया। उनके वक्तव्य का केंद्रीय भाव यह था कि भारत की स्वतंत्रता को उसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना से अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए।

दशहरे पर पूजा-अर्चना को लेकर उठी बहस हमें संविधान के मूल सिद्धांतों की ओर लौटने का अवसर देती है। संविधान की मूल प्रति में नंदलाल बोस द्वारा अंकित सांस्कृतिक चित्र और संविधान सभा में हुई बहसें हमें स्मरण कराती हैं कि भारत की संवैधानिक पहचान को उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों-तीनों के संदर्भ में समझना चाहिए।भारतीय पंथनिरपेक्षता को समझने के लिए सांस्कृतिक विरासत का निषेध आवश्यक नहीं है।

-सूर्य प्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर

जोधपुर रिफ का 20वां संस्करण शुरू, लोक कलाकारों ने दी प्रस्तुति

जोधपुर, (कासं)। लोक संगीत और कलाकारों को समर्पित राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल (जोधपुर रिफ) का 20 वां संस्करण गुरुवार से शुरू हो गया। रिफ का आगाज आज सुबह वीर दुर्गादास मेमोरियल पार्क मसूरिया पहाड़ी पर बाल मेला व लोक कलाकारों की प्रस्तुति के साथ किया गया। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस पांच दिवसीय रिफ में देश-विदेश के करीब 250 से अधिक कलाकार प्रस्तुति देंगे। महोत्सव का आयोजन मुख्य संरक्षक पूर्व नरेश गजसिंह के संरक्षण में किया जा रहा है। वीर दुर्गादास मेमोरियल पार्क मसूरिया पहाड़ी पर आयोजित कार्यक्रम में कचपुड़ी, कच्छी घोड़ी, यंग राजस्थान, म्यूजिशियन राजस्थानी सर्कस, भपंग, बहरूपिया, गरासिया नृत्य, चरी नृत्य व डांडियां गेर आदि की प्रस्तुति दी गई। इस आयोजन में जोधपुर के विभिन्न स्कूली बच्चों ने भाग लिया। सांय 7.30 से रात्रि 10 बजे तक मेहरानगढ़ दुर्ग पार्किंग एरिया में आयोजित नाइट कॉन्सर्ट में पारम्परिक राजस्थानी कलाकारों की लोक संगीत से लेकर फंक संगीत की शानदार परफॉर्मेन्स दी। जोधपुर रिफ महोत्सव के निदेशक दिव्य भाटिया ने बताया कि फेस्टिवल में विश्व के कई नामचीन संगीतकार व कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। फेस्टिवल का समापन 26 अक्टूबर को होगा। इस पांच दिन के संगीत महोत्सव में शहरवासी व अन्य लोग ना केवल विश्व स्तरीय संगीत सुन पाएंगे बल्कि जड़ों को भी समझ पाएंगे। इस वर्ष महोत्सव अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है । इसमें छह महाद्वीपों के कलाकार, एक दर्जन से अधिक देशों के संगीतकार शामिल है।

राशिफल शुक्रवार 23 अक्टूबर, 2026

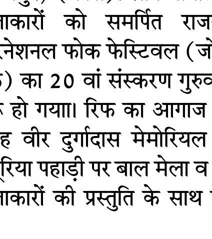

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 9:03 तक, धुव्र योग रात्रि 10:08 तक, बालव करण दिन 2:36 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:04 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 9:03 से आरम्भ होगा। आज सायन वृश्चिक में सूर्य प्रवेश दिन 3:00 पर होगा। आज प्रदोष व्रत, पंचक है। आज हेमन्त ऋतु आरम्भ होगी और राष्ट्रीय कार्तिक मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर सूर्योदय से 7:59 तक, लाभ-अमृत 7:59 से 10:47 तक, शुभ 12:11 से 1:35 तक, चर 4:24 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 5:48

मेष

अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों के लिए दिन के मध्यान्ह पूर्व तक का समय अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

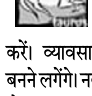

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या

विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

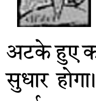

तुला

व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

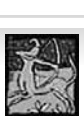

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

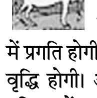

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होगा।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने अस्पतालों में दवाओं एवं सर्जिकल आइटम्स की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की समय पर पहचान एवं प्रबंधन, नियमित मॉनिटरिंग तथा गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक में प्राप्त

- **विगत एक माह में 19 मेडिकल कॉलेजों और 58 जिला अस्पतालों में शून्य मातृ मृत्यु दर्ज**
- **प्रदेश के 35 मेडिकल कॉलेजों में मॉड्यूलर ओटी का निर्माण जारी**

जानकारी के अनुसार, अक्टूबर माह में 19 मेडिकल कॉलेजों एवं 58 जिला अस्पतालों में शून्य मातृ मृत्यु दर्ज होना सकारात्मक उपलब्धि है।

वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं, एचआरपी की पहचान एवं प्रबंधन, मातृ मृत्यु, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, दवाओं एवं सर्जिकल आइटम्स की उपलब्धता तथा रेफरल परिवहन सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों, गायनी विभागाध्यक्षों, संयुक्त निदेशकों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से चर्चा कर फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों, गायनी विभागाध्यक्षों, संयुक्त निदेशकों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से चर्चा कर फीडबैक लिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समय पर प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका उचित उपचार एवं फॉलोअप सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। अक्टूबर माह में 11,928 एएनसी पंजीकरण दर्ज किए गए तथा 6,175 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को एएनसी कवरेज प्रदान किया गया। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को माह में दो बार समीक्षा बैठक आयोजित कर एचआरपी की पहचान, प्रबंधन एवं फॉलोअप की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) के निर्माण तथा पुराने ऑपरेशन थियेटर्स को मॉड्यूलर ओटी में अपग्रेड करने के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026-27 में प्रदेश के 35 मेडिकल कॉलेजों में मॉड्यूलर ओटी का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने नए मॉड्यूलर ओटी के निर्माण एवं पुराने ओटी के अपग्रेडेशन के लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य अस्पतालों में दवाओं और सर्जिकल आइटम्स की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं एवं सर्जिकल आइटम्स की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने गर्भवती महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए संचालित 104 जननी एक्सप्रेस तथा आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा 108 की उपलब्धता की समीक्षा की। 19 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन सेवाओं के माध्यम से कुल 39,436 ट्रिप दर्ज किए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रेफरल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें आवश्यक उपचार के लिए उचित स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने में देरी न हो।

प्रदेश में सरकारी चिकित्सा संस्थाओं प्रसव सखियों की संख्या 1,318 है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आसपास के डिलीवरी पॉइंट्स पर कार्यरत चिकित्सकों एवं स्टाफ की मेंटरिंग लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रसव एवं जांच सेवाओं के उचित दस्तावेजीकरण तथा स्वास्थ्यकर्मियों के कौशल उन्नयन के लिए भी आवश्यक प्रयास करने पर बल दिया।

बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम, प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सैन, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, मुख्य अभियंता सिविल अक्षय कुमार जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रामगंज थाने में डीसीपी करण शर्मा ने परिवादियों की समस्याएं सुनी

जयपुर। जयपुर उत्तर जिले के रामगंज थाने में पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज और थानाधिकारी भी मौजूद रहे। करण शर्मा ने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिस की प्राथमिकता है। जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन और पुलिस के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है। इस दौरान परिवादियों की शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निस्तारण किया गया। पुलिस प्रशासन के अनुसार जयपुर उत्तर जिले के सभी अधीनस्थ थानों में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शिष्टाचार भेंट की। स्पीकर देवनानी ने मुख्यमंत्री साय का पुष्प गुच्छ भेंट कर और दुपट्टा पहनाकर अभिनन्दन किया। साय ने भी देवनानी का दुपट्टा ओढाकर और पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

'पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण में भाजपा के पक्ष में दिखा मतदाताओं का उत्साह'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पंचायती राज चुनावों के प्रथम चरण में शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रदेश के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए उत्साहपूर्वक मतदान किया है। राठौड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रथम चरण में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को भरपूर आशीर्वाद दिया है। राठौड़ ने कहा कि संभाग प्रभारियों और जिला प्रभारियों से प्राप्त फीडबैक के अनुसार मतदाताओं में भाजपा के प्रति उत्साह का माहौल है। पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर पूरी सक्रियता के साथ मोर्चा संभाला और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए किसान कल्याण, ऊर्जा, बिजली, ग्रामीण सड़क, कनेक्टिविटी और आवास सहित

- **भजनलाल सरकार ने ग्रामीण विकास, किसान कल्याण, बिजली, सड़क और आवास के क्षेत्र में किए ऐतिहासिक कार्य: मदन राठौड़**

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य गांवों को मजबूत बनाना, किसानों को राहत देना और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों को बिजली बिलों में राहत देने से लेकर कृषि विद्युत कनेक्शन, सौर ऊर्जा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बिजली व्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए किए गए प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करते हुए 65603 करोड़ रुपए किसानों के बिजली बिलों में अनुदान दिया। 2.38 लाख से अधिक कृषि विद्युत कनेक्शन जारी किए गए। किसानों के लिए भजनलाल सरकार ने प्रदेश के 26 जिलों में दिन में बिजली की व्यवस्था की है। 3.45 लाख किसानों को कुसुम योजना के माध्यम से निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत 5017 मेगावाट क्षमता की 2279 सौर परियोजनाएं स्थापित की गईं। सरकार ने 67408 सोलर पंपों पर 1134 करोड़ का अनुदान दिया। 3.09 लाख रूफटॉप सोलर संयंत्रों के माध्यम से 1206 मेगावाट क्षमता विकसित की गई। प्रदेश में 53.89 लाख स्मार्ट मीटर लगाए गए। उन्होंने कहा कि कृषि ऊर्जा व्यवस्था में बिजली सब्सिडी के साथ सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन देना किसानों को राहत पहुंचाने और प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग

जयपुर। मानगढ़ धाम, जिला बांसवाड़ा को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को लेकर राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद एवं वनवासी कल्याण आश्रम की ओर से ज्ञापन के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया।

ज्ञापन में महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजस्थान के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर के माध्यम से मानगढ़ धाम को अविलंब राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने तथा इसके ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप संरक्षण और विकास सुनिश्चित करने की मांग की गई।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। गोविंद गुरु के नेतृत्व में संचालित भगत आंदोलन ने जनजातीय समाज में जागृति, सामाजिक सुधार, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना का संचार किया।

सिटी पैलेस में ''सवाई जयपुर अवॉर्ड्स'' समारोह आयोजित

जयपुर। हिज हाइनेस ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी ऑफ जयपुर की जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को सिटी पैलेस के प्रीतम चौक में प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह 'सवाई जयपुर अवॉर्ड्स-2026' आयोजित किया गया। समारोह में सामाजिक सेवा, संस्कृति, हेरिटेज संरक्षण, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, पत्रकारिता, खेल, व्यापार, उद्योग और पारंपरिक शिल्प

- **समारोह में कुल 25 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए**

सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट के चेयरपर्सन महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, राजकुमारी गौरवी कुमारी सहित धर्मगुरु उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत श्री गोविंद देव जी और स्वर्गीय महाराजा सवाई भवानी सिंह के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद

सिटी पैलेस के प्रीतम चौक में प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह 'सवाई जयपुर अवॉर्ड्स-2026' आयोजित किया।

धर्मगुरुओं का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया और पुरस्कार वितरण समारोह शुरू हुआ।

महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस समारोह में कुल 25 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। सामाजिक सेवा के लिए विमुक्ति संस्था, संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए टाटा ट्रस्ट्स, चिकित्सा के लिए डॉ. मोहनीश ग्रोवर, बहादुरी के लिए राइफलमैन गोविंद सिंह, विज्ञान के लिए डॉ. गोबिंद सागर भारद्वाज तथा पत्रकारिता के लिए किरण राजपुरोहित को सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अमीश त्रिपाठी, खेल में महावीर प्रसाद सैनी, पर्यावरण संरक्षण में धीरेन्द्र गोधा, फोटोग्राफी में समर सिंह जोधा, थिएटर, फिल्म एवं टेलीविजन के क्षेत्र में कैलाश खेर, व्यापार एवं उद्योग में माधव सिंघानिया तथा लीडरशिप के लिए आर्किटेक्ट रितु सिंह को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा हेरिटेज एवं आर्किटेक्चर संरक्षण, महिलाओं की उपलब्धियों, परफॉर्मिंग आर्ट, नवाचार, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

केंद्रीय दल ने प्रदेश में केंद्रीय योजनाओं की प्रगति को सराहा

जयपुर। राजस्थान में पशुपालन विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं की जमीनी हकीकत और प्रगति का जायजा लेने आया केंद्र सरकार के तीन सदस्यीय विशेष दल का दौरा आज संपन्न हो गया। राष्ट्रीय पशुधन मिशन केंद्र सरकार की एक बेहद महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है जिसे पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में प्रमुखता से लागू किया जा रहा है। केंद्र सरकार के तीन सदस्यीय विशेष दल ने इस संबंध में विकास सीतारामजी भाले, प्रमुख शासन सचिव और दिनेश कुमार जांगिड़, संयुक्त सचिव के साथ भी विस्तृत चर्चा की। इस उच्च स्तरीय दल ने 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न जिलों का सघन भ्रमण कर योजनाओं का व्यापक फीडबैक लिया। बैठक में केंद्रीय दल ने राजस्थान में पशुपालकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। टीम ने राज्य में हुए कार्यों की सराहना करते हुए मुख्य रूप से मोबाइल वेटरनरी यूनिट, पशु बीमा कार्य तथा टीकाकरण अभियान को उत्कृष्ट बताया।

गुजरात ने विजिजीएस में साझेदारी के लिए प्रदेश के उद्योग जगत को न्योता दिया

जयपुर। गुजरात सरकार ने गुरुवार को जयपुर में रोड शो आयोजित कर राजस्थान के कारोबारी समुदाय को राज्य में निवेश के अवसर तलाशने का न्योता दिया। यह रोड शो वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 से पहले आयोजित किया गया। यह सम्मेलन 10 से 12 जनवरी, तक गांधीनगर के महात्मा मंदिर में होगा।

इस रोड शो में राजस्थान भर से उद्योगपति, व्यापारी और कारोबारी प्रतिनिधि शामिल हुए। इससे दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच निवेश के अवसरों और नई साझेदारियों पर बात करने का मंच मिला। गुजरात के प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग प्रतिनिधियों से अलग-अलग आमने-सामने बैठकें भी कीं। इनमें राज्य की उद्योग के अनुकूल नीतियों, बुनियादी ढांचे, औद्योगिक माहौल और निवेशकों को मिलने वाले सरकारी सहयोग के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात के श्रम, कौशल विकास एवं रोज़गार तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई बावलिया ने गुजरात सरकार की ओर से सभी का स्वागत किया। वाइब्रेंट गुजरात की शुरुआत को याद करते हुए मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए 2003

- **जयपुर रोड शो में गुजरात ने सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाई; राजस्थान के व्यापारियों और उद्योगपतियों ने राज्य में कारोबार के अवसरों में दिलचस्पी दिखाई**

में इस सम्मेलन की शुरुआत की थी, तब किसी राज्य द्वारा वैश्विक व्यापार सम्मेलन करने का विचार काफी नया था। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में वाइब्रेंट गुजरात आज निवेश, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक बड़ा मंच बन चुका है।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल के नेतृत्व में राज्य अपने विकास कार्यों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। 2026 में पहली बार आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों तक निवेश के अवसर पहुँचाने की दिशा में एक और कदम था।

सार-समाचार

लोधी समाज संस्था जयपुर की नई कार्यकारिणी का गठन

जयपुर। लोधी समाज छात्रावास पर नव निर्वाचित अध्यक्ष राकेश कुमार आर्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमे पांच संरक्षक, पांच उपाध्यक्ष, एक महासचिव एक सचिव एक सह -सचिव एक कोषाध्यक्ष दो सह- कोषाध्यक्ष दो संगठन मंत्री दो प्रचार मंत्री एक मीडिया प्रभारी एक महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं 16 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए। संरक्षक अमर सिंह सालीगराम, मुन्नालाल, रूपलाल, गोविंद सिंह, महासचिव राजेश पथरिया, सचिव रामचंद्र पथरिया, सह - सचिव विक्रम पथरिया एडवोकेट, उपाध्यक्ष राम अवतार सिंह, शंकर लाल लोधा, लालाराम लोधा, कोषाध्यक्ष गजराज सिंह, सह कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह, गजेंद्र सिंह, संगठन मंत्री जानकी लाल, शशिकांत लोधा, प्रचार मंत्री विजेंद्र सिंह, गणेश लोधा, मीडिया प्रभारी महेंद्र सिंह पथरिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष सीता देवी, मीडिया प्रभारी महेंद्र सिंह पथरिया ने बताया कि बैठक में मौजूद निवर्तमान अध्यक्ष चंद्रभान सिंह ने 2 वर्ष का आय व्यय का ब्यौरा दिया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में 38 अधिकारियों को पदोन्नित

जयपुर। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में राजस्थान जनसंपर्क सेवा के कुल 38 अधिकारियों को पदोन्नित दी गई है। इनमें दो उपनिदेशक, चार सहायक निदेशक, एक फोटो अधिकारी एवं 31 अधिकारियों को जनसंपर्क अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों में सरिता जाखड़, आशुराज आनंद सहायक निदेशक पद पर, नरेंद्र सिंह, आशुतोष अवाना, सोनू शर्मा, पल्लव जोशी, कुणाल वशिष्ठ, मोहित जैन, दिनेश शर्मा, सुधाकर सोनी, भारत मीणा, प्रियंका चतुर्वेदी और चारू मीणा सहित कुल 31 अधिकारियों को जनसंपर्क अधिकारी पद पर पदोन्नत किया गया है।

सरीता जाखड़

'भाजपा मतदाता सूची की विश्वसनीयता को लेकर जनजागरण करेगी'

जयपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), पात्र नागरिकों के मतदान अधिकार और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने के लिए भाजपा ने प्रदेश में राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी कड़ी में गुरुवार से प्रदेशभर में लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान की शुरुआत की गई। 22 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के जरिए भाजपा मतदाता सूची की विश्वसनीयता, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान को लेकर जनजागरण करेगी। पार्टी ने अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए जिला मुख्यालयों से लेकर विधानसभा क्षेत्रों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

भाजपा की इस पहल को एसआईआर को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का प्रयास है कि जनसंपर्क, पदयात्राओं, बौद्धिक संवाद और डिजिटल माध्यमों के जरिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की आवश्यकता तथा पात्र नागरिकों के

- **5 नवंबर तक प्रदेशभर में चलेंगे कार्यक्रम, मतदाता सूची की शुचिता, एसआईआर और अवैध घुसपैठ के मुद्दों पर जनजागरण करेगी पार्टी**

मताधिकार से जुड़े विषयों पर अपना पक्ष जनता तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही अवैध घुसपैठ के मुद्दे को भी अभियान के केंद्र में रखा गया है।

भाजपा प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल ने बताया कि कांग्रेस ने एसआईआर सहित कई मुद्दों पर जनता के बीच अपना नैरेटिव बनाने की कोशिश की है। इसी नैरेटिव का जवाब देने और वास्तविक मुद्दों पर जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से भाजपा ने यह अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि अभियान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा।

नशा मुक्त भारत के संदेशवाहक हैं बाइक राइडर्स: डीजीपी राजीव कुमार

जयपुर। नशे के खिलाफ जन-जागरूकता और राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर निकली राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली गुरुवार सुबह जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पहुंची। यहां पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने राइडर्स का उत्साहवर्धन किया। पुलिस बैंड की धुनों और जयपुरवासियों की तालियों से राइडर्स का स्वागत किया गया। इसके बाद डीजीपी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को अजमेर के लिए रवाना किया।

डीजीपी शर्मा ने कहा कि राइडर्स की वर्दी, भाषा और खानपान अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक ही है-नशामुक्त भारत का निर्माण। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2029 तक देश को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

इसे पूरा करने के लिए सभी को एकजुट होकर सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी। बाइक राइडर्स केवल यात्री नहीं, बल्कि नशामुक्त भारत के संदेशवाहक हैं और उनकी सबसे बड़ी ताकत अनुशासन है।

डीजीपी ने राइडर्स को स्वयं नशे

राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली अल्बर्ट हॉल पहुंची।

से दूर रहने, परिवार और समाज को नशामुक्त रखने, राष्ट्रीय एकता बनाए रखने तथा किसी भी आयोजन में नशीले पदार्थ नहीं परोसने की शपथ दिलाई। उन्होंने 31 अक्टूबर को गुजरात के एकता नगर में होने वाली राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में शामिल होने के लिए राइडर्स को शुभकामनाएं दीं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस जल्द ही नशामुक्त राजस्थान के लिए व्यापक अभियान शुरू करेगी।

इसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक लड़ाई है। अल्बर्ट हॉल के सामने राइडर्स ने विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, पुलिसकर्मियों और आमजन से संवाद कर नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के तन-मन के साथ पूरे परिवार को प्रभावित करता है और इससे कोई लाभ नहीं होता। सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी विभिन्न सुरक्षा बल निभा रहे हैं। युवाओं को नशे से दूर रहकर देश का भविष्य मजबूत करना चाहिए। राइडर्स ने स्वयं नशामुक्त रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आव्हान किया।

- **पुलिस बैंड ने धुनों और जयपुर वासियों ने तालियों से स्वागत किया**
- **डीजीपी ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ**

रैली में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एनडीआरएफ, एनएसजी, एसएसबी सहित विभिन्न केंद्रीय बलों, पुलिस संगठनों और राज्य पुलिस के राइडर्स भाग ले रहे हैं। जयपुर में राजस्थान पुलिस के राइडर्स भी रैली से जुड़े। इसमें कांस्टेबल से लेकर आईजी स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वी.के. सिंह ने बताया कि रैली बुधवार शाम जयपुर पहुंची थी। आमेर फोर्ट पर राइडर्स का स्वागत किया गया। गुरुवार सुबह चतुर्थ बटालियन आरएसी, पांचवीं बटालियन आरएसी और राजस्थान पुलिस अकादमी से राइडर्स अलग-अलग समूहों में अल्बर्ट हॉल पहुंचे।

राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर विश्वविद्यालय की प्रगति एवं भावी विकास योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

छबड़ा में डीएपी खाद के लिए सड़कों पर उतरे किसान, नरेश मीणा पेड़ पर चढ़े

तड़के 3 बजे से टोकन के इंतजार में कतारों में लगे रहे किसान

छबड़ा (निसं)। रबी फसलों की बुवाई के बीच डीएपी खाद की किल्लत ने गुरुवार को छबड़ा में किसानों का आक्रोश सड़क पर ला दिया। खाद की उम्मीद में तड़के 3 बजे से खेल मैदान में कतारों में लगे महिला और पुरुष किसानों का इंतजार दोपहर तक जारी रहा। किसानों का आरोप था कि खाद की दुकानें समय पर नहीं खुलीं और घंटों इंतजार के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिला। इससे किसानों का आक्रोश बढ़ गया और उन्होंने छबड़ा-सालपुरा

■ **वार्ता के बाद 1000 टोकन वितरण पर सहमति बनी**

स्टेट हाईवे-51 पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान कृषि मंत्री के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। सूचना मिलने पर किसान नेता नरेश मीणा मौके पर पहुंचे। उन्होंने खेल मैदान में पेड़ पर चढ़ कर किसानों को संबोधित किया। इसके बाद वे बड़ी संख्या में किसानों के साथ उपखंड कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। खाद के लिए सुबह से कतारों में खड़े

छबड़ा उपखंड कार्यालय में आक्रोशित किसानों की भीड़ ।

किसानों को जब लंबे इंतजार के बाद भी राहत नहीं मिली, तो नाराजगी बढ़ती चली गई। किसानों ने खाद वितरण की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बुवाई के महत्वपूर्ण समय में उन्हें खाद के लिए परेशान होना पड़ रहा है। खाद की दुकानों के समय पर नहीं खुलने और वितरण में देरी से नाराज किसानों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में हलचल बढ़ गई और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। प्रदर्शन की सूचना पर पहुंचे नरेश मीणा खेल मैदान में पेड़ पर चढ़ गए और किसानों को संबोधित किया। उन्होंने खाद की समस्या को लेकर आवाज उठाई। इसके बाद वे किसानों के साथ उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां धरना देकर खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई। कार्यालय परिसर में किसानों की संख्या बढ़ने से पुलिस और प्रशासन को व्यवस्था संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। उपखंड कार्यालय में प्रदर्शन के दौरान नरेश मीणा ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के साथ यहां के भाजपा और कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों को भी खाद संकट के मुद्दे पर जमकर घेरा। उन्होंने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने की मांग उठाई। भीड़ बढ़ने पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का भारी जाब्ता तैनात रहा। इस दौरान नरेश मीणा ने भी भीड़ को नियंत्रित के लिए हाथ में लड्डु लेकर सहयोग किया। प्रदर्शन के दौरान नरेश मीणा ने जिला कलेक्टर से फोन पर बातचीत की। इसके बाद एसडीएम सपना कुमारी, डीएसपी ताराचंद, तहसीलदार मनोज खत्री, सीआई राजेश खटाना और कृषि अधिकारी सुरेश मालव के साथ वार्ता हुई। अधिकारियों की ओर से गुरुवार और शुक्रवार को खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया, लेकिन शुरुआती बातचीत में सहमति नहीं बन पाई। बाद में दोबारा हुई वार्ता में 1000 टोकन वितरित करने पर सहमति बनी। वार्ता के बाद उपखंड कार्यालय परिसर में ही पुलिस की मौजूदगी में किसानों को खाद के टोकन वितरित किए गए। इसके बाद शेष टोकन खेल मैदान में बांटे गए।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का 20 वें दिन भी प्रदर्शन

जयपुर। पेंशनर्स सोसाइटी के तत्वावधान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स का बाईसवें दिन भी प्रदर्शन जारी रहा। जिसमें लगभग 160 से ज्यादा पेंशनर्स ने भाग लिया। प्रदर्शन का प्रारम्भ संयोजक अशोक व्यास ने रोज़ की भांति प्रार्थना से किया। तत्पश्चात मोहन सिंह सरदार, प्रोफेसर के. एन.व्यास, प्रोफेसर चैना राम चौधरी, अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा तथा प्रोफेसर डी.के.शर्मा आदि ने संबोधित किया। सभी ने बकाया पेंशन एवं अन्य परिलाभों के भुगतान में असफलता के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन एवं कुलगुरू की आलोचना की। अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि साथियों मैंने तो विश्वविद्यालय के इतिहास में ऐसा पहला कुलगुरू देखा है जो अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन न मिलते देखकर जरा भी दु:खी नहीं होता । वास्तविकता तो यह है कि कुलगुरू पेंशन का भुगतान करना ही नहीं चाहते। प्रोफेसर के एन.व्यास ने कहा कि वर्तमान कुलगुरू की कथनी और करनी में स्पष्ट फ़र्क़ दिखायी देता है कुलगुरू द्वारा जॉइन करने के समय जो गए वायदे कि थे,मैं उच्च स्तर पर बात करके आया हूँ और आप मुझे एक महीने का समय दीजिए मैं आपकी पेंशन सम्बन्धी समस्या का समाधान करने की पूरी कोशिश करूंगा परन्तु कुलगुरू अपने वायदे पर खरे नहीं उतरे ।

सार-समाचार

भरतपुर कलेक्ट्रेट में नामांकन भरने वालों की भीड़ रही

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में पंचायत आम चुनाव 2026 के तहत जिला परिषद सदस्य पद के लिए नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन जिला कलेक्ट्रेट पर प्रत्याशियों की भीड़ देखने को मिली। दिनभर कलेक्ट्रेट परिसर में गहमागहमी बनी रही। भाजपा, कांग्रेस, निर्दलीय और आरएलपी से जुड़े संभावित प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए। चौथे दिन कुल 77 उम्मीदवारों ने 106 नामांकन पत्र भरे। चार दिन में अब तक कुल 151 उम्मीदवारों ने 202 नामांकन पत्र भरे। वहीं, राजनीतिक दलों ने अभी तक अपने अधिकृत उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में उम्मीदवारों ने अपने पर्चे दाखिल किए। वहीं, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) की ओर से भी संभावित महिला प्रत्याशियों ने नामांकन भरे। हालांकि, अभी तक किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने अपने अधिकृत उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। जिला परिषद के वार्ड नंबर 9 से डॉ. विजय रानी और वार्ड नंबर 5 से राखी फौजदार ने नामांकन दाखिल किया। वहीं, वार्ड नंबर 31 से सोनम ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन भरा। नामांकन के दौरान जिला कलेक्ट्रेट परिसर में दिनभर राजनीतिक गतिविधियां देखने को मिलीं। प्रत्याशियों के साथ उनके समर्थक भी कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्ट्रेट के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। पंचायत चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के साथ ही जिले में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अब सभी की नजरें राजनीतिक दलों की ओर से अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा और आगामी चुनावी गतिविधियों पर टिकी हैं।

उदयपुर के गोवर्धन थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत

उदयपुर । शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में हुए सडक हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र बारापोल रोड़ पर बाईक फिसलने से घायल बोलमा फला खजूरी बारापाल निवासी सूरजमल (21) पुत्र नाना मीणा की मौत हो गई। सूरजपोल अपने साथी मुकेश पुत्र देवीलाल के साथ बाईक पर उदयपुर से घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते बारापाल रोड पर बाईक फिसलने से हादसा हो गया। गंभीर घायल सूरजमल को उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई विरेन्द्रसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया । डबोक थाना क्षेत्र देवाली गांव निवासी ईन्दरसिंह(63)पुत्र ईश्वरसिंह राजपूत की 20 अक्टूबर को तबीयत खराब होने पर चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई मुकेश ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर नियमित कार्रवाई के निर्देश

सवाई माधोपुर, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए गुरूवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में काना राम ने विभिन्न विभागों को समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट अभियान को गति देने, यातायात नियमों के उल्लंघन पर नियमित कार्रवाई करने, तकनीक आधारित निगरानी बढ़ाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी सड़क एजेंसियों को क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत, गड्ढे भरने तथा प्रमुख मार्गों पर व्हाइट मार्किंग कराने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को एक्सप्रेस-वे पर किए गए मरम्मत कार्य का निरीक्षण करने तथा सभी प्रमुख मार्गो के किनारे अनधिकृत रूप से लगाए गए ढाबों को हटाने के निर्देश भी दिए। हम्मीर ब्रिज पर जाम की समस्या के समाधान के लिए यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने तथा ब्रिज के चारों ओर के गड्ढों को दुरस्त करवाने के निर्देश अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी गोविन्द सहाय को दिए। कोटा-टोंक की ओर से आने वाले बाहरी वाहनों को शहर में प्रवेश दिए बिना मध्यप्रदेश जाने के लिए कुस्तला रोड़ से सीधे वैकल्पिक मार्ग तलाशने के निर्देश सार्वजनिक निर्माण विभाग को दिए। इस दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन पर जारी चालानों की समीक्षा करते हुए चालान की संख्या बढ़ाने तथा ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग, ओवरहाइट और बिना नंबर प्लेट चलने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी अभिजीत सिंह को दिए। पुलिस विभाग को रणथम्भौर रोड पर भारी साउंड सिस्टम का उपयोग करने वाले एवं तेज गति से चलने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। रणथम्भौर रोड़ एवं जोगी महल से गणेशधाम के मध्य मार्ग पर गति सीमा के बोर्ड लगाने, श्री त्रिनेत्र गणेश मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित गति सीमा में चलाने के लिए पाबंद करने, जीपीएस सिस्टम लगवाकर गति सीमा की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें। साथ ही, आईरैड ऐप का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

करीब डेढ़ करोड़ रुपए के अवैध पटाखों का भण्डारण जब्त

टोंक(निसं)। त्योहारी सीजन से पहले टोंक पुलिस की कार्रवाई, रीको एरिया और पनवाड़ मोड़ स्थित गोदामों व दुकान से बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण मिलने पर आरोपी गिरफ्तार। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में त्योहारी सीजन से पहले अवैध पटाखों के भंडारण को लेकर देवली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए देवली क्षेत्र के रीको एरिया व पनवाड मोड स्थित गोदाम व दुकानों से अवैध पटाखों के भण्डारण पर दबिश देकर मौके करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए हैं। इस कार्यवाही के दौरान डीएसटी टीम और देवली थाना पुलिस ने पटाखों का स्टॉक की जानकारी के बाद यह कार्यवाही कर गोदाम के मालिक रोहित जैन (40) निवासी ज्योति कॉलोनी, थाना हनुमाननगर, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जानकारी के अनुसार आरोपी अपने गोदाम व दुकान जो किराये से था, उसमें अलग-अलग ब्रांड के छोटे-बड़े पटाखों का भंडारण कर रखा था।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं : कोठारी

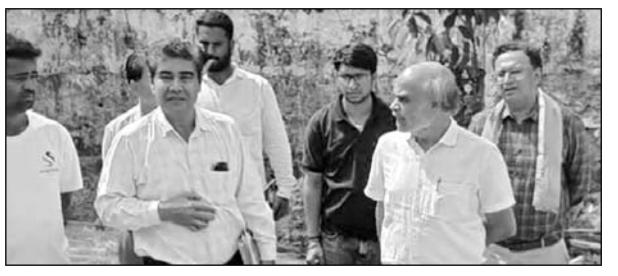

विधायक अशोक कुमार कोठारी ने विभिन्न राजकीय विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्र में करवाए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने शहर के विभिन्न राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्र में डीएमएफटी फंड से करवाए जा रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं उपयोगिता का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । विधायक कोठारी ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, ए सेक्टर बापूनगर, राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय न्यू बापूनगर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रीको एरिया बिलिया, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय किशनावतों की खेड़ी तथा आंगनबाड़ी केंद्र किशनावतों की खेड़ी में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालयों में निर्माणाधीन कक्षा-कक्षों, शौचालयों, हॉल सहित अन्य विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। कोठारी ने कहा कि विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात कही ।

इजरायली युवती का खोया पासपोर्ट लौटाया

टोंक(निसं)। मालपुरा क्षेत्र में इजरायली युवती का पोसपोर्ट व अन्य सामान गुम हो जाने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए उसके पासपोर्ट, इलेक्ट्रोनिक गैजेट, 4 क्रेडिट कार्ड, दस्तावेज व 20 हजार रूपये नगद बरामद कर युवती को सुपुर्द किया । पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 19 अक्टूम्बर को इजरायली युवती मोशाइफ नोइम जो अपने दोस्त के साथ इजरायल से भारत घुमने आये हुए थे, वह पुष्कर से रणथंबोर सफारी हेतु मोटरसाइकिल पर सवार होकर मालपुरा होते हुए जा रहे थे, तभी उसकी कमर पर बंधे एक पर्स जिसमें पडे सामान को जब वह घुमते-घुमते उनियारा के पास पंहुचे तो जब उसने चैक किया तो अचानक घायब होने के बाद पुलिस थाना मालपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद मालपुरा थाना पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के बाद उक्त सामान ग्राम मुमाणा थाना पीपलू में होने की सूचना मिली, जहां टीम पंहुचकर युवती के सामान जिसमें पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस को कब्जे में वापस लौटाया ।

बूंदी में 3.240 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी पकड़ा

■ **नाकाबंदी के दौरान सदर थाना पुलिस की कार्रवाई, मोटरसाइकिल भी जब्त की**

बूंदी, (निसं)।अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं परिवहन की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 3 ग्राम 240 मिलीग्राम स्मैक जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर तस्करी में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि आगामी त्योहारों एवं पंचायतीराज चुनावों के मद्देनजर 21 अक्टूबर 2026 को रामनगर चौकी के सामने उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह के नेतृत्व में ए श्रेणी की नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान बूंदी की ओर से आ रही बिना नंबर की मोटरसाइकिल को रुकवाकर चालक से वाहन के दस्तावेज मांगे गए। चालक ने वाहन के कागजात और अपना ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होना बताया। पूछताछ के दौरान उसके घबराने और संतोषजनक जवाब नहीं देने पर पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस ने चालक की तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब में एक पारदर्शी प्लास्टिक की थैली मिली। थैली में भूरे रंग का पाउडर भरा हुआ था, जिसकी जांच करने पर स्मैक होना पाया गया। तौल करने पर उसका वजन 3 ग्राम 240 मिलीग्राम निकला। मादक पदार्थ रखने का वैध लाइसेंस नहीं मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नरेन्द्र कुमार बैरवा (31) पुत्र शंकर लाल बैरवा, निवासी गैस गोदाम के पीछे, इंद्रा कॉलोनी, बूंदी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के मामलों में चालानशुदा है। पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज कर आरोपी से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त एवं उसे लाने के स्त्रोत के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

सूने मकानों में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर । जिले के खेरवाड़ा थाना क्षैत्र में स्थित सूने मकान से चोरी की वारदात करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया।

प्रकरण के अनुसार 10 अक्टूबर को नरेन्द्र भाटिया निवासी शक्तिनगर खेरवाड़ा ने रिपोर्ट दी कि 4 अक्टूबर को मकान पर ताला लगा परिवार सहित ससुराल गया था। 10 अक्टूबर को लौटा तो ताला टूटा और कमरों में सामान बिखरा पडा था। इस पर तलाशी ली तो सोने की चेन, चांदी के चूडियां, चांदी की पायल, दो सोने की रिंग, एक लाख रूपये नकदी गायब थी।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत विश्नोई, पुलिस उपाधीक्षक अर्जुन सिंह राठौड़ के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी मनमंथ आढा के निर्देशन में प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी खेरवाड़ा थाने के वाहिद हुसैन, आसूचना अधिकारी मनिन्द्र सिंह, भरत नागदा व गोवर्धन विलास थानाधिकारी सुनिल चारण, एएसआई दिग्विजय सिंह मय टीम ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महेन्द्रसिंह उर्फ थेपड़ी पुत्र नारायणलाल निवासी इन्द्रा कॉलोनी चुंगीनाका गोवर्धन विलास, लक्की नाथ पुत्र किशननाथ निवासी भुवाणा सुखेर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल बरामद किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने रात में सूने मकानों को निशाना बनाते और ताला तोड़ कर चोरी की वारदात करते। अनुसंधान अधिकारी वाहिद हुसैन ने बताया कि आरोपियों ने चोरी का माल भी बरामद किया गया है। वहीं पूछताछ में आरोपियों ने खेरवाड़ा के अलावा भीण्डर, अम्बामाता, तथा शहर के अन्य थाना क्षैत्रों में भी चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है। आरोपियों ने पुलिस गिरफ्त से बचने के लिए वारदात के दौरान मोबाइल को उपयोग नहीं किया।

स्कूटी की डिग्गी में गांजा मिला, वाहन भी जब्त

बूंदी, (निसं)।अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं इनकी खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बूंदी कोतवाली पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 400 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजे के परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी को भी जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि जिला स्पेशल टीम के सहयोग से कोतवाली थाना स्तर पर उप निरीक्षक देशराज सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए मोहम्मद हनीफ (50) पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद हबीब, निवासी छबड़ा गैराज के पीछे, बाईपास रोड, बूंदी को स्कूटी सहित पकड़ा। तलाशी के दौरान स्कूटी की डिग्गी में 400 ग्राम अवैध गांजा मिला। पुलिस ने गांजा और परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी जब्त कर आरोपी को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाना बूंदी में मुकदमा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

रोडवेज बस व ऑटो रिक्शा की जोरदार भिड़ंत में तीन की मौत

भीनमाल-रामसीन रोड पर भरुडी सरहद के पास रोडवेज बस और ऑटो रिक्शा की भिडंत में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई ।

■ **एक की मौके पर मौत, दो ने उपचार के दौरान तोड़ा दम**

■ **आठ वर्षीय बालक घायल**

भीनमाल, (निसं)। भीनमाल-रामसीन रोड पर भरुडी सरहद के पास रोडवेज बस और ऑटो रिक्शा की भिडंत में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक आठ वर्षीय बालक घायल हो गया। हादसे में एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड दिया, जबकि दो अन्य की भीनमाल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर छा गई।

जानकारी के अनुसार रामसीन से भीनमाल की आ रहे ऑटो रिक्शा की सिरोही डिपो की रोडवेज बस से आमने सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। बस भीनमाल से सिरोही की ओर जा रही थी। टक्कर में ऑटो रिक्शा सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही रामसीन थानाधिकारी अरविंद कुमार पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घायलों को उपचार के लिए भीनमाल लाया गया, जहां दो घायलों ने दम तोड दिया। हादसे में मुंथला काबा निवासी ललिता देवी पत्नी रमेश कुमार (42), कैलाश कुमार पुत्र रमेश कुमार व सुमन पुत्री रमेश कुमार (18) जाति ढोली की मौत हो गई। वहीं, राजू पुत्र अशोक (8) निवासी चुंडा पुलिस थाना आहोर हाल मुंथला काबा गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड टूट पडा। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस हादसे के संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

कोटा जिला परिषद व पंचायत चुनाव के प्रथम चरण में 64.90 प्रतिशत मतदान

■ **जिला परिषद सदस्य व पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न**

कोटा, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिला परिषद के 19 वार्डों के लिए तथा पंचायत समिति लाड़पुरा, सांगोद, सुल्तानपुर व इटावा में पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान शांतिपूर्ण हुआ।

प्रथम चरण में 64.90 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान में ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। निर्वाचन पर्यवेक्षक डॉ. हर सहाय मीणा एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पीयूष समारिया ने जिले में विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मतदान केंद्रों पर महिला एवं पुरुष मतदाताओं की कतारें नजर आईं। ग्रामीण महिलाएं पारम्परिक वेश और आभूषणों से सुसज्जित हो मतदान को पहुंची। वयोवृद्ध मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं ने मतदान करते हुए लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई। वहीं, युवा मतदाताओं में भी खासा उत्साह देखा गया। वरिष्ठ एवं दिव्यांग मतदाताओं के सुलभ मतदान के लिए रैंप, व्हीलचेयर एवं सहयोगी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। चुनाव पर्यवेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत गुरुवार को जिले में जारी मतदान के दौरान चुनाव पर्यवेक्षक डॉ. हर सहाय मीणा ने इटावा, सांगोद एवं सुल्तानपुर क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ओएसडी निर्वाचन सृष्टि डबास भी साथ रहीं। जिला निर्वाचन अधिकारी पीयूष समारिया ने मतदान के दौरान सांगोद क्षेत्र में विनोद खुर्द, किशनपुरा, हींगी सहित अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया ।

75 वर्षीय 38 पेंशनर होंगे सम्मानित

डूंगरपुर। आगामी माह 17 दिसम्बर को पेंशनर दिवस पर 38 पेंशनर को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने 75 वर्ष की आयु प्राप्त करली है। जिला सचिव त्रिलोक चौबीसा ने जानकारी दी कि सुशीला भट्ट, निर्मला भावसार, वीरेंद्र प्रसाद बरांडा, जय श्री शर्मा, कारीलाल पंचाल, गुलाबराम वर्मा, अमीनुद्दीन कुरैशी, नाथूलाल पंचाल, सोमा भाई, पूर्णावती पाठक, महेश चन्द्र भोई, गौतमलाल मनात, छत्र सिंह चौहान, मोतीलाल डामोर, नरेंद्र कटारा, निसार मोहम्मद, योगेशचंद्र द्विवेदी, दलपत राम, रतनलाल टेलर, भंवरलाल पटेल, राजेंद्र प्रसाद रोत, कनकलता चौहान, मानजी कटारा, सरदारमल, हक्सीराम मीणा, शंकरलाल डामोर, दीपसिंह अहाडा, रामवीर सिंह, भूपेंद्र, सूरताराम, रामचन्द्र डामोर, ओंकार पूरी गोस्वामी, शंकर सोलंकी, सूरजमल, गलजी पाटीदार, शोभा पंड्या, गौरीशंकर जोशी एवं निर्मला चौबीसा को आमंत्रित किया गया है। आग्रह किया गया है कि यदि कोई 75 वर्षीय पेंशनर जो पेंशनर समाज का सदस्य हो और इस सूचि में सम्मिलित न हुआ हो तो वह अपने पीपीओ की प्रति 31 अक्टूबर तक पेंशनर समाज में जमा करावे। इसके बाद नाम सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

Office of the Executive Engineer, PHED, City Dn. I, Udaipur

No. EE/CD1/Cash/2026-27/2540-41 Dated 16-10-26

NOTICE INVITING BID No. 39/2026-27

Online Bid No.39/2026-27 (Rs 10.85Lacs) in the jurisdiction of PHED, City Division I, Udaipur are invited from interested bidders upto 18:00 hours on 29.10.2026. Other particulars of the bid may be visited on portal www.sppp.rajasthan.gov.in of the state web site and hard copy can be available from this office.

NIB Code: PHE2627A3169

UBN Code:- PHE2627WSOB06659

Executive Engineer,
PHED City Dn.I, Udaipur

DIPR/C/17902/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, डीडवाना-कुचामन

Email: account.dm.dk@rajasthan.gov.in

Telephone no.: 01580-222000, Gmail: ao.dm.dk@gmail.com

क्रमांक-प.21()/लेखा/ 2026/942 दिनांक-22/10/2026

खुली बोली आमंत्रण सूचना (दर संविदा)

इस कार्यालय मे पेयजल आपूर्ति एवं परीक्षा केन्द्रों एवं पेपर संग्रहण केन्द्रों पर वीडियोग्राफी हेतु वीडियोग्राफर मय कैमरा उपलब्ध करवाने हेतु कार्य दर संविदा आमत्रित की जाती है जिसकी भरने की अंतिम दिनांक 02.11.2026 एवं अनुमानित लागत निम्न सूची अनुसार है। दर संविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण इस कार्यालय की लेखा शाखा एवं बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	NIB No.	UBN No.
1	पेयजल आपूर्ति	3.00 लाख	DEK2627A0013	DEK2627SSRC00013
2	परीक्षा केन्द्रों एवं पेपर संग्रहण केन्द्रों पर वीडियोग्राफी हेतु वीडियोग्राफर मय कैमरा उपलब्ध करवाने हेतु	9.00 लाख	DEK2627A0014	DEK2627SSRC00014

(रतन कुमार)
अति. जिला कलक्टर (मु.)
डीडवाना-कुचामन

DIPR/C/17950/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग वृत-दौसा

Address: Khan Bhakri Road Dausa, Email ID-se.dau.phed@rajasthan.gov.in

No.SE Dausa /DIPR/NIT-19-20/2026-27/5434-40 Date:-14/10/26

निविदा सूचना 19-20/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान के खण्ड दौसा / महवा के अधीन शहरी जलयोजना मण्डावर / मण्डावरी के अन्तर्गत कार्य हेतु अमृत 2.0 के तहत पेयजल योजना संवर्धन के कार्यों हेतु अनुमानित लागत 806.37 लाख रू. के कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्रों में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाएँ दिनांक 16.10.2026 को प्रातः 09:30 बजे से दिनांक 12.11.2026 को सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड अपलोड की जाकर दिनांक 13. 11.2026 को सॉय 3.00 बजे खोली जावेगी। निविदाओं से सम्बंधित समस्त विवरण राज्य सरकार की वेवसाइट http://www.dipronline.org, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाओं के UBN No. निम्नानुसार है :-

NIB Code : PHE2627A3164

UBN is : PHE2627WSOB06650

UBN is : PHE2627WSOB06651

अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग,
वृत दौसा

DIPR/C/17852/2026

पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आज

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत की 103वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार, 23 अक्टूबर को विद्याधर नगर स्थित भैरोंसिंह शेखावत स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। शाम 5 से 6 बजे तक आयोजित होने वाली सभा में प्रदेश के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। भैरोंसिंह शेखावत स्मृति संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई प्रमुख नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता और स्वर्गीय शेखावत से जुड़े राजस्थान के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे।

भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान की राजनीति के प्रमुख व्यक्तित्व रहे। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में प्रदेश और देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी 103वीं जयंती पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उन्हें याद कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया जाएगा।

सिविल लाइंस आरओबी के नीचे बनेगा स्पोर्ट्स एरिना

गोपालपुरा अंडरपास के लिए 47.87 करोड़ मंजूर

जयपुर। जयपुर में यातायात सुगम बनाने, सड़क नेटवर्क मजबूत करने और शहरी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को मंजूरी दी है। गोपालपुरा अंडरपास के निर्माण के लिए 47.87 करोड़ रुपये, सिविल लाइंस आरओबी के नीचे स्पोर्ट्स एरिना विकसित करने के लिए 4.25 करोड़ रुपये तथा गांधीपथ पर फुटपाथ निर्माण के लिए 6.94 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन फैसलों से शहर में यातायात व्यवस्था, पैदल यात्रियों की सुविधाओं और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जेडीए विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित प्रोजेक्ट वर्क्स कमेटी (पीडब्ल्यूसी) की 11वीं बैठक हुई।

- **जेडीए की पीडब्ल्यूसी बैठक में विकास कार्यों पर अहम फैसले; कालवाड़ रोड चौड़ीकरण, फुटपाथ और सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा**

जेडीए विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित प्रोजेक्ट वर्क्स कमेटी (पीडब्ल्यूसी) की 11वीं बैठक में सड़क विकास, चौड़ीकरण, नवीनीकरण, विद्युत लाइनों की शिफ्टिंग और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में कई कार्यों को स्वीकृति दी गई, जबकि कुछ प्रस्तावों पर विचार किया गया।

गोपालपुरा अंडरपास पर 47.87 करोड़ होंगे खर्चः- गोपालपुरा अंडरपास का निर्माण त्रिवेणी आरओबी की ओर से भास्कर पुलिया तक किया जाएगा। इसके लिए 47.87 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं, सिविल लाइंस आरओबी के नीचे 4.25 करोड़ रुपये की लागत से स्पोर्ट्स एरिना विकसित किया जाएगा। इससे उपलब्ध शहरी स्थान का उपयोग खेल गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। गांधीपथ पर फुटपाथ निर्माण के लिए 6.94 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

कालवाड़ रोड के चौड़ीकरण पर 42.39 करोड़ का प्रस्तावः- सड़क विकास से जुड़े प्रस्तावों में सी-जोन बाईपास से विनायक होटल तक कालवाड़ रोड के चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य के लिए 42.39 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा 200 फीट बाईपास से खातीपुरा आरओबी होते हुए खिरणी आरओबी तक रेलवे लाइन के साथ सड़क नवीनीकरण के लिए 6.83 करोड़ रुपये तथा वैशाली नगर की प्रिंस रोड पर नाला निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और नवीनीकरण के लिए 6.14 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर विचार किया गया।

मानसरोवर के विक्रमादित्य मार्ग पर विभिन्न विकास कार्यों के लिए 8.42 करोड़ रुपये की स्वीकृति से संबंधित प्रस्ताव भी बैठक में रखा गया। वहीं, जोन-9 की प्रमुख सड़कों पर उन्नयन के लिए करीब 3.56 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पर विचार किया गया।

सार-समाचार

बिना लाइसेंस धारदार कटार लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने बिना लाइसेंस धारदार हथियार लेकर घूमने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक धारदार कटार बरामद की है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के साथ संगठित अपराध से संबंधित धाराओं में भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने लाल कोठी थाना पुलिस ने बिना लाइसेंस धारदार हथियार लेकर घूमने के आरोप में सरफराज (27) निवासी खोह नागोरियान हाल सोडाला को गिरफ्तार किया। जिसके पास से एक धारदार कटार बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

181 राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण

जयपुर। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने गुरूवार को 181 राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोर्टल की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा और स्वयं फोन कॉल के जरिए दर्ज कराई गई शिकायतों का हाथों-हाथ समाधान भी सुनिश्चित करवाया। शासन सचिव जैन ने एक आम नागरिक की तरह 181 पर कॉल कर पोर्टल की व्यवस्थाओं का जमीनी जायजा लिया। उन्होंने कॉल प्रतिनिधि से मिले सकारात्मक फीडबैक की सराहना की। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 181 पर बड़ी संख्या में प्रकरण प्राप्त हो रहे हैं और समस्या समाधान का स्तर भी बढ़ रहा है, जिससे संपर्क पोर्टल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। निरीक्षण के दौरान चित्तौड़गढ़ से सीवरेज का पानी सड़क पर फैलने की शिकायत दर्ज कराई गई। इस पर शासन सचिव ने तत्काल वीसी के माध्यम से अधिशासी अभियंता जितेंद्र मीणा को निर्देश दिए। उन्होंने सीवरेज व्यवस्था दुरुस्त करवाने के साथ ही कार्य से पहले और बाद की तस्वीरें मुख्यालय को भिजवाने के निर्देश भी दिए, ताकि कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके। जयपुर के महेंद्र सैनी ने गोनेर के ठाणे स्थित बस स्टैंड होने के बावजूद बसें नहीं रुकने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर शासन सचिव ने संबंधित अधिकारी से सीधी बात की। उन्होंने संबंधित रूट की बसों का ठहराव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बसों में लगे जीपीएस के जरिए निरंतर निगरानी रखने के आदेश भी दिए।

जयपुर में श्रद्धा और भक्ति के साथ पापांकुशा एकादशी मनाई

जयपुर। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी गुरुवार को पापांकुशा एकादशी के रूप में पूरी श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर जगत के पालनहार भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुख-समृद्धि, आत्मशुद्धि और मोक्ष की कामना के साथ घर-घर और मंदिरों में विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ गूंज उठा। आराध्य देव गोविन्ददेवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सान्निध्य में ठाकुर श्रीजी का विशेष पंचामृत अभिषेक किया गया। इस दौरान ठाकुर जी को लाल रंग की पोशाक धारण कराई गई और ऋतु पुष्पों व चंदन से उनका मनोरम श्रृंगार किया गया। श्रृंगार झांकी में गोचारण लीला के विशेष भाव की झलक देखने को मिली। इसी प्रकार पुरानी बस्ती स्थित राधा गोपीनाथजी मंदिर में महंत सिद्धार्थ गोस्वामी के सान्निध्य में एकादशी उत्सव मनाया गया। चौड़ा रास्ता स्थित राधा-दामोदरजी मंदिर में महंत मलय गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार हुआ। सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित शुक संप्रदाय की प्रधान पीठ सरस निकुंज में पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में राधा सरस बिहारी जू सरकार का वेदोक्त मंत्रोच्चार से अभिषेक कर फलों का भोग अर्पित किया गया।

अमरापुर स्थान में स्वामी सर्वानंद महाराज का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर। अमरापुर स्थान में महर्षि सतगुरु स्वामी सर्वानंद महाराज का 130वां पंच दिवसीय जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। उत्सव के तीसरे दिन एकादशी पर मांग्यवास स्थित सतगुरु टेऊँराम गौशाला में गोमाता की पूजा-अर्चना की गई। स्वामी मोहन प्रकाश महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा और आरती कर गौमाता को हरा चारा व फल अर्पित किए। संतों ने श्रद्धालुओं से गोसेवा के लिए अपनी कमाई का कुछ हिस्सा समर्पित करने का आव्हान किया।संध्या को संत-महात्माओं और संकीर्तन मंडली के सानिध्य में भव्य संकीर्तन हुआ। ठाकुर जी को खीर का भोग लगाया गया और अमरापुर के लड्डू गोपाल का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद भक्तों को खीर का महाप्रसाद वितरित किया गया।उत्सव के चौथे दिन शुक्रवार सुबह 10 बजे कन्या भोज होगा। इसमें कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन और उपहार भेंट किए जाएंगे। जन्मोत्सव का समापन शनिवार, 24 अक्टूबर को होगा। इस दिन प्रेमप्रकाश ग्रंथ और गीता पाठों का भोग परायण, महाप्रसादी तथा विशाल आम भंडारा आयोजित किया जाएगा। शाम को 130 दीप प्रज्वलित किए जाएंगे और ठाकुरजी को 56 भोग अर्पित कर जन्मोत्सव की पूर्णाहुति होगी।

शरद पूर्णिमा पर मोती डूंगरी गणेश जी का होगा श्वेत शृंगार

जयपुर। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 25 अक्टूबर (रविवार) को मोती डूंगरी गणेश जी महाराज मंदिर में विशेष श्रृंगार और उत्सव का आयोजन होगा। इस अवसर पर प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज नवीन सफेद पोशाक और चांदी का सफेद मुकुट धारण करेंगे।

तबादलों को लेकर न्यायिक दखल सीमित

'असाधारण मामलों में ही दी जा सकती है चुनौती'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि तबादला सरकारी सेवा का अनिवार्य हिस्सा है और कोई कर्मचारी अपनी पसंद की जगह पर तैनात रहने का अधिकार नहीं रखता है। इसके अलावा ऐसे मामलों में अदालतों के पास न्यायिक दखल सीमित रूप में ही है। अदालत ने कहा की तबादला आदेश को केवल अत्यंत दुर्लभ स्थिति में ही चुनौती दी जा सकती है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश मनोज कुमार गुप्ता व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **अदालत ने कहा की तबादला आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं की बाढ़ आई हुई है। अधिकांश कर्मचारी अपनी ट्रांसफर की गई जगह पर कार्यभार संभालने के इच्छुक नहीं होते हैं**

अदालत ने कहा की तबादला आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं की बाढ़ आई हुई है। अधिकांश कर्मचारी अपनी ट्रांसफर की गई जगह पर कार्यभार संभालने के इच्छुक नहीं होते हैं, जिसके कारण वे अदालत या राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय न्यायाधिकरण की शरण लेते हैं।

इस प्रवृत्ति के चलते प्रशासनिक मशीनरी का कामकाज ठप हो रहा है और सरकारी कार्यप्रणाली बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

अदालत ने याचिकाकर्ताओं को छूट दी गई है कि वे दो सप्ताह के भीतर अपने संबंधित सक्षम प्राधिकारी को शिकायतों को लेकर विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अदालत ने सक्षम प्राधिकारी को दो सप्ताह में भीतर तर्कसंगत आदेश देने के निर्देश देते हुए तब तक तबादला आदेश को स्थगित रखा है।

डीजीपी ने कल्याण न्यास की 53वीं बैठक ली

जयपुर। राजस्थान पुलिस कार्मिक कल्याण न्यास की न्यासी समिति की 53वीं बैठक गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का अनुमोदन किया गया। साथ ही पिछली बैठक के निर्णयों की अनुपालना की समीक्षा कर पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के हित में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस सेवा के दौरान मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में वर्तमान में दी जाने वाली 50 हजार रुपए की सहायता राशि बढ़ाने के सुझाव पर मंथन हुआ। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता देने, पुलिस लाइनों में सुविधाओं का विस्तार करने और पुस्तकालय निर्माण जैसे प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। न्यास के कोष को मजबूत करने के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत विभिन्न संस्थानों से सहयोग लेने और पुलिसकर्मियों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के विकल्पों पर चर्चा हुई।

'नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारी प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़'

जयपुर। पशुपालन विभाग के नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारियों का विभागीय आमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम पशुपालन विभाग ने आयोजित किया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीना ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सभी नवनियुक्त चिकित्सकों को पशुपालन विभाग में नियुक्ति और उनके नवीन सेवाकाल के प्रारंभ होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दीं।

निदेशक डॉ.मीना ने अपने मुख्य उद्बोधन में सरकारी नौकरी की महत्ता बताते हुए कहा कि सरकारी सेवा में नियुक्ति महज एक पद प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह समाज, पशुपालकों, पशुधन और देश के प्रति एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण दायित्व को निभाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एक पशुधन प्रधान राज्य है, जहाँ पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार, पोषण और लाखों परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है। ऐसे में विभाग के जमीनी स्तर के सबसे महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधि के रूप में आप सबकी भूमिका बेहद खास हो जाती है।

- **पशुपालकों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं, चिकित्सालयों में रिकॉर्ड संधारण और अनुशासन से समझौता नहीं : डॉ. सुरेश चंद मीना, निदेशक**

उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों को चार मुख्य सूत्रों पर विशेष रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

निदेशक डॉ मीना ने कहा कि चिकित्सालय में आने वाले प्रत्येक पशुपालक के साथ संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना से व्यवहार किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में पशु केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि परिवार की आजीविका का साधन होते हैं। पशुओं का समय पर उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और तकनीकी परामर्श समयबद्ध तरीके से उपलब्ध होना चाहिए।

विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए पशुपालन निदेशक ने सभी अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की पात्रता और प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं का वास्तविक लाभ धरातल पर पात्र पशुपालकों तक पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह तरीके से पहुँच सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसे केवल कार्यालयीय कार्य न मानकर पशुपालकों के आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण का माध्यम बनाया जाए।

पशुचिकित्सालयों में रिकॉर्ड संधारण पर विशेष ध्यान देने पर बल देते हुए श्री मीना ने कहा कि चिकित्सालयों की कार्यक्षमता और पारदर्शिता उनके अभिलेखों की गुणवत्ता से तय होती है। उपचार रजिस्टर, दवा व स्टॉक रजिस्टर, टीकाकरण रिकॉर्ड को नियमित और अपडेट रखा जाए। डिजिटल पोर्टल पर भी समय से प्रविष्टियाँ की जाएँ। रिकॉर्ड संधारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

सीतापुरा की ज्वेलरी फैक्ट्री में आग से दो कर्मचारियों की मौत

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित सोने की ज्वेलरी बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि चार कर्मचारी बेहोश हो गए। इस हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। बेहोश कर्मचारियों को उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

थानाधिकारी कमलेश कुमार के अनुसार सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित आइडियल फिजिकल सर्विसेज लिमिटेड में सोने की ज्वेलरी बनाने का काम होता है। गुरुवार को फैक्ट्री में कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी अचानक आग लग गई। आग के साथ फैले धुएं से कर्मचारियों को संभलने का मौका नहीं मिला और परिसर में हड़कंप मच गया। हादसे में दो कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार कर्मचारी बेहोश हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों की मौत दम घुटने से होने की आशंका है। आग लगने के समय को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है।

- **आइडियल फिजिकल सर्विसेज लिमिटेड में हादसा**
- **धुएं से दम घुटने की आशंका, पुलिस और दमकल ने संभाला मोर्चा, आग लगने के कारणों की जांच शुरू**

हादसे में उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के निवासी रजनीश (19) और मध्यप्रदेश के रीवा निवासी सरस्वती (45) की मौत हो गई। वहीं उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी अजयपाल (26), पश्चिम बंगाल के मिदनापुर निवासी लालमोहन (20) तथा मध्यप्रदेश के रीवा निवासी संदीप सिंह (19) और बबूल (32) सहित पांच कर्मचारियों के बेहोश होने की जानकारी है। सभी घायलों को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ राहत एवं बचाव कार्य किया। आग पर काबू पाने के बाद हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की गई। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

पर्यटन पुलिस ने बिछड़े बेटे को मिलाया

जयपुर। जयपुर में राजस्थान पुलिस का पर्यटन सहायता बल देशी-विदेशी पर्यटकों की मदद कर मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश कर रहा है। पर्यटन पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में तत्परता दिखाते हुए आमेर में बिछड़े बच्चे को उसके पिता से मिलाया, ट्रेन छूटने पर मुंबई के पर्यटकों को आगे की यात्रा में सहयोग दिया और जंतर मंतर के पास खोया पर्स तलाश कर पर्यटक को लौटाया। पर्यटकों ने वीडियो संदेश जारी कर पुलिस का आभार जताया। हैदराबाद से जयपुर घूमने आए अहमद नदीमुद्दीन का बेटा आमेर में भ्रमण के दौरान भीड़ में बिछड़ गया। सूचना मिलने पर पर्यटन पुलिस की महिला कार्मिकों ने तत्परता से तलाश शुरू की और बच्चे को सकुशल उसके पिता से मिलवा दिया। बेटे के मिलने पर नदीमुद्दीन ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें बहुत अच्छी सहायता मिली।

आवारा सांड के हमले से मौत, आश्रितों को 61.35 लाख रुपए ब्याज सहित अदा करने के आदेश

जयपुर। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-8 महानगर द्वितीय ने बस का इंतजार कर रहे व्यक्ति की सांड के हमले में मौत होने पर नगर निगम, जिला कलेक्टर और स्वायत्त शासन सचिव की संयुक्त जिम्मेदारी मानी है। इसके साथ ही अदालत ने तीनों को आदेश दिए हैं कि वह मृतक के आश्रितों को क्षितपूर्ति के तौर पर 61.35 लाख रुपए अप्रैल, 2023 से छह फीसदी ब्याज सहित अदा करे। अदालत ने यह आदेश रेखा देवी व अन्य की ओर से घातक दुर्घटना अधिनियम के तहत दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि साक्ष्य से साबित है कि गिर्राज प्रसाद की मौत सांड के हमले से आई गंभीर चोटों के कारण हुई है।

परिवाद में अधिवक्ता सतीश कुमार ने अदालत को बताया कि 13 नवंबर, 2022 की शाम 6.30 बजे गिर्राज प्रसाद शर्मा रामगढ़ मोड पर बस का इंतजार कर रहे थे। तभी पीछे से आवारा सांड ने उन पर हमला कर दिया और उछालकर नीचे गिरा दिया। इससे उनके सिर व अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मृतक के आश्रितों ने नगर निगम हेरिटेज, जिला कलेक्टर जयपुर व स्वायत्त शासन सचिव को पक्षकार बनाते हुए उनके खिलाफ क्षितपूर्ति का दावा किया। जवाब में नगर निगम का कहना था कि मृतक की मौत आवारा सांड से नहीं बल्कि किसी वाहन दुर्घटना में हुई है। उसने आवारा पशुओं को पकडने का ठेका एक निजी फर्म को दे रखा है। इसलिए उनके खिलाफ क्षितपूर्ति दावे को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने पीडित पक्ष को हर्जाना राशि ब्याज सहित अदा करने को कहा है।

अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह का पर्दाफाशः दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह का पर्दाफाश कर दो शातिर आरोपियों मोनू पंजाबी और अनिल सिंह उर्फ पिंची को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी, लूट, मारपीट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर मामलों सहित करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के आभूषण तथा वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल और स्विफ्ट कार जब्त की है। पूछताछ में आरोपियों ने करीब आधा दर्जन मकानों में चोरी करना स्वीकार किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि झोटवाड़ा थाना पुलिस ने सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह के सदस्य मोनू पंजाबी (32) निवासी उत्तर प्रदेश विद्याधर नगर और अनिल सिंह उर्फ पिंची (33) निवासी सुभाष चौक हाल निवारू रोड खोराबीसल को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य मोनू पंजाबी व अनिल को गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया मोनू पंजाबी विद्याधर नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ बनीपार्क, शास्त्री नगर, भट्टा बस्ती, नाहरगढ़, ज्योति नगर, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और मालवीय नगर सहित विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट और मारपीट के करीब 13 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अनिल सिंह उर्फ पिंची (33) सुभाष चौक और निवारू रोड, खोराबीसल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। वह सुभाष चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर और आदतन अपराधी है।

- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के आभूषण तथा वारदात में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल और स्विफ्ट कार जब्त की**
- **पूछताछ में आरोपियों ने करीब आधा दर्जन मकानों में चोरी करना स्वीकार किया है**

उसके खिलाफ सुभाष चौक, ब्रह्मपुरी, शास्त्री नगर और नाहरगढ़ थानों में लूट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस और चोरी के करीब नौ मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। झोटवाड़ा थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशा करने और जुआ खेलने के आदी हैं। मोनू रात के समय कॉलोनियों में घूमकर बंद मकानों की रैकी करता था। इसके बाद सुबह के समय ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। वारदात के बाद रास्ते बदलकर जयपुर से बाहर दूसरे शहरों में चले जाते थे। चोरी के पैसों से जुआ खेलने, नशा करने और ऐशो-आराम पर खर्च करते थे। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

संत का श्राप भी वरदान बन जाता हैः मुरलीधर महाराज

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित प्राचीन खोले के हनुमान मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीरामकथा के तीसरे दिन संत मुरलीधर महाराज ने भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं, अहिल्या उद्धार और प्रभु के दिव्य स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा का आयोजन हनुमंत धाम एवं नरवर आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन राधेलाल चौबे महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से शर्मा परिवार की मेजबानी में हो रहा है।अहिल्या उद्धार का प्रसंग सुनाते हुए मुरलीधर महाराज ने कहा कि कभी-कभी संत का श्राप भी वरदान बन जाता है। उन्होंने बताया कि गुरु विश्वामित्र भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को लेकर जनकपुर जा रहे थे। विश्वामित्र ने बताया कि महर्षि गौतम के श्राप के कारण उनकी पत्नी अहिल्या शिला रूप में थीं। कथा के अनुसार, भगवान श्रीराम ने शिला को अपने चरणों से स्पर्श किया तो अहिल्या श्राप से मुक्त होकर अपने वास्तविक स्वरूप में प्रकट हो गईं।

सेना के रिटायर्ड कर्नल ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

जयपुर। राजधानी के श्याम नगर थाना क्षेत्र स्थित रेल नगर में गुरुवार सुबह सेना के सेवानिवृत्त कर्नल लाल सिंह (78) की गोली लगने से मौत हो गई। वह अपने घर में लहूलुहान हालत में मिले। उनके शरीर में लाइसेंसी रिवाल्वर से चली गोली लगी थी। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे और उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में बीमारी से परेशान होने और अवसाद के चलते आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने पोते की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

श्याम नगर थानाधिकारी हरि सिंह दूधवाल ने बताया कि घटना गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे की है। रेल नगर निवासी सेवानिवृत्त कर्नल लालसिंह घर पर थे। इसी दौरान गोली चलने की आवाज सुनकर उनकी पत्नी, पुत्रवधू, पोता और पोती कमरे में पहुंचे। वहां लालसिंह लहूलुहान हालत में पड़े मिले। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं।थानाधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लालसिंह बीमारियों से परेशान थे। इसी आधार पर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। पुलिस ने पोते की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर लिया है।

Save the Snow Leopard: A Call for Conservation

Celebrated on October 23, International Snow Leopard Day shines a spotlight on one of the world's most elusive and endangered big cats. This day aims to raise awareness about the threats snow leopards face, including habitat loss, poaching, and climate change, while promoting conservation efforts to protect these majestic creatures. Wildlife enthusiasts, researchers, and communities come together to advocate for sustainable practices, preserve mountain ecosystems, and support anti-poaching initiatives. By celebrating International Snow Leopard Day, people across the globe are reminded of the importance of safeguarding biodiversity and ensuring that future generations can marvel at these silent, powerful predators in their natural habitats.

#ELEPHANTA

The Elephant That Left the Island

The island's original name was Gharapuri, meaning "City of Caves." It was an important cultural and religious center long before Europeans arrived

Off the coast of Mumbai lies Elephanta Island, one of India's most famous historical sites. Today, the island is known for its magnificent rock-cut caves and ancient sculptures dedicated to Lord Shiva. However, many visitors are surprised to learn that the island's famous elephant is no longer there. The very statue that inspired the island's modern name was removed centuries ago and now stands in Mumbai.

From Gharapuri to Elephanta

The island's original name was Gharapuri, meaning "City of Caves." It was an important cultural and religious center long before Europeans arrived. When the Portuguese reached the island in the 16th century, they discovered a gigantic stone elephant sculpture near the shoreline. Impressed by its size and craftsmanship, they called the island "Ilha Elefante" (Island of the Elephant). Over time, this Portuguese name evolved into Elephanta, the name by which the island is known today.

The Elephant That Gave the Island Its Name

The massive stone elephant was believed to stand near the entrance of the island as a symbol of royalty, power, and welcome. In Indian culture, elephants have long represented strength, wisdom, and royal authority. It is believed that the sculpture greeted kings and distinguished visitors arriving by sea, making a grand first impression before they entered the sacred caves.

Ironically, the elephant that gave the island its name is no longer on the island itself.

The Journey to England That Never Happened

During British rule, the elephant sculpture attracted great interest. In 1864, British authorities decided to transport it to England. The enormous statue was loaded for shipment, but during the operation, the lifting crane failed. The elephant crashed to the ground and shattered into several pieces. Since the damaged sculpture could no longer be transported, the plan was abandoned. The broken pieces were left behind for several years.

Reassembled in Mumbai

Later, the broken elephant was carefully reassembled in Mumbai and placed in the gardens of the Dr. Bhau Daji Lad Museum (formerly the Victoria and Albert Museum, Bombay), where it can still be seen today. Although the island no longer has its famous elephant, the sculpture survives as an important historical monument in the city.

A Royal Banquet Inside Sacred Caves

One of the most unusual events in the history of Elephanta took place in 1875. Instead of being used for religious worship, the ancient caves became the venue for a grand royal banquet organized during the visit of the Prince of Wales to India. Around 400 distinguished guests attended the lavish dinner inside the centuries-old cave complex.

The event transformed the sacred halls into a magnificent dining venue, illuminated and decorated for the occasion. It remains one of the most remarkable episodes in the island's colonial history.

Conclusion

Elephanta Island is much more than a collection of ancient caves. Its story includes changing names, colonial encounters, an elephant that inspired the island's identity, a failed attempt to transport that elephant to England, and even a royal banquet held inside its sacred caves. Although the elephant no longer stands on the island, it continues to symbolize the rich and fascinating history of Gharapuri, the original "City of Caves."

The Lost Sanskrit University Adhai Din Ka Jhonpra

Adhai Din ka Jhonpra.

During repairs, Cunningham made discoveries that transformed the understanding of the monument. Stone slabs reused within the mosque's walls were carefully removed after it became apparent that they contained Sanskrit inscriptions. These slabs had been deliberately turned inward, concealing their engraved surfaces within the masonry. Working alongside the archaeologist D. R. Bhandarkar, Cunningham documented these inscriptions and identified fragments of the long-lost Lalita Vigraharaja Nataka by Somadeva and Harakeli Nataka by King Vigraharaja IV himself.

● Bulbul Joshi

Standing in the heart of Ajmer, Rajasthan, the monument known today as *Adhai Din Ka Jhonpra* is often remembered as one of the earliest of, said to be Indo-Islamic monuments in India. Over the centuries, folklore has surrounded the structure, with one popular legend claiming that it was built by djinns in just sixty hours, two and a half days, giving rise to its present name. While this tale remains a part of local tradition, archaeological discoveries made during the nineteenth century have revealed a far more remarkable and historically significant story. Beneath the mosque lies the remains of an earlier Sanskrit university and temple complex built during the reign of the Chahamana (Chauhan) king Vigraharaja IV, also known as Visaladeva.

In the mid-twelfth century, Ajmer flourished as one of northern India's foremost centres of Sanskrit learning. Vigraharaja IV, remembered not only as a powerful ruler but also as a scholar and patron of literature, established the Saraswati Kantha Bharana Mahavidyalaya, a prestigious institution dedicated to higher learning. The university was closely associated with a Temple of Saraswati, the Hindu goddess of knowledge, symbolising the inseparable relationship between education and religion in medieval India.

The king himself was an accomplished Sanskrit author and composed the play *Harakeli Nataka*. His court poet, Somadeva, wrote another celebrated drama, *Lalita Vigraharaja Nataka*, reflecting the vibrant literary culture that thrived under the Chahamana court. For centuries, these works were believed to have disappeared from history until fragments of both plays were unexpectedly rediscovered during archaeological restoration of the monument.

The fortunes of the university changed dramatically following the Second Battle of Tarain in 1192 CE. The defeat of Prithviraj Chauhan by Muhammad of Ghor marked the end of Chahamana rule over Ajmer. Soon afterwards, Muhammad Ghori's general, Qutb-ud-din Aibak, ordered the construction of a congregational mosque on the site. Completed around 1199 CE, the mosque incorporated large quantities of architectural material taken from the earlier university and neighbouring Hindu and Jain temples. For centuries, little was known about the monument's earlier identity. By the 1870s, however, the structure had fallen into severe disrepair. Of its approximately 350 original pillars, only about seventy remained standing. Recognising its exceptional historical value, Alexander Cunningham, the first Director-General of the Archaeological Survey of India, described it as one of the most deserving monuments in India for preservation. Between 1875 and 1878, under the conservation programme initiated during the tenure of Viceroy Lord Mayo, extensive restoration work was undertaken to stabilise the crumbling walls and preserve the surviving structure.

During these repairs, Cunningham made discoveries that transformed the understanding of the monument. Stone slabs reused within the mosque's walls were carefully removed after it became apparent that they contained Sanskrit inscriptions. These slabs had been deliberately turned inward, concealing their engraved surfaces within the masonry. Working alongside the archaeologist D. R. Bhandarkar, Cunningham documented these inscriptions and identified fragments of the long-lost Lalita Vigraharaja Nataka by Somadeva and Harakeli Nataka by King Vigraharaja IV himself.

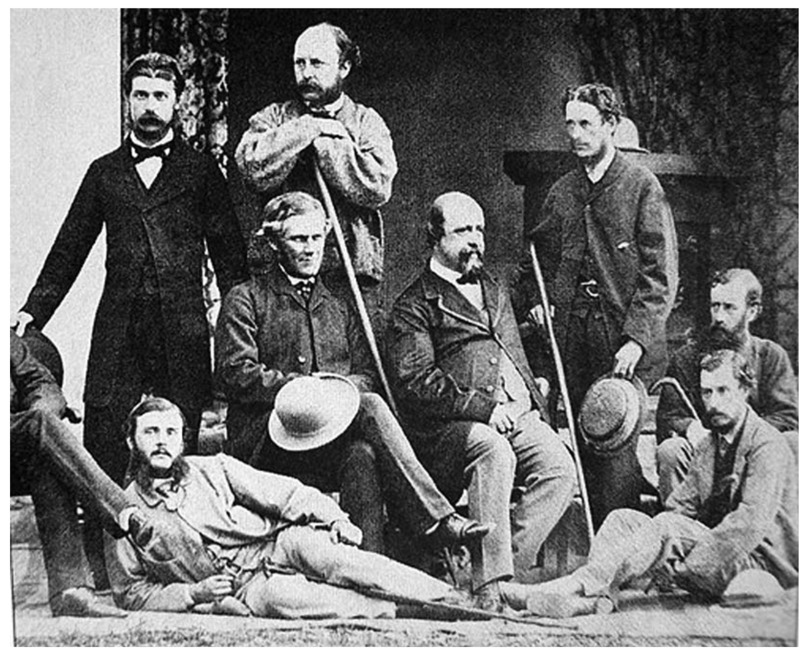

Cunningham (fourth from the right).

#SARASWATI KANTHA BHARANA MAHAVIDYALAYA

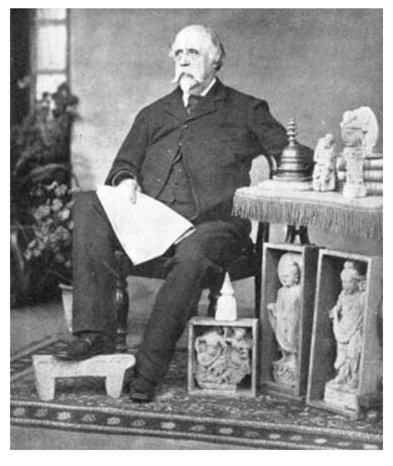

Major General Sir Alexander C. Cunningham.

Vigraharaja IV ruled the Sapadalaksha kingdom.

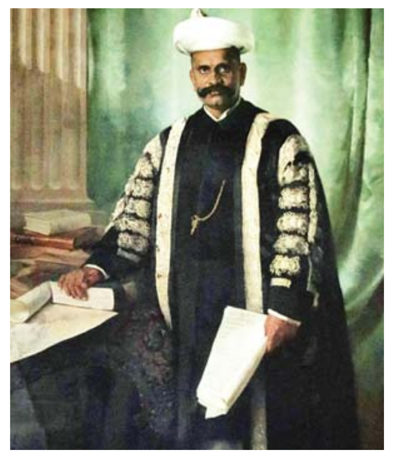

Ramakrishna Gopal Bhandarkar.

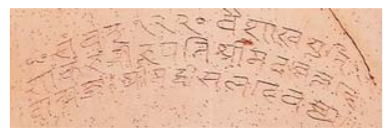

Visaladeva inscription on Delhi-Topra, 12th century.

Ramakrishna Gopal Bhandarkar (July 6, 1837-August 24, 1925) was a pioneer of Orientology (the study of the indigenous traditions of ancient East and South East Asia) in India. He extensively studied the history of India, with a particular focus on the Deccan region. His research relied on inscriptions, coins, archaeological sources, foreign accounts, and religious literature.

Lord Canning, then Viceroy of India, appointed Cunningham as an archaeological surveyor to the Government of India. He held this position from 1861 to 1865, but it was then terminated through lack of funds.

Most antiquarians of the 19th century, who took interest in identifying the major cities mentioned in ancient Indian texts, did so by putting together clues found in classical Graeco-Roman chronicles and the travelogues of travellers to India such as Xuanzang and Faxian. Cunningham was able to identify some of the places mentioned by Xuanzang, and counted among his major achievements the identification of Aornos, Ahichchhatra, Bairat, Kosambi, Nalanda, Padmavati, Sangala, Sankisa, Shravasti, Srughna, Taxila, and Vaishali. Unlike his contemporaries, Cunningham would also routinely confirm his identifications through field surveys. Vigraharaja IV ruled the Sapadalaksha kingdom, comprising parts of Rajasthan and north-western India, from 1150 CE to 1164 CE. He was from the Shakambhari Chahamana dynasty. He defeated Ghaznavid rulers Bahram Shah and Khusrau Vigraharaja Malik. The Delhi-Shivalik pillar inscription describes him as the destroyer of mlechchhas (foreigners).

This king was also a poet. He built many temples and educational centres in his region. Here is an extract from Chapter 35, Book 2 of Saffron Swords: The Sanskrit play 'Lalita Vigraharaja Nataka,' also called 'Harakeli Nataka,' which was written by Vigraharaja IV in the style of 6th-century poet Bharavi's epic poem 'Kiratarjuniya.' It is also attributed to his court poet Somadeva. Part of this play is available in the inscribed form in the ruined Sanskrit college and Saraswati temple at Ajmer built by Vigraharaja IV. The temple and college were converted into the Adhai Din Ka Jhonpra mosque by Qutub-ud-din Aibak. Vigraharaja IV patronized art and literature during his reign and built temples and colleges.

Among the recovered inscriptions was one identifying the engraver as Bhaskara, son of Mahipati and grandson of Govinda, preserving the names of the craftsmen responsible for creating these literary records. Another inscription, located to the left of the main entrance, explicitly identified the original complex as a Mahavidyalaya, confirming that the site had functioned as a great centre of Sanskrit education before its conversion.

Perhaps, the most remarkable discovery was a dated inscription from 1153 CE describing the original architectural layout of the complex. According to this record, the building had been constructed as a large square enclosure with tower-like chhatris at each of its four corners. On its western side stood a Temple of Saraswati, reinforcing the site's identity as both a sacred and educational institution dedicated to learning.

The discoveries also revealed the monument as one of India's finest examples of spolia, the practice of reusing architectural elements from earlier buildings in later constructions. Cunningham estimated that between twenty and thirty Hindu and Jain temples had been dismantled and that nearly seven hundred carved pillars had been incorporated into the mosque. While modern historians continue to debate the precise numbers, there is broad agreement that extensive reuse of earlier architectural material took place during the construction. Further examination of the surviving pillars and walls uncovered numerous damaged sculptures and carved figures. Cunningham recorded images resembling the Hindu goddess Kali, fragments of Sanskrit hymns dedicated to Surya, the Sun God, and inscriptions celebrating the Chahamana dynasty as descendants of the Solar lineage. These discoveries demonstrated that much of the artistic and literary heritage of the earlier complex had survived, albeit in altered form within the later structure.

Today, many of the sculptures, inscribed slabs, and architectural fragments recovered during these excavations are preserved in the Government Museum at Ajmer, where they continue to provide valuable evidence for historians, archaeologists, and epigraphists studying medieval India.

rajeshsharma1049@gmail.com

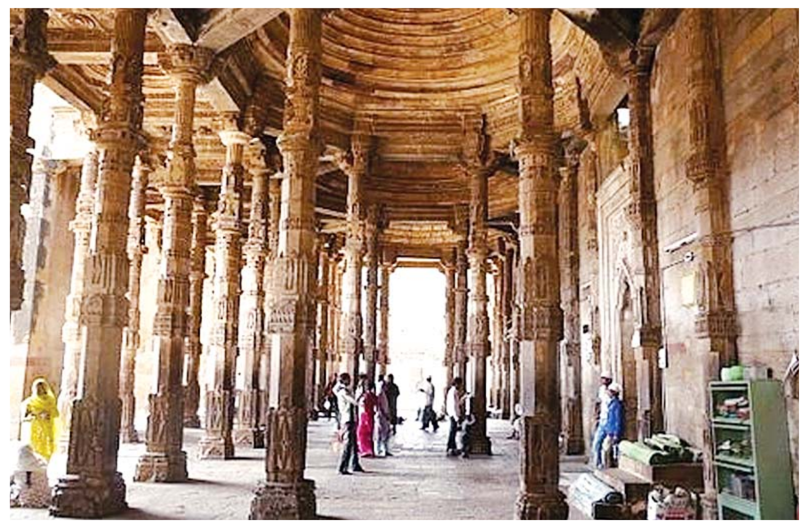

Adhai Din ka Jhonpra, Arcade and mihrab dome.

Adhai Din ka Jhonpra Column, beam and dome.

Adhai Din ka Jhonpra Column.

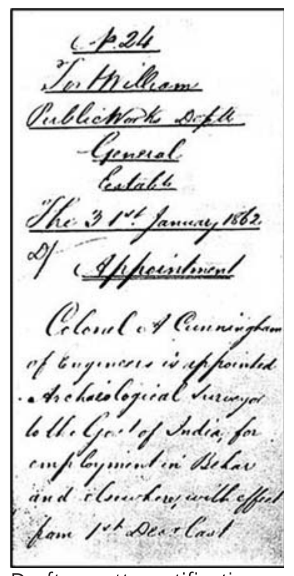

Draft gazette notification announcing Cunningham's appointment as Archaeological Surveyor.

#PAINTED BY BASAWAN

The Page That Explains India Better Than a Thousand Speeches

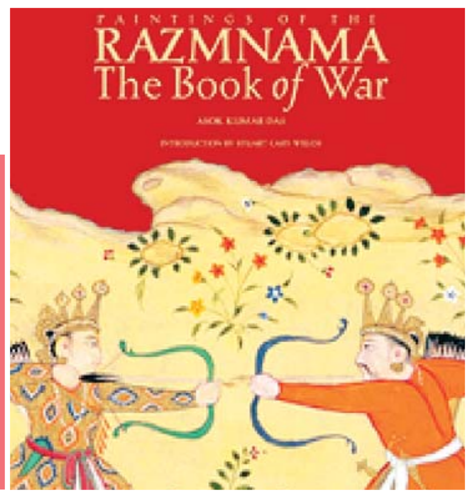

Based on "A Muslim Pilgrim Learns a Lesson in Piety from a Brahman," painted by Basawan for the Khamsa of Amir Khusrau, 1597-98

In 1597, inside the imperial workshop of the Mughal emperor Akbar, a remarkable painting was completed. A Hindu artist, Basawan, put his brush to a story written three centuries earlier by a Muslim Sufi poet, Amir Khusrau. The manuscript belonged to the library of a Muslim emperor who ruled over one of the largest and most powerful empires in the world.

The painting depicts a simple encounter on a road to God.

A Muslim pilgrim is journeying to Mecca when he comes upon a Brahman on his way to a temple. The Brahman is not merely walking. He is measuring the entire road with his body, lying flat on the ground, marking the point his hands can reach, rising, stepping forward, and repeating the act again and again.

Mile after mile.

The Muslim traveler watches. He cannot match such devotion. Faced with a display of faith greater than his own, he does not argue theology, denounce idolatry, or proclaim superiority. Instead, he removes his shoes and continues his own pilgrimage barefoot.

The lesson is disarmingly simple: true piety can be recognized even across the boundaries of religion.

What makes the image extraordinary is not only the story it tells, but the world that produced it.

The tale originated in the Khamsa of Amir Khusrau, the celebrated poet often called the "Parrot of India." Khusrau lived in the Delhi Sultanate and wrote in Persian while drawing deeply from the cultural life of the Indian subcontinent. Three centuries later, his work was being illustrated by Basawan, one of the greatest painters in Akbar's court.

A Muslim poet's story.

A Hindu painter's hand.

A Muslim emperor's manuscript.

One page.

And this was not an isolated example.

During the same period, Akbar's atelier was engaged in one of the most ambitious translation projects in Indian history: rendering the Mahabharata into Persian. The resulting manuscript, known as the Razmnama or "Book of War," was lavishly illustrated by artists from the imperial workshop. Hindu epics, Persian poetry, Islamic scholarship, Jain philosophy, and Christian theology all found their way into discussions at Akbar's court.

This was not public propaganda. These manuscripts were created primarily for the emperor and his circle. They reflected a genuine intellectual curiosity, a willingness to ask whether wisdom might exist beyond inherited boundaries.

The Mughal Empire, at its most confident, was not afraid of comparison. It could place a Brahman and a Muslim pilgrim on the same page and allow the reader to decide whose devotion ran deeper. It could translate Sanskrit epics into Persian and invite scholars of different faiths to debate before the throne. The painting reveals something often forgotten in modern arguments about identity and religion: civilizations are strongest not when they are certain of everything, but when they are curious enough to question themselves.

More than four centuries have passed since Basawan painted that scene. Empires have risen and fallen. Languages have changed. Borders have been redrawn.

Yet, the image remains.

A Muslim sees devotion in a Hindu.

A Hindu illustrates a Muslim poet.

An emperor preserves both.

And somewhere on that long road to the sacred, the shoes are still off.

Based on "A Muslim Pilgrim Learns a Lesson in Piety from a Brahman," painted by Basawan for the Khamsa of Amir Khusrau, 1597-98, in the imperial atelier of Akbar. Collection of the Metropolitan Museum of Art.

THE WALL

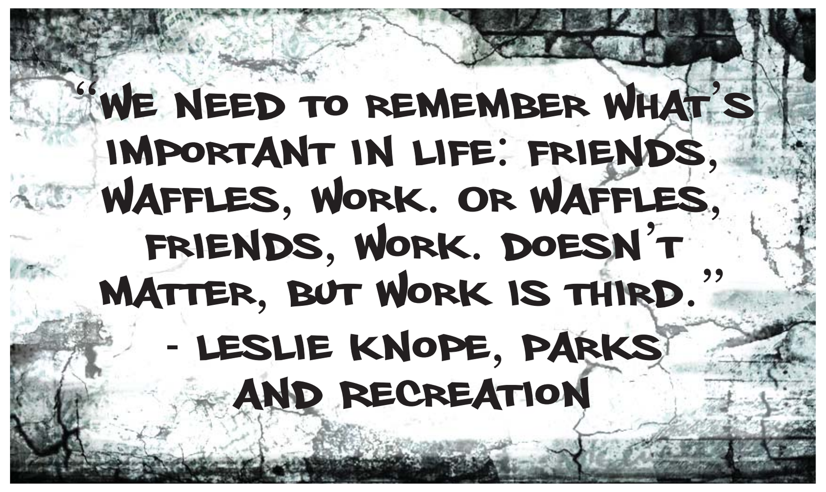

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही पर 3 प्रधानाचार्य व 1 व्याख्याता को नोटिस

भीलवाड़ा। पंचायत आम चुनाव-2026 (प्रथम चरण) के लिए बुधवार, 21 अक्टूबर को तिलक नगर स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित मतदान दलों के अंतिम प्रशिक्षण व रवानगी में नियुक्त जहाजपुर ब्लाक के प्रधानाचार्य धर्मचन्द मीना व उच्छबलाल मीणा , कोटडी ब्लॉक के प्रधानाचार्य श्री भवानी शंकर शर्मा व करेड़ा ब्लॉक के व्याख्याता प्रभात ईनाणी द्वारा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला कलेक्टर (जिला निर्वाचन अधिकारी) श्री जसमीत सिंह संधू ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार उपरोक्त 3 प्रधानाचार्य व 1 व्याख्याता राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज भीलवाड़ा में बुधवार, 21 अक्टूबर को आयोजित अंतिम प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे। नियुक्ति सेल के कार्मिकों द्वारा दूरभाष पर सम्पर्क कर प्रशिक्षण में उपस्थित होने हेतु सूचित करने के उपरान्त भी वे अनुपस्थित रहे, जो राजकीय कार्य के प्रति गंभीर लापरवाही एवं पदीय कर्तव्यों के प्रति उदासीनता का द्योतक है।जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस संबंध में उन्हें 03 दिवस में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा उनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134 के तहत नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जावेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं की होगी।

किशनगढ़ बास में रिटर्निंग अधिकारियों के प्रशिक्षण में कलेक्टर पहुंचे, जरूरी आदेश दिए

'एक छोटी सी चूक भी पूरे पंचायत चुनाव को प्रभावित कर सकती है'

किशनगढ़बास में कलेक्टर अतुल प्रकाश ने रिटर्निंग अधिकारियों को सम्बोधित किया।

- चुनाव को निष्पक्ष बनाने में आरओ की भूमिका सबसे अहम : कलेक्टर

किशनगढ़ बास(निसं)। जिले में पंचायत चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी विवाद के संपन्न कराने के लिए गुरुवार को कृषि महाविद्यालय, बास कृपाल नगर में रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश खुद प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचे और चल रहे प्रशिक्षण का अवलोकन कर तैयारियों का जायजा लिया। प्रशिक्षण के दौरान जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पंचायत चुनाव में आरओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। एक छोटी सी चूक भी पूरे चुनाव को प्रभावित कर सकती है। इसलिए चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का समयबद्ध और नियमानुसार पालन हर हाल में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नामांकन से लेकर मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया, नियमों, अपने दायित्वों और कानूनी प्रावधानों की भली-भांति जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति न बने। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में जो जानकारी दी जा रही है, उसका मैदान में प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ करें। निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और आयोग के निर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित करें।

जयकारों से गूंजी रक्तांचल पर्वत की तलहटी

निवाई(निसं)। रक्तांचल पर्वत की तलहटी में स्थित ऐतिहासिक कंकाली माताजी के प्राचीन मंदिर में श्री शक्ति पीठ सेवा संस्थान के तत्वावधान में वैदिक मंत्रोच्चारण करके माताजी के जयकारों के साथ मंदिर शिखर पर पीतल के भारी कलश एवं ध्वज स्थापित किए गए। इस दौरान माताजी के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। संस्थान के अध्यक्ष शंकर सोनी व राजेश भट्ट ने बताया कि कंकाली माताजी के मंदिर में आचार्य रविप्रकाश शास्त्री के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालु सुरेश पराना द्वारा मंदिर शिखर पर पीतल के कलश एवं ध्वज की स्थापना की गई। इस दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इसके पश्चात मां कंकाली की झांकी सजाकर महाआरती की गई। महाआरती में अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली, तेरे ही गुण गाए भारती, शेर पे सवार होकर आजा शेरावालिये, मैया का चौला है रंगला, शेरा वाली का चौला है रंगला, चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है, तूने मुझे बुलाया शेरावालिये व भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अम्बे सहित कई भजनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किया।

इस दौरान माताजी के छप्पन भोग का नैवेद्य अर्पित किया गया एवं प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर सुरेश पराना, सुभाष गिन्दोड़ी, ओमप्रकाश दहलोद, व बनवारीलाल शर्मा सहित सेवा संस्थान के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों में लगे हुए है।

सार-समाचार

शत-प्रतिशत वोटिंग की अपील, मैराथन दौड़ लगाई

ब्यावर (निसं) पंचायत आम चुनाव-2026 के मद्देनजर जिला स्वीप टीम की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिले के सरकारी और निजी स्कूलों में मैराथन दौड़ सहित विभिन्न गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों और आमजन को मतदान के प्रति जागरूक किया गया अतिरिक्त परियोजना अधिकारी धनदान देथा के मार्गदर्शन में आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ ने उत्साह से भाग लिया। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों ने 'पहले मतदान, फिर जलपान' और 'लोकतंत्र का मान बढ़ाएं, शत-प्रतिशत मतदान कराएं' जैसे नारों के जरिए लोगों से मतदान करने की अपील की। विद्यार्थियों ने जनसंपर्क कर प्रत्येक मत की अहमियत भी बताई।कार्यक्रम में विद्यार्थियों और कार्मिकों को निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान की शपथ दिलाई गई। साथ ही परिवार और समाज के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। स्कूलों में पोस्टर, स्लोगन और संवाद के माध्यम से भी मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।स्वीप टीम का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना और मतदान के प्रति जागरूकता बढ्राना है। अभियान के जरिए यह संदेश दिया गया कि हर मत लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

गुमशुदा बालक को सहारा दिया

डूंगरपुर। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाईन 1०98 पर एक गुमशुदा बालक के असहाय अवस्था में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाईन समन्वयक मेहुल शर्मा को सदर पुलिस ने बताया कि जिले के इद्रंखेत गांव में एक लावारिस गुमशुदा बालक को मदद की आवश्यकता है। जिस पर सुपरवाइजर कमलेश जैन ने सदर पुलिस थाना एसआई रमेशचन्द्र मय जाप्ता के सहयोग से बालक को चाइल्ड हेल्पलाईन कार्यालय लाई। जिसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा बालक की काउंसलिंग करने पर उसने अपना नाम जनक रोत उम्र लगभग 6-7 वर्ष पिता जगदीश रोत माता सविता रोत निवासी कांकरी डूंगरी का होना बताया व पिताजी गाडी चलाने का काम करते है इसके अलावा बालक कुछ नहीं बता पा रहा हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन व सदर पुलिस ने बालक को बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष भावेश जैन सदस्य बालकृष्ण परमार व जयश्री भट्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा बालक को अस्थाई आश्रय बाल संप्रेषण गृह डूंगरपुर में दिलवाया गया है। जो कोई भी व्यक्ति इस बालक के संबंध मे और अधिक जानकारी रखता हो तो तत्काल 1०98,०2964-294०98 अथवा बाल अधिकारिता विभाग जिला बाल संरक्षण ईकाई चाइल्ड हेल्पलाइन कार्यालय,शिवाजी नगर हॉस्पीटल रोड बालाजी मिल्क प्रोडक्ट के सामने सूचित कर सकते है।

श्री जैन नवयुवक मंडल डूंगरपुर की नई कार्यकारिणी घोषित

डूंगरपुर। श्री जैन नवयुवक मंडल, डूंगरपुर की वर्ष 2०26-27 की नवीन कार्यकारिणी के विस्तार मे अध्यक्ष नरेश जैन ने बताया कि कार्यकारिणी में अजीत नागदा, श्रेणीक दावडा एवं सचिन जैन को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं,पंकज जैन नवकार को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। मंडल की नई कार्यकारिणी से जैन समाज के युवाओं को संगठित कर सामाजिक, धार्मिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को आगे बढ ाने की दिशा में कार्य करने की अपेक्षा है। श्री जैन नवयुवक मंडल समाज में आपसी समन्वय, सेवा भावना और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी भूमिका निभाता है। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही मंडल के आगामी कार्यकाल को लेकर समाज के युवाओं में नई जिम्मेदारियों और गतिविधियों को आगे बढ ाने की उम्मीद है। कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के माध्यम से समाजहित के कार्यों को गति देने तथा युवाओं की सहभागिता बढ ाने पर जोर रहेंगा।

मेले में भजन संध्या और बॉलीवुड नाइट होंगे आकर्षण

डूंगरपुर। शहर में दीपावली के उत्सव को खास बनाने के लिए नगर परिषद की ओर से 28 अक्टूबर को दीपावली मेले का आगाज होगा। इस बार मेला लक्ष्मण मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें झूलों, खरीददारी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनोरंजन के कई आकर्षण देखने को मिलेंगे। वहीं, शहर में पहली बार गैप सागर झील और बादल महल के किनारे आधुनिक तकनीक से जुडे लेजर बीम शो-ग्राफिक्स शो-लाइट एंड साउंड शो तथा एसएफ एक्स पटाखा शो जैसे आयोजन प्रस्तावित हैं। नगर परिषद सभापति सुशीला गुप्ता ने बताया कि इस बार दीपावली मेले को यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। 28 अक्टूबर से शुरू होने वाले कार्यक्रमों का सिलसिला 7 नवंबर तक चलेंगा। लक्ष्मण मैदान में झूलों और खरीदारी का आकर्षण -दीपावली मेले में बच्चों से लेकर बड़ों तक के मनोरंजन के लिए कई प्रकार के झूले लगाए जाएंगे।

पावटा में बंद मकान के ताले तोड़ जेवर, चांदी के सिक्के पार, घर में बिखरा मिला सामान

चोरी के बाद मकान में बिखरा पड़ा सामान।

- लंबे समय से बंद मकान को चोरों ने बनाया निशाना, दस्तावेज भी लेकर हुए फरार

पावटा । कस्बे में चोरी की वारदातों ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सब्जी मंडी स्थित एक लंबे समय से बंद पड़े मकान को किन्ही चोरों ने निशाना बनाते हुए उसके ताले तोड़ दिए और घर के अंदर जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने कमरों और अलमारियों को खंगालते हुए कीमती जेवरात, चांदी के सिक्के, मकान के पट्टों सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के बाद मकान के अंदर सामान बिखरा मिला और अलमारियां टूटी हुई थीं। घटना की जानकारी मिलने पर मकान मालिक के परिजन मौके पर पहुंचे तो घर की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद वार्ड पार्षद ललित गोयल सहित कई ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।

सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात अज्ञात चोरों ने सब्जी मंडी स्थित बंद मकान को निशाना बनाया। मंगलवार सुबह बल्लू लखेरा मकान किराए पर लेने के बाद अपना सामान शिफ्ट करने पहुंचे तो मुख्य दरवाजे के ताले टूटे मिले। मकान की स्थिति देखकर उन्हें चोरी की आशंका हुई और उन्होंने तत्काल मकान मालिक के परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही स्वर्गीय रवि अग्रवाल के भाई विजय अठावाल पावटा पहुंचे। घर के अंदर प्रवेश करने पर सामान अस्त-व्यस्त मिला, वहीं अलमारियां भी टूटी हुई थीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मकान से चांदी की दो जोड़ी पायजेब, चांदी के सात सिक्के, सोने की एक अंगूठी, मकान के पट्टे, अन्य कीमती सामान और महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब बताए गए हैं। वहीं, किराएदार बल्लू लखेरा के सामान में से भी चांदी की चार जोड़ी पायजेब, सोने की एक अंगूठी, चांदी की एक जोड़ी चुटकी सहित अन्य कीमती सामान चोरी होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, अभी तक चोरी गए समस्त सामान और कुल नुकसान का पूरा आकलन नहीं हो पाया है। ऐसे में चोरी की वास्तविक कीमत और अन्य सामान की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। मकान मालिक के भाई विजय अठावाल ने बताया कि उनके भाई स्वर्गीय रवि अग्रवाल अपने परिवार के साथ इसी मकान में रहते थे। उनकी मृत्यु के बाद परिवार जयपुर शिफ्ट हो गया था, जिसके चलते मकान लंबे समय से बंद पड़ा था। मंगलवार को बल्लू लखेरा को मकान किराए पर दिया गया था। वह सामान रखने पहुंचे तो ताले टूटे मिले। सूचना मिलने पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ था और अलमारियां टूटी हुई थीं। चोरी की सूचना मिलते ही प्रागपुरा थाना पुलिस के एएसआई महावीर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वारदात से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की। अब पुलिस के सामने चोरों का पता लगाने और चोरी गए सामान की बरामदगी की चुनौती है। कस्बे में चोरी की इस वारदात ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है।

नोहर : ब्लॉक 25 से परमेश्वरी देवी ने पर्चा भरा

नोहर, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव को लेकर नोहर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में नोहर पंचायत समिति के ब्लॉक संख्या 25 से परमेश्वरी देवी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

परमेश्वरी देवी भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की पत्नी हैं। उनके चुनावी मैदान में उतरने से ब्लॉक क्षेत्र में पंचायत समिति चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। नामांकन प्रक्रिया के बीच विभिन्न प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ने लगी है। वहीं, राजनीतिक दलों और संभावित प्रत्याशियों की गतिविधियों पर भी क्षेत्रवासियों की नजर बनी हुई है। आगामी दिनों में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी तस्वीर और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।

सबके अरमानों को पूरा करूंगीः साजिदा खान

मनोहरपुर (निसं)। ताला ग्राम पंचायत से सरपंच पद का चुनाव लड़ रही साजिदा खान ने कहा कि ताला ग्राम पंचायत में रहने वाले लोगों के सबके अरमानों को पूरा करूंगी। यह बात उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कही।

साजिदा खान ने कहा कि आज महिलाएं देश में बहुत तरक्की कर रही हैं, देश के विकास में अत्यधिक योगदान दे रही हैं। महिलाओं को आगे आना चाहिए, पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों के जो अधूरे सपने हैं, उनको अविलंब पूरा करने की कोशिश करूंगी।

डूंगरपुर : प्रथम चरण में जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए हुआ मतदान

डूंगरपुर। पंचायती राज आम चुनाव-2०26 के प्रथम चरण में डूंगरपुर जिले में गुरूवार को हुए जिला परिषद् सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य के मतदान में युवा, वृद्ध, दिव्यांग, महिलाओं सहित समस्त मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। प्रातः सात बजे से शुरू मतदान में दिन चढ ने के साथ मतदाताओं की कतारें बढ ती गई। जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं की गई वहीं दिव्यांगजन, वृद्ध के लिए भी मतदान बूथों पर वालिटियर्स के साथ व्हील चेयर का भी इंतजाम किया गया। डूंगरपुर जिला में पंचायती राज आम चुनाव 2०26 के निर्धारित कार्यकम के अनुसार दो चरणों में आयोजित होने वाले पंचायती राज आम चुनाव के प्रथम चरण में दिनांक 22 अक्टूबर 2०26, गुरूवार को सात पंचायत समिति सागवाडा, पाडवा, गलियाकोट, चिखली, झौंथरी, भंडारी एवं सीमलवाडा में जिला परिषद् सदस्य हेतु कुल 2० वार्ड (वार्ड संख्या 7 से 26 तक) तथा पंचायत समिति सदस्य कुल 119 वार्ड के लिए मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई। अल सुबह प्रातः सात बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई । दिन चढ ने के साथ मतदाताओं के मतदान बूथों पर पहुंचने के बाद कतारें बढ ती गई। प्रातः 1० बजे पंचायत समिति भंडारी में 14.1० प्रतिषत, चिखली में 13.32, गलियाकोट में 14.78, झौंथरी 1०.77, पाडवा 1०.94, सागवाडा ०9.22 एवं पंचायत समिति सीमलवाडा 14.71 प्रतिषत के साथ कुल 12.1० प्रतिषत मतदान दर्ज किया गया। इसी प्रकार दोपहर एक बजे पंचायत समिति भंडारी में 3०.56 प्रतिषत, चिखली में 34.98, गलियाकोट में 31.83, झौंथरी में 26.57, पाडवा में 27.49, सागवाडा में 22.72 एवं पंचायत समिति सीमलवाडा में 29.9० प्रतिषत के साथ कुल 28.22 प्रतिषत मतदान दर्ज किया गया। इसी प्रकार मध्याह्न तीन बजे पंचायत समिति भंडारी में 51.65 प्रतिषत, चिखली में 53.19, गलियाकोट में.48.96, झौंथरी में 44.81, पाडवा में 42.36, सागवाडा में 37.5० एवं पंचायत समिति सीमलवाडा में 5०.89 प्रतिषत के साथ समाचार लिखे जाने तक कुल 45.73 प्रतिषत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सायं 6 बजे तक लगातार जारी है। प्रथम बार मतदान करने मतदान केन्द्र पहुंची युवा मतदाता भूमिका पंचाल, सिद्धि सेवक, मान्या जोषी, विषाखा सेवक, लाभांष पण्ड्या, भूमि पाटीदार, भूमिका पाटीदार ने उत्साह के साथ मतदान किया। उन्होंने बताया कि पहली बार मत का उपयोग कर उन्हें लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाई है और इस बात को लेकर वे बहुत खुश है।

लोहानी ने फिर पेश की मिसाल

मनोहरपुर (निसं)। मनोहरपुर के मजदूर नेता अब्दुल अजीज लोहानी ने एक बार फिर ईमानदारी की मिसाल पेश की है।

ऑफिस में मिला एक मोबाइल उन्होंने मालिक को लौटा दिया। ये पहला मौका नहीं है, लोहानी इससे पहले भी कई बार सड़क पर, बाजार में और कार्यालय परिसर में मिले मोबाइल और नकद राशि अपने खर्चे पर मालिकों तक पहुंचा चुके है।

मोबाइल पाकर अब्दुल सलाम की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। इस ईमानदार कार्य की जानकारी जब अधिकारियों तक पहुंची तो सभी ने अब्दुल अजीज लोहानी की दिल खोलकर प्रशंसा की।

समाज में एकता, शांति, सद्भावना व भाईचारा ही वास्तविक राम राज्य : भीम पटेल

- मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ श्री रामलीला का हुआ समापन
- परम्परा अनुसार पटेल परिवार के द्वारा किया गया राजतिलक

कोटपूतली,(निसं)। कस्बे के आजाद चौक के तहसील परिसर स्थित श्री रामलीला मंच पर श्री रामलीला मण्डल कोटपूतली के तत्वाधान में आयोजित की जा रही रामलीला का विगत बुधवार रात्रि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की लीला के साथ समापन किया गया। जिसमें हमेशा की तरह परम्परा के अनुसार रावण वध के बाद पटेल परिवार की ओर से भगवान श्रीराम का राजतिलक मुख्य अतिथि के रूप में युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल व पार्षद शिवकुमार पटेल द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि भीम पटेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम, शांति व सद्भावना के साथ निवास करना ही वास्तविक राम राज्य है। जिसे हम भगवान श्रीराम के आदर्शो पर चलकर प्राप्त कर सकते है। हम सभी को आपसी छोटे-बड़े, जाति-पाति व वैचारिक वैर-विरोध भुलाकर एकजुटता के साथ शांतिपूर्वक सभ्य समाज में निवास करना चाहिये। युवा पीढ़ी को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिये। पटेल ने कहा कि रामलीला हमारी गौरवशाली प्राचीन परम्परा का हिस्सा है। यह गर्व की बात है कि हमेशा की तरह इस बार भी रामलीला का आयोजन बड़े ही धुमधाम व भव्य तरीके से किया गया। उन्होंने इसके लिए रामलीला कमेटी व स्थानीय कलाकारों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पं. अनिल शास्त्री ने विधि विधान पूर्वक वेद मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर भगवान श्रीराम का राजतिलक करवाया। साथ ही भगवान श्री गणेश, रामायण जी, श्रीराम दरबार व श्रीराम स्तुति कर आरती भी उतारी गई। अतिथियों ने भगवान श्रीराम व माता सीता का राजतिलक कर उन्हें राज मुकुट पहनाया एवं क्षेत्र के विकास एवं सुख-शांति की कामना की। राजतिलक के उपलक्ष्य में पटेल परिवार की ओर से 11 हजार रूपयों की राशि राजतिलक पर भेंट की गई। अतिथियों ने रामलीला के कलाकारों को सम्मानित भी किया। वहीं कमेटी की ओर से अतिथियों का माल्यार्पण व प्रतीक चिंह भेंटकर स्वागत किया गया। कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व हनुमान जी के भरत को सूचना देने, पुष्पक विमान द्वारा भगवान के अयोध्या लौटने व भरत मिलाप की लीलाओं का भी मंचन किया गया। इस दौरान रामलीला मंडल के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा, संरक्षक डॉ. मोतीलाल स्वामी, भोरेलाल गुर्जर, चंद्रकांत शर्मा, कुलदीप जोशी, चन्द्रकांत शर्मा, हजारीलाल राय, नितिन जोशी, राधेश्याम शर्मा, कमलेश मीना, रतनलाल राय, मनोज पंडित, सुमित शर्मा, माडूराम, कैलाश चंद, पप्पू पांचाल समेत कमेटी के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खेतड़ी रियासतकालीन है कोटपूतली की रामलीला : उल्लेखनीय है कि कोटपूतली की उक्त ऐतिहासिक रामलीला का प्रत्यक्ष इतिहास खेतड़ी रियासत से जुड़ा हुआ है। जिसका मंचन आजादी से भी करीब 100 वर्ष से अधिक पहले शुरू हो गया था। बताया जाता है कि सर्वप्रथम कोटपूतली में खेतड़ी दरबार द्वारा सन् 1832 में रामलीला का मंचन शुरू करवाया गया था। ऐसे में कोटपूतली में रामलीला का आयोजन होते लगभग 190 वर्षो का समय बीत चुका है।

प्रशिक्षण शिविर में छात्राओं ने सीखे सुरक्षा के गुर

कोटपूतली, (निसं)। यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में छात्राओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से शानदार पहल की गई है। महाविधालय के रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे सप्ताह के चौथे दिन गुरूवार को छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ ट्रेनिंग ली। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण में बढ़-चढ़कर भाग लेने और सीखी गई तकनीकों का निरंतर अभ्यास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने कहा कि आज के समय में आत्मरक्षा और महिला सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है, और हर बेटी को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत होना चाहिए। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुमन पूनिया ने अब तक के प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने अंतिम सप्ताह में छात्राओं के भीतर दिख रहे गजब के उत्साह और लगन की जमकर सराहना की। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं ने सबसे पहले वार्म-अप किया, जिसके बाद पहले सीखी गई आत्मरक्षा तकनीकों का रिवीजन किया और साथ ही कुछ नई व आधुनिक सुरक्षा तकनीकों का भी कड़ा अभ्यास किया।

निजी अस्पतालों, लैब व डॉक्टरों की डिजिटल आईडी बनने का अभियान 30 तक

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिले में निजी स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने के लिए 30 अक्टूबर तक विशेष सघन अभियान चलाया जायेगा।

- अभियान का उद्देश्य निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम से जोड़ना तथा स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही निजी चिकित्सा संस्थानों में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) सॉफ्टवेयर अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

भीलवाड़ा। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत जिले में निजी स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने के लिए 30 अक्टूबर तक विशेष सघन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान निजी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों की हेल्थकेयर प्रोफेशनल आईडी (एचपीआईडी) तथा पात्र अस्पतालों, क्लीनिक, फार्मेसी, लैब और सोनोग्राफी सेंटर की हेल्थकेयर फैसिलिटी आईडी (एचएफआईडी) बनाई जा रही है । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम से जोड़ना तथा स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही निजी चिकित्सा संस्थानों में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) सॉफ्टवेयर अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज : सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने बताया कि पंजीकरण के लिए संबंधित स्वास्थ्य पेशेवर आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, काउंसिल पंजीकरण प्रमाण पत्र, शैक्षिणक योग्यता के दस्तावेज तथा वर्तमान कार्यस्थल का प्रमाण साथ रखें। अभियान के दौरान पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी एवं तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने जिले के सभी पात्र निजी स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए 30 अक्टूबर तक आवश्यक पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें, ताकि जिले में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के नेटवर्क का विस्तार हो सके।

अलवर : निजी स्कूल बस की टक्कर से दूध कारोबारी गंभीर घायल

हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

अलवर(निसं)। शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में जयपुर रोड स्थित जयंती फार्म हाउस के पास सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक दिन पहले इसी स्थान पर रोडवेज बस की टक्कर से एक अध्यापिका की मौत हो गई थी। वहीं, गुरुवार को एक और हादसे में निजी स्कूल बस की टक्कर से दूध का कारोबार करने वाले बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। जगदीश नाम के बुजुर्ग सड़क से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक निजी स्कूल बस ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने उन्हें उपचार के लिए अलवर के जिला अस्पताल पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रेफर कर दिया। लगातार हो रहे सड़क हादसों से नाराज स्थानीय लोगों ने मौके पर जाम लगा दिया और सड़क पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने पर रोष जताया। लोगों का कहना था कि एक दिन पहले इसी जगह हुए हादसे में अध्यापिका की जान चली गई थी।

भरतपुर : पंचायत चुनावों के मद्देनजर जिलेभर में पुलिस का व्यापक फ्लैग मार्च

भरतपुर (निसं)। जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से भरतपुर पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार व्यापक स्तर पर फ्लैग मार्च, पुलिस गश्त, पैदल मार्च, सघन चेकिंग एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना के निर्देशन में आगामी पंचायत चुनावों के मध्यनजर आदर्श आचार संहिता की पालना, जिले में सुरक्षा व्यवस्था तथा पंचायत चुनावों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलेभर में ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों द्वारा व्यापक पैदल फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने, कानून-व्यवस्था के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने तथा असामाजिक एवं शरारती तत्वों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया गया कि जिले में शांति व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आदर्श आचार संहिता की पालना एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु जिलेभर में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला।

आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने का प्रयास: जिलेभर में आयोजित फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आदर्श आचार संहिता की पालना, जिले में चुनाव प्रक्रिया के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना, आमजन एवं मतदाताओं में पुलिस एवं प्रशासन के प्रति विश्वास को मजबूत करना, चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी अवैध या असामाजिक गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण एवं पंचायत चुनावों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराना तथा यह संदेश देना रहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

- **असामाजिक तत्वों एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई**

चुनाव क्षेत्रों में लगातार पुलिस की निगरानी: जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने बताया कि पंचायत चुनावों को लेकर जिला पुलिस द्वारा चुनाव क्षेत्रों में लगातार फ्लैग मार्च, सघन नाकाबंदी एवं प्रभावी गश्त की जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाकर, पंचायत क्षेत्रों एवं ग्रामीण इलाकों में पुलिस गश्त को बढ़ाया गया है। साथ ही जिला पुलिस टीमों द्वारा प्रमुख मार्गों, नाकों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

जांगिड़ ब्राह्मण समाज के विवाह सम्मेलन की कार्यकारणी घोषित

निवाई(निसं)। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भगवान विश्वकर्मा मंदिर में जांगिड़ समाज के अध्यक्ष कन्हैयालाल जांगिड़ सीरस एवं समिति अध्यक्ष राधेश्याम जांगिड़ हरभगतपुरा की अध्यक्षता में समाज की बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्व सम्मति से सामूहिक विवाह सम्मेलन की कार्यकारणी घोषित की गई। कार्यकारी अध्यक्ष कैलाशचन्द जांगिड़ ने बताया कि बैठक में सम्मेलन अध्यक्ष सीताराम जांगिड़ लूहारा ने सामूहिक विवाह सम्मेलन की कार्यकारिणी के गठन को लेकर प्रस्ताव रखा। जिस पर सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यकारणी में महामंत्री के पद पर शशिकांत जांगिड़ मोहम्मदगढ व लल्लूलाल जांगिड़ पहाड़ी, मंत्री सुरेश जांगिड़ सिरोही व राधा मोहन जांगिड़ मनोहरपुरा आदि।

मंडावरी पुलिस ने 48 पव्वे अवैध देशी शराब सहित युवक गिरफ्तार

लालसोट(निसं)। पंचायतीराज चुनाव 2026 से पहले अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। मंडावरी थाना पुलिस ने खटवाड़ी रोड पर कार्रवाई करते हुए 48 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ राजस्थान आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक दौसा कुंदन कंवरिया के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोट विनोद कुमार सीपा और वृत्ताधिकारी लालसोट सत्यनारायण यादव के सुपरविजन में चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब की रोकथाम के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 अक्टूबर को मंडावरी थाना पुलिस की टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान खटवाड़ी रोड पर पानी की बावड़ी के पास एक युवक मिला। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध देशी शराब के 48 पव्वे बरामद हुए।

- **खेडली वाली ढाणी के 21 वर्षीय लोकेश मीना को खटवाड़ी रोड पर पकड़ा, चुनाव के मद्देनजर पुलिस की गश्त के दौरान हुई कार्रवाई**

21 वर्षीय युवक गिरफ्तार: पुलिस ने मौके से लोकेश मीना (21), निवासी खेडली वाली ढाणी, थाना लालसोट, जिला दौसा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ प्रकरण संख्या 174/2026 में राजस्थान आबकारी अधिनियम की धारा 19/54 के तहत मामला दर्ज किया है। प्रकरण में आगे अनुसंधान जारी है। कार्रवाई मंडावरी थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद उनिवाल के नेतृत्व में की गई।

पावटा में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, झांकी के साथ रामलीला सांपन्न

पावटा(निसं)। श्री आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में आयोजित रामलीला का समापन भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की भव्य झांकी के साथ हुआ। रामलीला के अंतिम दिन बुधवार को श्री राम–रावण युद्ध, रावण वध, माता सीता से मिलन और भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी की लीलाओं का सजीव मंचन किया गया। जैसे ही भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया, रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और दर्शकों ने जयकारों के साथ धर्म की विजय का उत्सव मनाया। रामलीला के अंतिम प्रसंग में भगवान श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। दोनों ओर से युद्ध की वीरता और पराक्रम का प्रदर्शन हुआ। अंततः भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर यह संदेश दिया कि चाहे अधर्म कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, अंत में विजय सत्य और धर्म की ही होती है। रावण वध के दृश्य ने दर्शकों में उत्साह भर दिया और मैदान में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए। रामलीला के दौरान रावण वध के प्रसंग के साथ रावण के अंतिम समय और उसके संदेश को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। रावण ने अपने ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य के बावजूद अहंकार तथा गलत निर्णयों के कारण हुए पतन का संदेश दिया। इस प्रसंग के माध्यम से दर्शकों को समझाया गया कि ज्ञान और शक्ति का महत्व तभी है, जब उनका उपयोग धर्म, विवेक और मर्यादा के अनुरूप किया जाए। रावण के प्रसंग ने यह सीख दी कि अहंकार मनुष्य के विनाश का कारण बनता है। व्यक्ति कितना भी विद्वान और शक्तिशाली क्यों न हो।

- **अधर्म पर धर्म की विजय का दिया संदेश, श्रीराम-रावण युद्ध और अयोध्या वापसी की लीला ने दर्शकों को भावविभोर किया**

मनरेगा मजदूरों को बताया ठगी से बचाव का रास्ता

विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में कानून की पाठशाला लगाई जहां श्रमिक मजदूर को कानूनी जानकारी दी।

किशनगढ़ बास(निसं)। गांव देहात के भोले भाले और कम पढ़े लिखे लोगसाइबर ठगी का शिकार नहीं हो इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर सूरजभान कछवाहा ने गुरुवार को किशनगढ़ बास क्षेत्र के गांव रायपुर मेवान में ऐसे स्थान पर कानून की पाठशाला लगाई जहां पर मनरेगा के तहत 50 श्रमिक मजदूर काम कर रहे थे। कानूनी पाठशाला शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार तथा सचिव अजीत कूड़ी के मार्गदर्शन में लगाया गया। पैरा लीगल वॉलंटियर सूरजभान कछवाहा ने बताया ग्राम रायपुर मेवान में मनरेगा स्थल पर साइबर अपराध से बचाव को लेकर विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यहां पर काम करने वाले 50 मनरेगा श्रमिकों को बताया गया कि मोबाइल पर एक गलत क्लिक कैसे उनकी महीने भर की मजदूरी साफ कर सकता है।

श्रमिकों को बताया गया कि आजकल साइबर ठग गांव–देहात के भोले–भाले और कम पढ़े–लिखे मजदूरों को सबसे ज्यादा निशाना बना रहे हैं। लोन का लालच, लॉटरी का मैसेज, बंद होने का डर और फ्री रिचार्ज का झांसा देकर ठग पूछ लेते हैं और खाता खाली कर देते हैं। इसके लिए शिविर में बताया गया किकिसी भी अनजान व्यक्ति को अपना, बैंक खाता नंबर, आधार या पिन कभी न बताएं।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-11, जविप्रा, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100495 **लोक सूचना** दि.: 11.10.2026

श्री Ram Saran Dosaya पुत्र श्री Ramshwar dosaya जाति Chippa निवासी Dosaya Farm house Near Takiya Bus Stand Bagru Rawan Jaipur, श्री Purushottam Dosaya पुत्र श्री Ramshwar dosaya जाति Chippa निवासी Dosaya Farmhouse Near Takiya Bus Stand Bagru Rawan Jaipur श्री Ram Saran Dosaya पुत्र श्री Ramshwar dosaya जाति Chippa निवासी Dosaya Farmhouse Near TakiyaBus Stand Bagru Rawan Jaipur ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है अर्थात्

क्र. सं.	[illegible]	खातेदार का नाम	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1.	[illegible], सांगानेर जयपुर	1) पुरुषोत्तम दोसाया पुत्र रामेश्वर दोसाया हिस्सा 1/2 जाति छीपा (छीपे) सा. देह खातेदार 2) रामशरण दोसाया पुत्र रामेश्वर दोसाया हिस्सा 1/2 जाति छीपा (छीपे) सा. देह खातेदार	3929	0.510000	0.51
			कुल		0.51

[illegible] SSO ID [illegible] JDA [illegible] 90-A [illegible] (https://jda.rajasthan.gov.in) [illegible] 11.10.2026 [illegible]

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक-3653 दिनांक-22/10/26

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश कमांक 2435 दिनांक 21/09/2007 जारी कर फ्लैट संख्या-35/क/3 (भूतल) ज्योति नगर, जयपुर का हस्तान्तरण श्री चन्द्रकान्त गर्ग पुत्र स्व.श्री पूरण चन्द गर्ग के पक्ष मे किया गया था। श्री चन्द्रकान्त गर्ग की मृत्यु दिनांक 20/11/2025 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती शशि प्रभा गर्ग पत्नी स्व.श्री चन्द्रकान्त गर्ग के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड हकत्याग की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट का हस्तान्तरण अपने पक्ष मे करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध मे किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती शशि प्रभा गर्ग पत्नी स्व.श्री चन्द्रकान्त गर्ग के पक्ष मे फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

नगर निगम जयपुर
(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक : एफ-6 () उपा.राज. द्वितीय (सा.प्र.) / ननिज./2026/945
सार्वजनिक विज्ञप्ति दिनांक-22/10/26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में स्थित इन्द्रा कॉलोनी लेबर कॉलोनी, योजना, जयपुर के भूखण्ड संख्या 129 इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क, जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का पट्टा अरबन इम्प्रूवमेंट बोर्ड द्वारा श्री प्रभाती लाल पुत्र श्री श्योनारायण के नाम से जारी किया गया था। अब उक्त भूखण्ड संख्या 129 इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क, जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का विभिन्न पंजीकृत/अपंजीकृत श्रृंखलाबद्ध दस्तावेजो के आधार पर नाम हस्तान्तरण श्रीमती रितु शर्मा पत्नि श्री मुकेश शर्मा निवासी 129 इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क, जयपुर दूरभाष नं. 9829011357 के द्वारा चाहा गया है। अतः भूखण्ड संख्या 129 इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क, जयपुर क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण पत्र/पुर्नगठन श्रीमती रितु शर्मा पत्नि श्री मुकेश शर्मा निवासी 129 इन्द्रा कॉलोनी बनीपार्क, जयपुर, जयपुर के पक्ष में किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी अथवा अन्य हितसम्बद्ध व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालयः उपायुक्त, राजस्व द्वितीय, कक्ष सं. 227 प्रथम तल, नगर निगम जयपुर मुख्यालय, लाल कोठी जयपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण पत्र / पुर्नगठन जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व द्वितीय) नगर निगम जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 4373 दिनांक :- 21/10/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना मे आवास संख्या 192/238 (MIG-A), (एरिया 114.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती मधु शर्मा पत्नी श्री सुरेश शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 563 दिनांक 28.02. 2005 को जारी किया गया। श्रीमती मधु शर्मा के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.03.2005 को उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती मधु शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 29.11.2010 के द्वारा श्री अरुण कुमार अग्रवाल पुत्र श्री ओम प्रकाश अग्रवाल को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री अरुण कुमार अग्रवाल के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 1553 दिनांक 18.01.2011 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री अरुण कुमार अग्रवाल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 23.01.2020 के द्वारा 1. श्रीमती उर्मिला गुप्ता पत्नी श्री मनसुख लाल गुप्ता एवं 2. श्री मनसुख लाल गुप्ता पुत्र श्री कपूर चन्द गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती 1. श्रीमती उर्मिला गुप्ता पत्नी श्री मनसुख लाल गुप्ता एवं 2. श्री मनसुख लाल गुप्ता पुत्र श्री कपूर चन्द गुप्ता द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास के रिकॉर्ड मेअपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, 1. श्रीमती उर्मिला गुप्ता पत्नी श्री मनसुख लाल गुप्ता एवं 2. श्री मनसुख लाल गुप्ता पुत्र श्री कपूर चन्द गुप्ता का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

(रजि. नं. 2511/एल दिनांक 26.10.1970)
जयपुर वाल्मिकी गृह निर्माण सहकारी समिति लि., जयपुर
कार्यालय : 33, जोशी कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर
क्रमांक : एसपी-1 दिनांक : 14.10.2026

वार्षिक आम सभा का नोटिस

जयपुर वाल्मिकी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 02.11.2026 को प्रातः 11:30 बजे सोसायटी के कार्यालय- 33, जोशी कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर पर सोसायटी के सदस्यों की वार्षिक आम सभा आयोजित की जाएगी जिसके विचारणीय विषयबिन्दु निम्नलिखितानुसार रहेंगें :-
1. गत आमसभा की कार्यवाही की पुष्टि पर विचार।
2. समिति की बकाया ऑडिट रिपोटों एवं वर्ष 2025-26 के अंतिम लेखों के अनुमोदन पर विचार।
3. वर्ष 2025-26 में प्रबंधकारिणी द्वारा लिये गये निर्णयों की पुष्टि पर विचार। 4. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की आज्ञानुसार।

आज्ञा से, अध्यक्ष

नोट : कोरम के अभाव में स्थगित आम सभा उसी दिन दोपहर 12:30 बजे उसी स्थान पर पुनः आयोजित की जायेगी जिसमें विचारणीय विषय बिन्दु यथावत रहेंगे।

श्रम न्यायालय संख्या-2 जयपुर
(कमरा नं 306 दूसरी मंजिल, मिनी सचिवालय, बनीपार्क जयपुर)
क्रमांक:521/26 दिनांक-21/10/26
केस न0-एलसीआर/एलसीसी/ईसीसी (एन/एफ) एलसीआर 359/2023
राजेन्द्र सिंह डसीला बनाम जनरल मैनेजर महावीर रबडी भण्डार
नोटिस
1- जनरल मैनेजर, महावीर रबडी भण्डार, अरबन कॉपरेटिव बैंक के पास, टोंक रोड, जयपुर
आपको जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मुकदमा वास्ते निम्नाकित कार्यवाही हेतु इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 13.11.2026 को नियत किया जाता है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त दिनांक को प्रात 10.00 बजे इस न्यायालय के सुमुक्ष मय दस्तावेज अपने अधिकृत प्रतिनिधि के उपस्थित रहे। अन्यथा आपके विरूद्व नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।
1. स्टेटमेन्ट ऑफ क्लेम
2. जबाब विपक्षी
3. दस्तावेज प्रार्थी/अप्रार्थी
4. साक्ष्य प्रार्थी/विपक्षी
5. सुनवाई/बहस
6. उपस्थित पक्षगण

मोहर अदालत

आदेशानुसार
अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी,
श्रम न्यायालय संख्या-2 जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

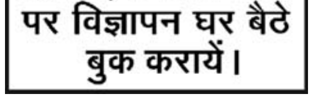

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम विमला एका विमला बाय विजय कुमार मीना से बदलकर विमला मीना पत्नी विजय कुमार मीना रख लिया है, भविष्य में मुझे विमला मीना के नाम से जाना-पहचाना जाए। उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के ही हैं। निवासी डी-13 कुसुम विहार, Skit रोड़, गली नम्बर-9, जगतपुरा जयपुर।

मैं, नंबर JC-731996L सूबेदार सुभाष चंद, R/o VPO चितौसा, तहसील-बुहाना, जिला- झुंझुनू (राजस्थान)। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी माता का नाम बिमला देवी और जन्मतिथि 05.10.1955 गलत दर्ज हो गई है। आधार और पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों के अनुसार, उनका सही नाम बिमला और जन्मतिथि 01.01.1953 है।

खोया पाया

मेरे (सुरेश ओबेरॉय) मकान एच-38-ई, कीर्ती सागर, मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर। जिसका दिनेश शर्मा के नाम से जारी पट्टे (JDA पट्टा नं. 20210101600318 6) का 10,000- का स्टाम्प पेपर कहीं खो गया है। कृपया मिलने पर सूचित करें-8290004777

मेरे प्लाट संख्या-98, ग्रीन वैली-IV, वाटिका, सांगानेर, जयपुर के मूल आवंटन-पत्र, साईट प्लान रसीद आदी जो हरिनगर गृह निर्माण सहकारी, समिति लि. द्वारा जारी किये गये थे। कहीं गुम हो गये। मिलने पर सूचित करें हनुमान सैनी- 8233135971

मेरी दुकान S-51, दुर्गादास कॉलोनी, वैशाली मार्ग (West), मीनावाला, जयपुर का पट्टा एवं रसीद खो गई है। मिलने पर सूचित करें -51, राजेंद्र नगर, वैशाली नगर जयपुर-7737048899

मेरे मकान 31/66/05, मानसरोवर जयपुर का No Dues letter स्वर्ण पथ पर गिर गए मिलने पर सूचित करें-7742335781

मेरे भूखण्ड सं.47/143, मानसरोवर योजना, राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर का मूल आवंटन पत्र (Allotment Letter), पंजीकृत गिफ्ट डीड (Registered Girt Deed) कहीं गुम हो गये है, जिसकी F.I.R./L.R. No. 037 दिनाँक 21.10.2026 पुलिस थाना जवाहर नगर जयपुर में दर्ज है। मिलने पर सूचित करें- प्रीति बख्शी मोबाइल 9351288086

शॉप नं- S-7 निजी खातेदारी की योजना A R G PURAM जयपुर का पंजीकृत मूल जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान और पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर कही गुम हो गए है सूचित करे-कृष्ण कुमार गोयल मो.8769425412

शॉप नं- S-42 निजी खातेदारी की योजना A R G PURAM जयपुर का पंजीकृत मूल जे.डी.ए. पट्टा, साईट प्लान और पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर कही गुम हो गए है सूचित करे-कृष्ण कुमार गोयल मो.8769425412

प्लाट नं. A-30 निजी खातेदारी की योजना श्री कृष्णा वन विस्तार ग्राम-भोज्यावास भांकरोटा जयपुर का पंजीकृत जे.डी.ए. मूल पट्टा,साईट प्लान एवं पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर और पंजीकृत उपहार-पत्र कही गुम हो गया है सूचित करे- भाव्यांश खाण्डल मो.9314159848

मेरे स्वर्गीय पिता श्री विश्वनाथ दीक्षित जी के स्वामित्व के मकान नं. 92, शिव कॉलोनी, हरि मार्ग, टोंक रोड, जयपुर के असल दस्तावेज, जिनमें असल JDA पट्टा, साइड प्लान व अन्य असल दस्तावेज मकान मे से ही गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। संजीव दीक्षित पुत्र स्व.श्री विश्वनाथ दीक्षित, मो.नं.- 8949657764

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक/न.नि.भ./2026-27/16372 दिनांकः 22.10.26

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट / नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए/स्टेटग्रान्ट का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियों प्राप्त हुई है। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यकि का कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर गय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ग्रान्ट एक्ट / नगर पालिका अधिनियम 2009 की चारा ए के तहत / कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. सं.	फाइल नं.	आवेदक का नाम	पिता का नाम	वार्ड नं.	पता का प्रकार	पत्रावली
1	475845	राजवीर सिंह	राम सिंह	36	चौधरी सदन नगक कटरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
2	475872	रहीसा	साबिर हुसैन		अनाह गेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
3	475884	प्रेमा	विनोद	32	शिवा टॉकीज के पीछे, सहयोग नगर, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
4	475955	राजकुमार	जगदीश प्रसाद	22	गुरुमीत स्कूल के पास, बीनारायणगेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
5	475964	अनिल कुमार, कल्पना अग्रवाल	रामबाबू, अनिल कुमार	22	तोप मौहल्ला, अटलबंध, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
6	476044	जरिये ओमप्रकाश	प्रिंसीपल शहीद सूबेदार खिलौना सिंह जीएसस तुहिया, भरतपुर	65	शहीद सूबेदार खिलौना सिंह जीएसस तुहिया, भरतपुर	69 ए
7	476069	नरेन्द्र सिंह	सुरेन्द्र सिंह	39	मोहन जी मंदिर के पीछे, बुद्ध की हाट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
8	476364	खेमचन्द	सोहन लाल	34	कोली मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
9	476368	मनीषा जैन	गोपाल जैन	23	अनाहगेट बजरिया, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
10	476375	महाराज सिंह	हरीसिंह	14	नगला झीलरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
11	476383	समुन्दर सिंह	हरी सिंह	14	नगला झीलरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
12	476716	हीरो, सुमन	कन्नोराम, हीरो	20	रूपराम का कुण्डा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
13	476742	श्रुति कुमार	जवाहर सिंह		अग्रवाल धर्मशाला के पास, मोरीचार बाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
14	476770	रज्जो	रामफल	46	नगला गोपाल, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
15	474360	ओमप्रकाश गुप्ता	रामजीलाल	32	सहयोग नगर, भरतपुर	69 ए
16	476878	लेखराज	हुकमी	13	नगला बरसो, हीरादास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
17	476920	रागस्ती	कुमरपाल	1	भाडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
18	476942	भूदेव प्रसाद शर्मा	सुरेश चन्द	1	भांडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
19	476955	बासमती	रामश्वरप्रकाश	1	भांडोर खुर्द, भतरपुर	स्टेट ग्रान्ट
20	476965	विजेन्द्र	कुमरपाल	1	भाडोर खुर्द भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
21	476985	नत्था सिंह	अमीरी लाल	28	आईस फैक्ट्री के पास, गौहल्ला गोपालगढ़, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
22	477720	गोपाल प्रसाद शर्मा	रामबाबू शर्मा	37	घास की मण्डी, पुरोहित मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
23	477010	ओमप्रकाश	कुमरपाल	1	भांडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
24	477035	देवी सिह	मोहनलाल	50	पक्का बाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
25	477036	मगल सिंह	लक्ष्मन सिंह	50	पक्का बाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
26	477039	अनिल कुमार, इन्द्रा	बाबूलाल,	32	मथुरागेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
27	477470	रातीश चन्द गोयल	बाबूलाल गोयल	25	खेरापति मोहल्ला, पत्थर की टाल अनाहगेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
28	477614	पवन कमार	लक्ष्मीनारायन	36	नमक कटरा, भरतपुर	69 ए
29	477621	रामभरोसी	बलराम	1	भाडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
30	477637	रामेश्वर	मांगी लाल	1	भांडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
31	477643	कमला देवी	नवलकिशोर शर्मा	31	चोबदार गली, बोबुर्जा बाजार, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
32	477666	शिवदेई	सुरेश चंद	1	भाडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
33	477676	भूदेवदेव प्रसाद शर्मा	सुरेश चंद	1	भाडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
34	477682	पवन कुमार	लक्ष्मीनारायन	36	नगक कटरा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
35	477692	कमलेश	लक्ष्मीचंद	28	बडा मौहल्ला, कुम्हेरगेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
36	477709	अशोक कुमार	सामन्ता	28	कुम्हेरगेट, कमला रोड, बड़ा बाजार, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
37	477727	कैलाश चंद	पुरूषोत्तम	1	भांडोर खुर्द, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
38	477736	राजेन्द्र सिंह, गोपाल सिंह	आशु सिंह	32	गुलाल कुण्ड, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
39	477838	राहुल सैन	मुरारी लाल	23	सर्राफा गली, रेखानानगा हवेली के पास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
40	477855	सुरेश चन्द	दीपचन्द	28	कमला रोड, नमक कटरा, धोबी गली, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
41	477873	विष्णु कुमार	शिवचरन	23	सर्राफा गली, लक्ष्मन मंदिर, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
42	482717	रजनी कौर मग्गो	उपकार सिंह मग्गो	25	पुराना बयाना स्टेण्ड, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
43	468473	भगवान सिंह अटोरिया	रोशन लाल	65	नदिया का नगला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
44	467976	अशलमशेख कुरैशी	बाबूद्दीनशेख कुरैशी	22	कसाई गली. गुरुमीत स्कूल के पास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
45	467757	सुरेन्द्र, कुलदीप, कपूर जोगेन्द्र कुमार	भीम सिंह	37	जनाना अस्पताल के पास, मथुरागेट अंदर, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
46	46505	रूपा कंसाना	इन्द्रजीत सिंह	41	बुद्ध की हाट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
47	464663	तारा सिंह	नैनू सिंह	36	चर्च के पास, मौहल्ला गोपालगढ़. भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
48	467930	सीता देवी	दिनेश चंद गोयल	25	खेरापति मौहल्ला, आर्यसमाज रोड, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
49	467848	हरवंश सिंह	करता सिंह	39	मोरीचाबाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
50	467568	अशोक कुमार	कुंदन लाल	29	कमला रोड़, ब्लूचिस्तान धर्मशाला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
51	462658	रमेश चंद, बंटी	स्व. बाबूलाल	37	मथुरागेट अंदर, दारूकूटा मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
52	476702	सुजान सिंह	मूलराम	43	बीनारायणगेट, बजरंग विहार, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
53	477938	अनिल कुमार गेरा	सतीश गेरा	26	कसाई गली, कोडियान मौहल्ला, कुम्हेर गेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
54	466836	जगदीश	नारायन	41	सिरकीपाडा मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
55	485072	श्री सांवलियाराम कसेरे समिति ट्रस्ट जरिये तनुज गर्ग	उमेश चंद	23	गंगा मंदिर के पीछे, भरतपुर	69 ए
56	480366	राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, योगेन्द्र कुमार गुप्ता	जगदीश प्रसाद	25	खेरापति मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
57	481694	शांति देवी शर्मा	स्व0 गोविन्द प्रसाद शर्मा	24	पुरोहित मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
58	456432	पवनपाल सिंह	घनश्याम सिंह	32	ठाकुर पायसा, भरतपुर	69 ए

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

चौमूं पंचायत समिति के 25 वार्डों में शाम 6 बजे तक 68.75 प्रतिशत मतदान

चौमूं पंचायत समिति के 25 वार्डों में कुल 73 प्रत्याशी मैदान में हैं, इनमें कांग्रेस और भाजपा के 25-25 उम्मीदवार हैं, जबकि आरएलपी के 14 प्रत्याशी भी किस्मत आजमा रहे हैं

चौमूं / कालाडेरा(निसं)। नवीन पंचायत समिति चौमूं के 25 वार्डों के चुनाव गुरुवार को रिटर्निंग अधिकारी चौमूं उपखण्ड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ के दिशा निर्देश में मतदान केन्द्रों पर उपस्थित पोलिंग पार्टी के द्वारा चुनाव शान्ति पूर्ण तरीके से सम्पन्न करवायें गए। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। गांव की सरकार चुनने के लिए सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। लोकतंत्र के इस पर्व में महिला मतदाताओं की भागीदारी भी नजर आई। मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर पंचायत व्यवस्था में अपनी भूमिका निभाई। चौमूं पंचायत समिति के 25 वार्डों में 6 बजे तक 68.75 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन अलर्ट मोड पर नजर आया। मतदान प्रक्रिया पर निगरानी रखने और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने पर जोर दिया गया। मतदान केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता रही।

जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

■ गांवों की सरकार चुनने को लेकर महिला मतदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

चौमूं पंचायत समिति के 25 वार्डों में कुल 73 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा के 25-25 उम्मीदवार हैं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के 14 प्रत्याशी भी किस्मत आजमा रहे हैं। कई सीटों पर आरएलपी की मौजूदगी से मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है। चौमूं पंचायत समिति के चुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। चौमूं पंचायत समिति की ग्राम पंचायत टांकरडा के पोलिंग बूथ पर जयपुर जिला कलेक्टर संदेश नायक, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान सहाय मीणा ने पहुंचकर पोलिंग बूथ का निरीक्षण किया इस दौरान चौमूं पंचायत समिति के रिटर्निंग अधिकारी अजीत सिंह राठौड़, तहसीलदार डॉ. विजयपाल बिश्नोई कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनियां मौजूद थे। मतदान के बाद प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया। गौरतलब है कि नवीन पंचायत समिति चौमूं में पहला प्रधान बनाने की होड़ है, जहां कांग्रेस विधायक डॉ. शिखा मील बराला और भाजपा के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की साख दांव पर है। पंचायत समितियों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है, लेकिन रालोपा और निर्दलीय प्रत्याशी भी पीछे नहीं हैं।

'त्योहारों पर शहरी क्षेत्रों में सफाई, रोशनी एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करें अधिकारी'

विकास कार्यों की गुणवत्ता, अतिक्रमण हटाने एवं संपर्क पोर्टल पर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

कोटपूतली(निसं)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने शहरी क्षेत्रों में सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के विकास कार्यों, शहरी सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग, अतिक्रमण, आवारा पशु, सीवरेज, सड़क, पेयजल एवं कचरा प्रबंधन की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों, मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नियमित सफाई करवाते हुए कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए। बंद स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करवाने के साथ पार्कों, चौराहों एवं प्रमुख स्थलों का रखरखाव किया जाए। क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, सीवरेज लाइनों की समस्या तथा जलभराव की समस्या का प्राथमिकता से समाधान करते हुए नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बाजारों एवं व्यस्त मार्गों पर यातायात सुचारु रखने के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने तथा

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने शहरी क्षेत्रों में सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली।

सड़क एवं फुटपाथों से अनधिकृत अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। आवारा पशुओं के प्रभावी प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे आमजन को आवागमन में परेशानी न हो और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

नगरीय निकायों में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने तथा उनकी नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने और लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए त्योहारों के दौरान शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

मतदान दिवस पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

कोटपूतली(निसं)। पंचायतीराज संस्था आम चुनाव-2026 के तहत जिले में मतदान के दौरान मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के आदेश जारी कर आदेशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेशानुसार, द्वितीय चरण में कोटपूतली, नारायणपुर, पावटा एवं बानसूर पंचायत समितियों के अंतर्गत जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के निर्वाचन हेतु 28 अक्टूबर 2026 को तथा पंच एवं सरपंच पदों के निर्वाचन हेतु 30 अक्टूबर 2026 को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 के अंतर्गत अवकाश रहेगा। इसी प्रकार तृतीय चरण में बहरोड़, नीमराना, विराटनगर, मैड-कुण्डला पंचायत समितियों के अंतर्गत जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के निर्वाचन हेतु 3 नवंबर 2026 को तथा पंच एवं सरपंच पदों के निर्वाचन हेतु 5 नवंबर 2026 को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

पंचायती राज चुनाव के तीसरे दिन 82 नामांकन प्राप्त

टोंक(निसं)। जिले में पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के नाम निर्देशन की प्रक्रिया के तीसरे दिन प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की स्थिति के अनुसार जिला परिषद सदस्य के लिए 12 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। सांख्यिकी प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी रामजीलाल शर्मा ने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के लिए पीपलू में 17, पचेवर में 10, मालपुरा में 12, देवली में 13 एवं उनियारा में 18 कुल 82 नाम निर्देशन प्राप्त हुए।

प्रगतिशील महिला समिति का दीपावली मिलन समारोह 31 अक्टूबर को

अलवर(निसं)। प्रगतिशील महिला समिति की ओर से 31 अक्टूबर, शनिवार को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति की अल्का मित्तल एवं शचि आर्य ने बताया कि समारोह प्रातः 11 से दोपहर 12 बजे तक महिला चिकित्सालय, अलवर स्थित 'स्वावलम्बन' निराश्रित महिला अल्पावास गृह में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में समिति के सभी सदस्यों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर पहुंचने की अपील की है।उन्होंने बताया कि समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। गीत, नृत्य सहित अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने के इच्छुक सदस्यों का स्वागत है। उन्होंने सभी सदस्यों से सहयोग कर समारोह को सुरुचिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की।

चुनावी तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता : महेश पराणा

निवाई(निसं)। आम आदमी पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी पंचायतराज के चुनाव को लेकर चर्चा की गई एवं जीताऊ व टिकाऊ उम्मीद्वारों को टिकट वितरित किए गए। पार्टी के जिला प्रभारी महेश पराणा ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी जिला परिषद के चुनाव में टोंक जिले में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। पार्टी का लक्ष्य जिले की समस्त जिला परिषद की सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतरना है। उन्होंने कहा कि शेष सीटों के लिए भी प्रत्याशियों का चयन, टिकट वितरण व चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। पार्टी जल्द ही शेष सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि चुनावी बिगुल बज चुका है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता से पूरी ऊर्जा के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आम आदमी पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच रहेगी एवं संगठन की मजबूती व कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर आगामी चुनाव में प्रभावी प्रदर्शन करेगी। पार्टी के जिला अध्यक्ष नदीम खान ने बताया कि बैठक में आगामी जिला परिषद के चुनाव की तैयारियों सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की गई।

बनवारी लाल बैरवा बने प्रदेश सचिव

निवाई(निसं)। प्रियंका गांधी संगठन ऑल इंडिया के प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद परीड़वाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलजीत सिंह ने शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार कार्यकारणी का विस्तार करते हुए कार्यकारणी में बनवारीलाल बैरवा को प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया है। इस दौरान नवनियुक्त प्रदेश सचिव बनवारीलाल बैरवा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली, राजेंद्रपाल गौतम, ममता भूपेश, बाबूलाल नागर, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा, पुष्पेंद्र भारद्वाज व बाबूलाल सांखला का आभार व्यक्त करते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का आश्वासन दिया।

जिला परिषद सदस्यों के लिए 81 नामांकन पत्र दाखिल

सवाई माधोपुर, (निसं)। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिला परिषद एवं बामनवास, बौंली, खण्डार एवं मलारना डूंगर पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन की नामांकन प्रक्रिया जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर काना राम ने बताया कि अब तक जिला परिषद सदस्यों के लिए 69 अभ्यर्थियों ने 81 नामांकन पत्र दाखिल किए। पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए जिले की 4 पंचायत समितियों में 180 अभ्यर्थियों ने कुल 191 नामांकन पत्र दाखिल हुए। बामनवास पंचायत समिति में 44 अभ्यर्थियों ने 47 नामांकन, बौंली में 57 अभ्यर्थियों ने 62 नामांकन, खण्डार में 51 अभ्यर्थियों 52 नामांकन एवं मलारना डूंगर में 28 अभ्यर्थियों ने 30 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी 23 अक्टूबर को नामांकन का अंतिम दिन रहेगा। इस दिन अपरान्ह 3 बजे तक अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे।

किशनगढ़ बास : जिला प्रमुख की कुर्सी पर टिकीं तीन विधायकों व पूर्व विधायक की प्रतिष्ठा

किशनगढ़ बास(निसं)। राजस्थान के सबसे चर्चित और नए जिले खैरथल-तिजारा में पहली बार जिला प्रमुख की कुर्सी के लिए होने वाला चुनाव विधानसभा चुनाव से कम नहीं माना जा रहा है। 25 वार्डों में होने वाला यह जिला परिषद सदस्य का चुनाव सिर्फ प्रमुख की कुर्सी तय नहीं करेगा, बल्कि 2028 से पहले यह शक्ति प्रदर्शन का सेमीफाइनल होगा। इस चुनाव में तीनों विधानसभा के मौजूदा विधायकों के साथ पूर्व विधायकों की प्रतिष्ठा सीधे-सीधे दांव पर है।

■ 25 वार्डों में बिखरा गणित, 24 नंबर वार्ड से सतीश यादव की एंट्री ने प्रमुख की कुर्सी का बदला समीकरण

तीन विधायक, दो दल और एक जिला : जिले में तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें से केवल तिजारा में भाजपा के कद्दावर नेता महंत बाबा बालकनाथ विधायक हैं, जबकि मुंडावर से ललित यादव और किशनगढ़ बास से दीपचंद खैरिया कांग्रेस के विधायक हैं। यानी जिले में कांग्रेस का पलड़ा 2-1 से भारी है। ऐसे में जिला प्रमुख का चुनाव यह तय करेगा कि जिले की कमान किस पार्टी के हाथ में रहेगी। भाजपा के लिए यह चुनाव अपनी इकलौती सीट तिजारा के प्रभाव को पूरे जिले में विस्तार देने का मौका है, तो कांग्रेस के लिए अपने दो विधायकों वाले दबदबे को बरकरार रखने की चुनौती है। इस पूरे मुकाबले को सबसे ज्यादा रोचक बनाया है वार्ड नंबर 24 से किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव के पुत्र सतीश यादव की एंट्री ने। रामहेत यादव को किशनगढ़ बास क्षेत्र मेंयादव वोटों में मजबूत पकड़ रखने वाला नेतामाना जाता है। उनकी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से नजदीकी जगजाहिर है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सतीश यादव सिर्फ जिला परिषद सदस्य बनने के लिए नहीं, बल्कि सीधे जिला प्रमुख की कुर्सी के लिए चुनाव मैदान में हैं। उनके आने से कांग्रेस के दो विधायकों वाले समीकरण में भी सेंध लगने की संभावना बढ़ गई है।

किशनगढ़ बास जिला परिषद सदस्य पद के लिए प्रत्याशियों ने नामाकन दाखिल किए।

खेत जोतने को लेकर बढ़ा विवाद, बुजुर्ग की मौत

टोंक(निसं)। देवली के नासिरदा थाना क्षेत्र के भगवानपुरा गांव में गुरुवार को खेत में जुताई को लेकर हुए विवाद में बुजुर्ग की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि मारपीट कर उनकी हत्या की गई है। नासिरदा थाना प्रभारी ने बताया कि रामेश्वर के बेटे मनोज कुमार खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे, तभी विवाद हुआ।

परिजनों के अनुसार, पास के खातेदार हंसराज धाकड़ और उनकी पत्नी संजू धाकड़ ने मनोज और रामेश्वर के साथ मारपीट की, इस दौरान रामेश्वर धाकड़ पुत्र कल्याण धाकड उम्र 58 साल जो मारपीट के बाद तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गए। परिजन उन्हें देवली अस्पताल ले गए, जहां डॉ. कपिल गौतम ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी ली है और जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल की जांच के लिए मोबाइल इन्वेस्टिगेशन यूनिट और एफएसएल टीम को बुलाया जाएगा।

धर्मकांटों की जांच तेज, असत्यापित कांटे पर कार्रवाई कर जुर्माना वसूला

सवाई माधोपुर, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले विभाग के कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार जिले में धर्मकांटों की जांच के लिए 23 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। विधिक माप विज्ञान अधिकारी अशोक मित्तल ने बताया कि अभियान के तहत गंगापुर सिटी एवं बौंली क्षेत्र में कुल छह धर्मकांटों का निरीक्षण कर तौल उपकरणों के सत्यापन एवं नियमानुसार संचालन की जांच की गई। बौंली क्षेत्र में एक असत्यापित धर्मकांटे के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

■ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देश पर विशेष अभियान, गंगापुर सिटी और बौंली क्षेत्र में 6 धर्मकांटों का निरीक्षण

उन्होंने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में गोपाल धर्मकांटा, देवड़ी धर्मकांटा एवं त्रिवेणी धर्मकांटा का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान तीनों धर्मकांटों का संचालन विभागीय नियमों के अनुरूप पाया गया। वहीं बौंली क्षेत्र में प्रसिद्धि कन्स्ट्रक्शन धर्मकांटा, दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एवं पटेल कम्प्यूटरीकृत धर्मकांटे की जांच की गई। इस दौरान एक असत्यापित धर्मकांटे पर कार्रवाई कर जुर्माना वसूला गया। उन्होंने जिले के सभी धर्मकांटा संचालकों से उपयोग में लिए जा रहे तौल उपकरणों का निर्धारित समय पर सत्यापन करवाने तथा संबंधित प्रमाण-पत्र नियमानुसार प्रदर्शित करने की अपील की। साथ ही स्पष्ट किया कि जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

ईवीएम का द्वितीय रेंडमाइजेशन सम्पन्न

कोटपूतली(निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में द्वितीय चरण के लिए ईवीएम का द्वितीय स्तरीय रेंडमाइजेशन सम्पन्न हुआ। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया निर्धारित निर्वाचन प्रावधानों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से संपन्न की गई।

द्वितीय स्तरीय रेंडमाइजेशन के माध्यम से द्वितीय चरण के मतदान हेतु जिला परिषद एवं पंचायत समितियों के लिए मतदान केंद्रों हेतु ईवीएम का आवंटन किया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदान कार्य में प्रयुक्त होने वाली ईवीएम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत रैंडम रूप से आवंटित करना तथा निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। रेंडमाइजेशन के दौरान सभी आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया।

पावटा : सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग का कब्जा, जाम से लोग बेहाल

ट्रैफिक व थाना पुलिस की नियमित कार्रवाई के अभाव में बढ़ी समस्या, स्कूली बच्चे भी रोज हो रहे परेशान

पावटा(निसं)। उपखंड मुख्यालय पावटा में यातायात व्यवस्था लगातार बदहाल होती जा रही है। कस्बे की सर्विस रोडों पर अवैध पार्किंग, भारी वाहनों की आवाजाही और यातायात नियमों की अनदेखी के चलते प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है। आम राहगीरों, व्यापारियों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस एवं प्रागपुरा थाना पुलिस की ओर से नियमित और प्रभावी यातायात अभियान तथा अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होने से समस्या लगातार विकराल होती जा रही है। कस्बे में बैंक, कोचिंग संस्थान, निजी अस्पताल और अन्य बड़े प्रतिष्ठानों के बाहर दिनभर वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। अधिकांश स्थानों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्राहक और आगंतुक अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर देते हैं, जिससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और यातायात बाधित रहता है।

■ पालिका प्रशासन अवैध पार्किंग को लेकर बैठा आंखे मूंद

पावटा की अधिकांश सड़कें पहले से ही संकरी हैं। ऐसे में सर्विस लेन पर अवैध पार्किंग ने हालात और खराब कर दिए हैं। चौपहिया वाहन प्रवेश करते ही यातायात रेंगने लगता है और कई बार लंबा जाम लग जाता है। दिनभर बजते हॉर्न और अव्यवस्थित यातायात से स्थानीय लोग भी परेशान हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों को उठानी पड़ रही है। सुबह स्कूल खुलने और दोपहर छुट्टी के समय जाम की स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। स्कूल बसों, वैन और अभिभावकों के वाहनों के जाम में फंसने से कई बार मासूम बच्चों को घंटों तक सड़क पर इंतजार करना पड़ता है। तेज धूप, उमस और प्रदूषण के बीच बच्चों को होने वाली यह परेशानी अभिभावकों के लिए भी चिंता का विषय बनी हुई है। कस्बे की सर्विस लेन पर अवैध पार्किंग और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लोगों को मजबूरन मुख्य सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

सांभर में करोड़ों खर्च होन के बाद भी पर्यटन का वैभव नहीं लौटा

सांभरझील, (निसं)। केंद्र व राज्य सरकार की तरफ से सांभर के प्रमुख ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार, रखरखाव व उनकी वास्तविक खूबसूरती को लौटाने के लिए विगत 10 सालों में 150 करोड रुपए से अधिक खर्च किए जाने के बावजूद परिणाम आशानुकूल नहीं निकल सके। अलग-अलग वर्षों में पर्यटन और पुरातत्व विभाग द्वारा करवाए गए कार्यों का समय-समय पर मॉनिटरिंग का अभाव भी एक प्रमुख वजह बताई जा रही है। यह भी सामने आया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस काम का जिम्मा सीधे सरकार के लेवल से होना बता कर अपनी वास्तविक भूमिका को पूरी तरह से नष्ट ही कर दिया। नतीजा यह हुआ विभाग ने जिस एजेंसी को इन महत्वपूर्ण कार्यों के लिए नियुक्त किया था उसमें भरपूर लीपा पोती नही की गई हो ऐसा कह पाना बेहद ही मुश्किल है। कुछ उदाहरण तो संतोषजनक स्थिति में माने जा सकते हैं, लेकिन ऐसा सभी पर मापदंडों के अनुरूप कार्य हुआ हो यहां के हालत को देखकर कोई भी तकनीकी जानकार सहजता से अंदाजा लगा सकता है। अब आपको यह बता दें कि 2014-15 में केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना शुरू हुई और सांभर लेक टाउन को राजस्थान के पर्यटन सर्किट में शामिल किया गया। सांभर लेक टाउन के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृति का उल्लेख है।

■ प्रमुख धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के लिए अब तक 150 करोड़ से अधिक खर्च

खटवा क्षेत्र में अवैध हथकड़ शराब की भट्टियों पर पुलिस की दबिश

3 हजार लीटर कच्चा वॉश नष्ट, 4 लीटर हथकड़ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

लालसोट(निसं)। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के बीच अवैध हथकड़ शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लालसोट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खटवा गांव की बागड़ी की ढाणी के आसपास सुनसान नालों में संचालित अवैध शराब की भट्टियों को नष्ट कर दिया। पुलिस ने मौके से करीब 3000 लीटर कच्चा वॉश नष्ट किया और 4 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब बनाने वालों में हड़कंप मच गया। सुनसान स्थानों पर जमीन में गाड़े गए ड्रमों में शराब बनाने का कच्चा माल भरकर रखा गया था। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर भट्टियों को नष्ट किया तथा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले ड्रम, पीपे और अन्य उपकरणों को भी नष्ट कर दिया।

जमीन में गाड़ रखे थे कच्चे वॉश से भरे ड्रम: पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर को अवैध हथकड़ शराब के निर्माण और कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से खटवा गांव तथा बागड़ी की ढाणी के आसपास दबिश दी गई। गांव से दूर नालों में सुनसान जगहों पर अवैध शराब बनाने की भट्टियां संचालित होने का पता चला। कार्रवाई के दौरान करीब 250-250 लीटर क्षमता वाले 10 प्लास्टिक ड्रमों और पीपों में भरा लगभग 3000 लीटर कच्चा वॉश नष्ट किया गया।

मौके से रमेशचंद पुत्र सांवलाराम मीणा निवासी बागड़ी की ढाणी, खटवा को 4 लीटर अवैध हथकड़ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है तथा इस कारोबार में संलिप्त अन्य अज्ञात व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज राहुल प्रकाश और दौसा जिला पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विनोद सीपा के सुपरविजन तथा लालसोट वृत्ताधिकारी सत्यनारायण के नेतृत्व में की गई। लालसोट थाना प्रभारी हरलाल मीणा सहित पुलिस टीम ने दबिश देकर अवैध भट्टियों और शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को नष्ट किया।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर भट्टियों को नष्ट किया तथा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले ड्रम, पीपे और अन्य उपकरणों को भी नष्ट किया।

■ अवैध हथकड़ शराब के निर्माण और कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से खटवा गांव तथा बागड़ी की ढाणी के आसपास दबिश दी गई

रामलीला लोगों की आस्था एवं विश्वास का प्रतीक है : रामसहाय वर्मा

रामलीला में भगवान श्रीराम के राजतिलक महोत्सव का आयोजन हुआ।

निवाई(निसं)। प्रताप स्टेडियम में नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में व आर्यवीर कलाकार रंगमंच संस्थान द्वारा आयोजित रामलीला में भगवान श्रीराम के राजतिलक महोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिकाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंवरिया व भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती करके उनका राजतिलक किया गया। मंच पर जैसे ही भगवान श्रीराम का राजतिलक हुआ, पूरा वातावरण श्रद्धा एवं भक्ति के रस में सराबोर हो उठा। श्रीराम के राजतिलक को देखने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान जनसमूह ने प्रभु जय श्रीराम व वीर बजरंगी जय हनुमान के गगनभेदी जयकारे लगाए। जिससे प्रताप स्टेडियम परिसर सहित आसपास का वातावरण गुंजायमान हो गया। मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि रामलीला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। जो हमारी संस्कृती एवं परम्पराओं में शामिल है। रामलीला हमारे पूर्वजों का अनुपम तौहफा है। जो देश की संस्कृती को दर्शाता है। रामलीला मर्यादा के आदर्शों को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होने कहा कि रामलीला में लोगों की भीड़ का उमड़ना भगवान की आस्था एवं विश्वास का प्रतीक है। शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा ने बताया कि दशहरा महोत्सव के अगले चरण में शुक्रवार को भजन सम्राट प्रकाश माली बालोतरा द्वारा वीरों की शौर्य गाथा एवं देशभक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी एवं शनिवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा। कवि सम्मेलन में अनिल चौबे, शशिकांत यादव, अमन अक्षर, श्रीवास्तव, गौरव चौहान, सोनरूपा विशाल, मुकेश मोलवा, अर्जुन अल्हड़, सोनल जैन, महेश डांगरा एवं कन्हैया शर्मा सहित देश के ख्यातनाम कवि काव्य पाठ करेंगे।

चैपल के कार्यकाल में भारतीय टीम की एकता को बड़ा नुकसान पहुंचा था। चैपल ने ऐसी रणनीति अपनाई, जिसमें खिलाड़ियों के बीच मतभेद बढ़े और टीम का आपसी तालमेल कमजोर हो गया।
– हरभजन सिंह

पूर्व भारतीय गेंदबाज, ग्रेग चैपल को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मेगन शट

ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी तेज गेंदबाज मेगन शट को दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने के कारण 2 मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। इस फैसले के कारण मेगन न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नहीं खेल पाएंगी। मेगन शट ने भी इस फैसले को स्वीकार कर लिया है और अपनी गलती के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि वह अपने ऊपर लगाए गए प्रतिबंध को पूरी तरह स्वीकार करती हैं। उन्होंने उन मानकों पर खरा नहीं उतरने के लिए खेद जताया।

क्या आप जानते हैं ?... अभिषेक शर्मा : टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज।

दिशा क्रिकेट अकादमी ने 77 रन से जीता मुकाबला

जयपुर, 22 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में दिशा क्रिकेट अकादमी ने देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब को 77 रन से हराया। दिशा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में पांच विकेट पर 236 रन बनाए। हर्षित सैनी ने 78, वैभव और अनभव सिंह ने 35-35 रन की पारियां खेलीं। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की ओर से मुदित मीणा ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की टीम 40 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। सिद्धार्थ मालव ने 52, लोकेश ने 28 और कल्पित ने 22 रन बनाए। दिशा क्रिकेट अकादमी की ओर से नंदीश और लोकेश ने दो-दो विकेट हासिल किए। शानदार बल्लेबाजी के लिए हर्षित सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जयपुर स्पोर्ट्स की जीत

जयपुर, 22 अक्टूबर। अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में जयपुर स्पोर्ट्स ने लक्ष्य क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 29.2 ओवर में 102 रन बनाए। भव्य असवाल ने 26 और योगित सैनी ने 14 रन का योगदान दिया। जयपुर स्पोर्ट्स की ओर से कृष्ण सिंह, अर्णव और अल्तमश शेख ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में जयपुर स्पोर्ट्स ने 17.3 ओवर में चार विकेट पर 103 रन बनाकर जीत हासिल की। वासुदेव कुमार ने 50 और वरुण ने 21 रन बनाए। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रियांशु माली, तेजस और गर्वित ने एक-एक विकेट लिया।

राजस्थान यूथ अकादमी ने छह विकेट से जीता मुकाबला

जयपुर, 22 अक्टूबर। सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे प्रथम कर्नल बिशन सिंह राठौड़ क्रिकेट टूर्नामेंट में राजस्थान यूथ क्रिकेट अकादमी ने नारायणा क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणा क्रिकेट अकादमी की टीम 34.4 ओवर में 136 रन पर ऑलआउट हो गई। नवीन बुरी ने 59 रन बनाए। राजस्थान यूथ अकादमी की ओर से अयान विंसेंट ने पांच विकेट, जबकि हर्ष पारवानी और सचिन मीणा ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में राजस्थान यूथ क्रिकेट अकादमी ने 17 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अभय शर्मा ने 47 और कुमार वासुदेव ने 43 रन की पारी खेली। नारायणा क्रिकेट अकादमी की ओर से देवांशु सोनी ने दो विकेट लिए। शानदार गेंदबाजी के लिए अयान विंसेंट को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

बंगाल ने राजस्थान को हराया, अंकित का शतक, आयुष 2 रन से चूके

जयपुर, 22 अक्टूबर। अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में बंगाल ने राजस्थान को शिकस्त दी। मैच के अंतिम दिन राजस्थान के अंकित कुमार ने 108 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि आयुष अमेरिया 98 रन बनाकर शतक से दो रन दूर रह गए। दोनों बल्लेबाजों ने आठवें विकेट के लिए 177 रन की शानदार साझेदारी कर राजस्थान की दूसरी पारी को मजबूती दी। राजस्थान की पहली पारी 152 रन पर सिमट गई थी। जवाब में बंगाल ने पहली पारी में 358 रन बनाकर बढ़त हासिल की। इसके बाद राजस्थान ने दूसरी पारी में 362 रन बनाए। अंकित और आयुष की जुझारू पारियों के बावजूद राजस्थान बंगाल के सामने बड़ी चुनौती पेश नहीं कर सका। बंगाल ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 157 रन बनाकर जीत दर्ज की। बंगाल की ओर से गेंदबाजी में सुखमीत सिंह और इमरान ने तीन-तीन विकेट लिए। राजस्थान के हिमांशु नेहरा ने 46 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जबकि राहुल चौधरी और आयुष अमेरिया को एक-एक सफलता मिली।

राजस्थान सीनियर फुटबॉल चैम्पियनशिप में जयपुर, सवाई माधोपुर और सिरोही समेत कई टीमों ने दर्ज की जीत

माउंट आबू (सिरोही), 22 अक्टूबर। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में गुरुवार से माउंट आबू में राजस्थान सीनियर फुटबॉल चैंपियनशिप का आगाज हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 33 जिलों के करीब 600 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पहले दिन दो मैदानों पर कुल 12 मुकाबले खेले गए। मैदान नंबर एक पर सवाई माधोपुर ने बांसवाड़ा को 4-1, उदयपुर ने बाड़मेर को 2-1, जयपुर ने भरतपुर को 4-0, बूंदी ने चूरू को 2-1 और बीकानेर ने टोंक को 3-0 से हराया। मैदान नंबर दो पर कोटा ने अलवर को 1-0, धौलपुर ने बारां को 2-1, सिरोही ने करौली को 4-0 और दौसा ने जैसलमेर को 2-0 से पराजित किया। चित्तौड़गढ़ को झालावाड़ के खिलाफ वॉकओवर मिला। वहीं, अजमेर ने सीकर और भीलवाड़ा ने पाली को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर जीत दर्ज की।

सैमसन, धीर और अय्यर की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड पर दर्ज की ऐतिहासिक जीत

क्राइस्टचर्च, 22 अक्टूबर। संजू सैमसन के शानदार अर्धशतक और श्रेयस अय्यर नमन धीर की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने 226 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में छह विकेट पर 230 रन बनाकर जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

भारत की जीत के नायक सैमसन और धीर रहे। सैमसन ने 33 गेंदों पर 67 रन की आक्रामक पारी खेलकर बड़े लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव रखी। उन्होंने अपनी पारी में चौकों और छक्कों से न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। वहीं, धीर ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर मुकाबले का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने केवल 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल रहे। धीर ने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। इसी के साथ भारत ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़े लक्ष्य को भी हासिल किया। इससे पहले भारत ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में 209 रनों के बड़े लक्ष्य को हासिल किया था।

अभिषेक ने दिखाई आक्रामकता

226 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर लगातार प्रहार किए। अभिषेक ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए, लेकिन पावरप्ले के अंतिम ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने उन्हें आउट कर दिया। भारत ने छह ओवर में एक विकेट पर 94 रन बना लिए थे। इसके बाद सैमसन ने तेजी से रन बनाते हुए केवल 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, नौवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। सैमसन ने 33 गेंदों पर 67 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद भारतीय पारी पर दबाव बढ़ गया।

अय्यर और अक्षर ने संभाली पारी, धीर ने दिलाई जीत

मुश्किल समय में कप्तान श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने मिलकर 24 गेंदों पर 45 रन जोड़े। अक्षर ने 14 गेंदों पर 24 रन बनाए, लेकिन लॉकी फर्ग्यूसन ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद अय्यर और नामन धीर ने आक्रामक अंदाज अपनाया और भारतीय पारी को जीत के करीब पहुंचाया। अय्यर ने 28 गेंदों पर 42 रन बनाए, लेकिन 19वें ओवर में एडम मिल्ने ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बावजूद धीर ने दबाव में संयम और आक्रामकता का बेहतरीन तालमेल दिखाया। अंतिम ओवर में भारत को आठ रन की जरूरत थी और धीर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुई रेणुका, जिंतिमणि को मौका : सैकिया

वडोदरा, 22 अक्टूबर। भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर जिम्बाब्वे के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उनकी जगह तेज गेंदबाजी करने वाली ऑलराउंडर जिंतिमणि कालिता को टीम में शामिल किया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने गुरुवार को बताया कि रेणुका बेंगलुरु स्थित बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 50 ओवर के प्रारूप के लिए जरूरी गेंदबाजी अभ्यास और कार्यभार बढ़ाने पर काम कर रही हैं। वह अभी एकदिवसीय क्रिकेट में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर रही हैं, इसलिए जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। रेणुका पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। हालांकि, वह दुबई में एशिया कप खिताब और जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने वाली टीमों में शामिल होने के बावजूद मैदान पर नहीं उतरी थीं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पिछला वनडे मुकाबला खेला था।

रायपुर में हाल ही में समाप्त हुई टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिंतिमणि अब वडोदरा में वनडे टीम से जुड़ गई हैं। उन्हें 2027 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले गुजरात जायंट्स ने टीम में बरकरार रखा है।

मेफेयर पोलो बनी टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले की विजेता

जयपुर, 22 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत गुरुवार को बीएम बिड़ला कप (04 गोल्स) टूर्नामेंट का दूसरा मैच टीम आरपीसी और टीम मेफेयर पोलो के बीच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। इस मुकाबले में टीम मेफेयर पोलो ने टीम आरपीसी को 7-5.5 के स्कोर से हराकर मैच जीत लिया। विजेता टीम मेफेयर पोलो से प्रताप सिंह कानोता ने 3 गोल हासिल किए। वहीं, देवव्रत सिंह झालामंड ने 2 गोल, सिद्धांत सिंह और शमशीर अली ने 1-1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम आरपीसी से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और हर्षोदय सिंह ने 2-2 गोल किए। जबकि, योगेश्वर सिंह ने 1 गोल हासिल किया। टीम से जयवीरसिंह गोहिल भी खेले। यहां टीम को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला।

जूनियर नेशनल तीरंदाजी में राजस्थान को दो रजत पदक

जयपुर, 22 अक्टूबर। जगतपुरा स्थित शूटिंग रेंज के तीरंदाजी मैदान पर 46वीं एनटीपीसी जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप का गुरुवार को आगाज हुआ। 27 अक्टूबर तक चलने वाली प्रतियोगिता में देशभर के तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन रिकर्व वर्ग के रैंकिंग राउंड और टीम स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। राजस्थान के अथर्व शर्मा और खुशी कुमावत ने रजत पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया।

अथर्व और खुशी ने जीते रजत पदक – पुरुषों के 70-70 मीटर रैंकिंग राउंड में राजस्थान के अथर्व शर्मा ने 673 अंक हासिल कर रजत पदक जीता। मेघालय के देवराज महापात्र ने 682 अंकों के साथ स्वर्ण, जबकि एसएससीबी के उज्ज्वल धामा ने 672 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। महिला रैंकिंग स्पर्धा में राजस्थान की खुशी कुमावत ने 655 अंक और एक्स-10 के आधार पर रजत पदक जीता। आरएसपीबी की प्रांजल ठोलिया ने 656 अंकों के साथ स्वर्ण और माधवी चौहान ने 655 अंक तथा एक्स-8 के आधार पर कांस्य पदक हासिल किया।

टीम स्पर्धाओं में पंजाब और महाराष्ट्र विजेता – पुरुष टीम स्पर्धा में पंजाब ने 6-0 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य पदक मिला।

मुंबई के खिलाफ तीसरे दौर के मैच के लिए राजस्थान टीम में तीन नए खिलाड़ी शामिल

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुंबई में 27 से 30 अक्टूबर तक खेले जाने वाले अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबले के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की अंडर-23 टीम में तीन बदलाव किए गए हैं।

टीम से बाहर

अमोल चेलानी, सौरव गोदारा और जयवर्धन गेहलोत।

टीम में शामिल

प्रशांत माली, मुकुल चौधरी और नावेद खान।

राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में मुकाबले शुरू

सीकर, 22 अक्टूबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में राजस्थान राज्य सब-जूनियर (अंडर-11 एवं अंडर-13) बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन लोसल स्थित शेखावाटी पब्लिक स्कूल में किया जा रहा है। गुरुवार को विभिन्न आयु वर्गों के क्वालिफाइंग राउंड और अंडर-11 बालिका वर्ग के राउंड ऑफ 64 के मुकाबले खेले गए। अंडर-11 बालिका वर्ग में हार्दिका सिंह, गार्गी चौधरी, निवेदिता राठौड़, कैरा चौधरी, तनाया चौधरी और भव्या अग्रवाल ने अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। आध्या शर्मा, भाविका निरवान, इशिका चौधरी और मालविका रच्छोया ने भी जीत दर्ज की। अंडर-11 बालक वर्ग में हिमाक्ष झरवाल, यवैन प्रताप, निशांत खटुरिया, हेत्विक जांगिड़ और प्रियांशु आंबेडकर ने अपने-अपने मुकाबले जीते। वहीं, अंडर-13 बालिका वर्ग में माही सैनी, दक्षवी सोनी और यशिता स्वामी ने जीत हासिल की। अंडर-13 बालक वर्ग में वेदांश ओड्डु और जय सैनी ने भी अपने मुकाबले जीते।

सब जूनियर-जूनियर नेशनल स्क्वैश आज से

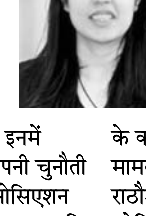

जयपुर, 22 अक्टूबर। सब जूनियर और जूनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप का आगाज शुक्रवार से होगा। राजस्थान स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की मेजबानी में होने वाली प्रतियोगिता के पहले दिन तीन स्थानों पर क्वालिफाइंग राउंड के 300 से ज्यादा मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें राजस्थान के करीब 100 खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। राजस्थान स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता ने गुरुवार को बताया कि मुकाबले सवाई मानसिंह स्टेडियम की स्क्वैश एकेडमी, जयपुर क्लब और मानसरोवर स्थित मॉडर्न स्कूल के कोर्ट्स पर होंगे। प्रतियोगिता में अंडर-11 से अंडर-19 तक पांच आयु वर्गों में मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की आयोजन सचिव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बताया कि चैंपियनशिप में देश के 22 राज्यों के करीब 900 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अधिकांश खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं। कई खिलाड़ियों ने गुरुवार को एसएमएस स्टेडियम और जयपुर क्लब के कोर्ट्स पर अभ्यास भी किया। खेल एवं युवा मामलों के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ शुक्रवार सुबह 10.15 बजे एसएमएस स्टेडियम के स्क्वैश कोर्ट्स पर प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। सुरभि मिश्रा ने बताया कि क्वालिफाइंग राउंड 25 अक्टूबर तक चलेंगे। इसके बाद प्रत्येक आयु वर्ग से आठ खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में जगह बनाएंगे। मुख्य ड्रॉ के मुकाबले 26 से 29 अक्टूबर तक खेले जाएंगे।

// एशियाई पैरा खेल //

भारत ने चौथे दिन जीते 7 स्वर्ण सहित 26 पदक

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। खेलों के चौथे दिन भारत ने 7 स्वर्ण सहित कुल 26 पदक अपने नाम किए। पैरा एथलेटिक्स, तीरंदाजी, तैराकी, बैडमिंटन और पैरा टेबल टेनिस में भारतीय खिलाड़ियों ने पदक जीतकर देश की पदक तालिका में इजाफा किया। शैलेश कुमार, शीतल देवी, तोमन कुमार, सुवर्णा राज, दिलीप गावित, अंजनाबेन बुम्बाडिया और सोलैराज धर्मराज ने स्वर्ण पदक जीते। भारत पदक तालिका में 88 पदक (21 स्वर्ण, 26 रजत और 41 कांस्य) के साथ पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया।

शैलेश ने ऊंची कूद में जीता स्वर्ण

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की ऊंची कूद टी-63 स्पर्धा में भारत ने तीनों पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। शैलेश कुमार ने 1.89 मीटर की एशियाई खेल रिकॉर्ड छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। वरुण भाटी ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ रजत और राहुल ने 1.81 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

तीरंदाजी में शीतल ने जीता स्वर्ण

तीरंदाजी में शीतल देवी ने महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में सिंगापुर की नूर अलीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। शीतल ने तोमन कुमार के साथ मिलकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण भी अपने नाम किया। इस तरह उन्होंने खेलों में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, स्वाति चौधरी को महिलाओं की डब्ल्यू-1 स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में चीन की सेन मेंगकान से हार के बाद रजत पदक मिला।

चक्का फेंक में सुवर्णा का स्वर्ण

पैरा एथलेटिक्स की महिलाओं की चक्का फेंक एफ54 स्पर्धा में सुवर्णा राज ने स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में दिलीप गावित ने 48.27 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने इससे पहले 100 मीटर टी47 स्पर्धा में भी स्वर्ण जीता था। इसी स्पर्धा में भाविक भारवाड़ ने शुरुआत में रजत पदक हासिल किया था, लेकिन लेन उल्लंघन को लेकर विरोध दर्ज कराए जाने के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। दूसरे लेन उल्लंघन के कारण उनका परिणाम निरस्त किया गया।

400 मीटर स्पर्धा में अंजनाबेन ने जीता स्वर्ण

महिलाओं की 400 मीटर टी47 स्पर्धा में अंजनाबेन बुम्बाडिया ने 59.97 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जयंती बेहेरा ने एक मिनट 0.65 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक हासिल किया। महिलाओं की 400 मीटर टी12 स्पर्धा में तेजलबेन डामोर ने 57.60 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। पुरुषों की लंबी कूद टी44/टी62/टी64 स्पर्धा में सोलैराज धर्मराज ने 7.15 मीटर की एशियाई खेल रिकॉर्ड छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपने खिताब का बचाव किया।

सोलैराज धर्मराज ने लंबी कूद में जीता स्वर्ण

7.15 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड छलांग के साथ हांगझोऊ के स्वर्ण पदक का किया बचाव। भारतीय पैरा एथलीट सोलैराज धर्मराज ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुषों की लंबी कूद की टी44/टी62/टी64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दिन का शानदार अंत दिलाया। उन्होंने 7.15 मीटर की एशियाई रिकॉर्ड छलांग लगाकर 807 अंक हासिल किए और शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया।

दिलीप ने 400 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण, भाविक कुमार को रजत

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की 400 मीटर टी-47 स्पर्धा में दिलीप महादू गावित ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत के ही भाविक कुमार भरवाड़ ने रजत पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं, पैरा तैराकी में स्वातिक पाटिल ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी-9 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में एक और इजाफा किया।

पैरा तैराकी में कुपल को रजत

पैरा तैराकी में कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस10 स्पर्धा में 4 मिनट 38.44 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। रवि कार्तिक बुडिगिना ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में 25.89 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। स्वस्तिक पाटिल ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी9 स्पर्धा में एक मिनट 13.77 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। तेजस नंदकुमार ने पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक एस7 स्पर्धा में एक मिनट 18.58 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। महिलाओं की 400 मीटर टी11 स्पर्धा में रक्षी वलासनैनी ने भी कांस्य पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने जीते अन्य पदक

पैरा बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों ने कई पदक पक्के किए। मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 सेमीफाइनल में मानिषा रामदास और प्रमोद भगत को इंडोनेशिया की लेआनी ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-16, 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को कांस्य पदक मिला। मिश्रित युगल एसएच6 सेमीफाइनल में नित्या सुमति सिवन और कृष्णा नागर को इंडोनेशिया की रीना मार्लिना और सुब्हान ने 21-14, 21-18 से हराया। भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। पुरुष युगल एसएल3-एसयू5 सेमीफाइनल में सूर्यकांत यादव और नवीन शिवकुमार को इंडोनेशिया के सूर्यो नुगोहो और मुहम्मद अल इमरान ने 21-8, 19-21, 21-16 से हराया। इस हार के बावजूद भारतीय जोड़ी को कांस्य पदक मिला। पुरुष एकल एसएल4 सेमीफाइनल में सुहास यथिराज को इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान ने 23-21, 8-21, 21-15 से हराया, जिसके बाद सुहास को कांस्य पदक मिला। महिला एकल एसएल3 सेमीफाइनल में संजना कुमारी को जापान की शिनो कवाई ने 21-7, 21-9 से हराया और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

ब्रूक ने पाक में ठोका दोहरा शतक

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच के दौरान वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया। उन्होंने शुभमन गिल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में दोहरा शतक जड़ा था।

कार्यालय नगर परिषद गंगापुर सिटी जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)

क्रमांकः– 5997–6003 दिनांकः– 15.10.2026

ई–निविदा सूचना 02/2026–27

नगर परिषद गंगापुर सिटी की ओर से राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा सूचना निम्नलिखित बेवसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.gov.in पर से अपलोड एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB No.- DLB2627A8920 आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/12308 नगर परिषद गंगापुर सिटी

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

अल्पकालीन निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में स्टेशनरी सामग्री आपूर्ति हेतु दर संविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627GLRC00027** हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/12270 वित्त नियंत्रक

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

प्रशासनिक खण्ड नागौर रोड, कड़वड़, जोधपुर (पिन नं. 342037)

Web side : www.raujodhpur.org , E-mail- dsrrau.ao@gmail.com

क्रमांक :- रा.आ.वि./जोध/लेखा/निविदा/2026-27/381 दिनांक :- 16/10/2026

Notice Inviting Bid

Tenders are invited from interested bidders for Dr. S.R. Rajasthan Ayurved University, Karwad, Jodhpur. Whose details are as followings:-

1. **UBN No. AUJ2627SLRC00033** TENDER FOR E-PROCUREMENT for Man Power (Two Year) at DSRRAU, Jodhpur

All particulars of the bid may be visited on the portal **https://sppp.rajasthan.gov.in/ and https://eproc.rajasthan.gov.in/.**

राज.संवाद/सी/26/12273 कुलसचिव

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

(A Govt. of Rajasthan Undertaking)

Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India

Phone No: 0141-2228066, 2228064 Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in

CIN:U24232RJ2011SGC035067, E-mail: edprmsc@rajasthan.gov.in

Ref. No. :- F.02 (454)/RMSCL/PROCUREMENT/DRUG/NIB-16/2026-27/5319 Dated :- 16/10/2026

Corrigendum-I in NIB-16/2026-27

In Reference to NIB No. F.02 (454)/RMSCL/PROCUREMENT/DRUG/ NIB-16/2026-27/5191 Dated: - 28.09.2026 UBN No. MSC2627GLOB00055 Corrigendum-I is issued for date extension in bid. All details may be seen on **https://eproc.rajasthan.gov.in https://sppp.rajasthan.gov.in & https://www.rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

Director (Proc.)
Raj.Samwad/C/26/12293 RMSCL, Jaipur

कार्यालय नगर निगम जयपुर

मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।

क्रमांक :– जसअ/2026/271 दिनांक: 21.10.2026

ई– निविदा सूचना संख्या 101–117/2026–27

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ''एए'' व ''ए'' श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org. पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No.JMC2627WSOB00677, UBN No. JMC2627WSOB00695 to UBN No. JMC2627WSOB00710

अधिशाषी अभियन्ता
मुरलीपुरा जोन
राज.संवाद/सी/26/12336 नगर निगम जयपुर।

MUNICIPAL BOARD CHHABRA DIST-BARAN (RAJ.)

S.No::-N.P.C./ Nirman /2026/6397 Date:- 16.10.2026

E-Tender Notice
NIT NO-26/2026-27
NIB NO-DLB2627A8844

On behalf of the Municipal Board, Chhabra, 47.48 lacs online bids are invited through the e-Procurement system, in the prescribed form, from contractors registered in the appropriate class with the Department of Local Self Government, Rajasthan. Bids are also invited from contractors registered with the State Government/Central Government, authorized organizations, the Central Public Works Department (CPWD), the Department of Posts & Telecommunications, the Railways, etc., provided they are equivalent to the Rajasthan Government's "AA" Class contractors.

S.No	UBN NO
1.	DLB2627WSOB22611

Executive Officer
Raj.Samwad/C/26/12281 Nagar Palika Chhabra

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :– 2226906, फोन :– 0151–2226902, 0151–2226905

E-mail :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/यंत्रालय/2026–27/13939 दिनांक :– 15.10.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या 09/2026–27

नगर निगम बीकानेर में Supply, delivery of two wheel types wheel Barrows for Municipal Corporation Bikaner कार्य की निविदा 06 माह हेतु अनुमानित राशि 32.00 लाख रूपये सक्षम/पात्र संभरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री संभरण करने के लिए अनुभवी हो, से निविदा पर निर्धारित प्रपत्र में ई–बोली प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा कार्य से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण एवं तिथि राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।

1. UBN Code :- DLB2627GLOB22672 आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/12324 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बृजनगर (डीग) राज0

क्रमांक/न.पा.बृज.न /स्टोर/निविदा/2026–27/1623 दिनांक :– 16.10.2026

ई–निविदा संख्या – 23/2026–27

कार्य का नाम एवं विवरण	नगर पालिका बृजनगर में स्टोर सम्बन्धित कार्य
निविदा की कुल लागत	15.24 लाख रूपये
धरोहर राशि	कार्य के सामने अंकित राशि की (डी.डी.)
निविदा शुल्क	कार्य के सामने अंकित राशि की (डी.डी.)
प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य के सामने अंकित राशि की (डी.डी.)
ऑन लाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड करने की दिनांक एवं समय	दिनांक 27.10.2026 को सांयः 6:00 बजे से 28.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 28.10.2026 को दोपहर 4.00 बजे

NIB Code:- DLB2627A8931
UBN No.:- DLB2627GLOB22761

उक्त निविदा कार्य की धरोहर राशि, निविदा शुल्क का पूर्ण विवरण, शर्तें, शरायतें Website www.sppp.raj.nic.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं download कर प्राप्त की जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/12247 नगर पालिका, बृजनगर

'पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पूरे कार्यकाल को 34 माह में ही कई गुना पीछे छोड़ा'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार ने कृषि, सिंचाई, जल संरक्षण व पशुपालन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने कृषि, सिंचाई, जल संरक्षण, पशुपालन, आधारभूत ढांचे और राजस्व ग्रामों के विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति दी है। योजनाओं और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पहले 34 माह के साथ-साथ पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को कई गुना तक पीछे छोड़ बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ राज्य सरकार ने ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया। इन प्रणालियों की स्थापना से अब तक 3 लाख 10 हजार हेक्टेयर भूमि को लाभांवित किया गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पहले 34 माह में 29 हजार 609 हेक्टेयर तथा 5 साल में 1 लाख 83 हजार हेक्टेयर क्षेत्र ही लाभांवित हुआ था।

भाजपा सरकार ने 34 माह में 1 लाख 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा का विस्तार किया है, जबकि कांग्रेस सरकार के पहले 34 माह में यह आंकड़ा 35 हजार 909 हेक्टेयर तथा पांच वर्ष में 52 हजार 182 हेक्टेयर था। इस प्रकार वर्तमान सरकार ने कांग्रेस के पांच वर्ष के कार्यकाल की तुलना में लगभग पौने तीन गुना अधिक क्षेत्र में नहरी सिंचाई सुविधा सृजित की है।

जल संरक्षण और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए भाजपा सरकार ने ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया है। इन प्रणालियों की स्थापना के माध्यम से अब तक 3 लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को लाभान्वित किया गया है। वहीं, कांग्रेस सरकार के 34 महीनों में 29 हजार 609 हेक्टेयर और पांच वर्ष में 1 लाख 83 हजार हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित हुआ था।

राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार ने पशु चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। इसी क्रम में भाजपा सरकार में 55 बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन हुआ है, जबकि कांग्रेस सरकार के 34 माह में इस श्रेणी में एक भी क्रमोन्नयन नहीं हुआ। इसी प्रकार, वर्तमान सरकार 117 पशु चिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत कर चुकी है, जबकि कांग्रेस सरकार ने पहले 34 माह में केवल तीन ही पशु चिकित्सालयों को क्रमोन्नत किया था।

राजेन्द्र राठौड़ के पुत्र व पुत्रवधु ने नामांकन भरा

चूरू, 22 अक्टूबर। जिले में पंचायती राज चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में गुरूवार को भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की पुत्रवधू कनिका सिंह व पुत्र पराक्रम सिंह राठौड़ ने जिला परिषद सदस्य के लिए नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पूर्व, भाजपा प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का संदेश देते हुए राठौड़ के निवास पर एक सभा का आयोजन किया।

■ जिला परिषद सदस्य का नामांकन भरने से पहले राठौड़ के निवास पर सभा आयोजित हुई।

इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष, राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पंचायती राज चुनाव ग्रामीण विकास और समस्याओं के समाधान के लिए अहम हैं। उन्होंने प्रत्याशियों से जनसंपर्क बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। इस दौरान विधायक हरलाल सहारण ने ग्रामीण विकास, सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कार्यकर्ताओं से पार्टी प्रत्याशियों के साथ मिलकर चुनावी गतिविधियों को गति देने की अपील की।

तमिलनाडु के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने वाहन खरीद की निर्धारित सीमा में हर साल पांच प्रतिशत वृद्धि का भी प्रविधान किया है। नियमों के मुताबिक, पद छोड़ने, कार्यकाल पूरा होने या अयोग्य घोषित किए जाने पर मंत्रियों को सरकारी वाहन लौटाना होगा।

हर दिन 28 लाख बैरल क्रूड ऑयल भारत आ रहा है

पश्चिम एशिया से तेल आयात युद्ध से पहले के स्तर पर पहुंच गया है

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। सितंबर में पश्चिम एशिया से भारत का कच्चा तेल आयात खाड़ी युद्ध के पूर्व स्तर पर पहुंच गया। वहीं, चीन के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से तेल खरीद कम कर दी है।

पश्चिम एशिया के उत्पादकों और व्यापारियों ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य के रास्ते तेल की आपूर्ति बढ़ा दी है, जिससे ईरान युद्ध के कारण पैदा हुई आपूर्ति की कमी दूर हुई है।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक भारत ने खाड़ी युद्ध के शुरू होने के बाद, पश्चिम एशिया से आपूर्ति घटने की भरपाई के लिए रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया था।

शिपिंग ट्रैकिंग डाटा के अनुसार, सितंबर में पश्चिम एशिया से भारत का कच्चे तेल का आयात बढ़ कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया, जो फरवरी के बाद का सबसे उच्च स्तर है। यह अगस्त के मुकाबले 32 प्रतिशत अधिक है।

कुल आयात में खाड़ी देशों के तेल की हिस्सेदारी लगभग 54 प्रतिशत रही। इसके विपरीत, सितंबर में रूस से तेल का आयात पिछले महीने की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। भारत की कुल तेल खरीद में रूस की हिस्सेदारी 46.6 प्रतिशत से घटकर 33.5 प्रतिशत पर आ गई है। एक भारतीय रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि आने वाले महीनों में भारतीय रिफाइनरियों द्वारा रूस से

■ सूत्रों ने बताया कि रुस से तेल आयात 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया है।

तेल की खरीद कम रहने की संभावना है, क्योंकि अब रूसी तेल की लागत पश्चिम एशिया, खासकर इराक, से आने वाले तेल के बराबर हो गई है।

इतना ही नहीं पश्चिम एशिया से आपूर्ति बढ़ने के बाद रूस से आने वाला कच्चा तेल भी अब उतना किफायती नहीं रह गया है, जितना पहले था। ऐसे में रिफाइनरियां पश्चिम एशिया से मिलने वाले सस्ते कच्चे तेल की खरीद को प्राथमिकता देंगी, क्योंकि इस क्षेत्र से तेल आने में समय कम लगता है।

पंजाब में दोनों अकाली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने, जिनमें पंजाब मामलों के प्रभारी सतीश पूनिया भी शामिल हैं, "पुनर सुरजीत" गुट के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की है। इससे पहले की रिपोर्टों में भाजपा और एसएडी के बीच सीटों के बंटवारे पर शुरुआती बातचीत की बात कही गई थी। अगस्त में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई सुखबीर बादल की मुलाकात को भी दोनों पक्षों के बीच जमी बर्फ पिघलने (बातचीत की शुरुआत) के रूप में देखा गया था। सीटों का बंटवारा ही सबसे बड़ा अटका हुआ मुद्दा है। कहा जा रहा है कि भाजपा अपनी पारंपरिक 23 सीटों से कहीं ज्यादा सीटें मांग रही है। इसके पीछे वे 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने बेहतर प्रदर्शन का हवाला दे रहे हैं (भाजपा का वोट शेयर लगभग 18-19 प्रतिशत रहा था, जबकि एसएडी का 13-14 प्रतिशत था)।

सूत्रों का कहना है कि इसकी औपचारिक घोषणा "कभी भी" हो सकती है, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक समय-सीमा तय नहीं हुई है और दोनों ही दल अभी सार्वजनिक रूप से काफी सतर्कता बरत रहे हैं। अगर इस व्यवस्था को औपचारिक रूप दे दिया जाता है, तो सत्ताधारी "आप" और कांग्रेस के साथ होने वाले संभावित त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा की स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

भाजपा के शहरी और हिंदू आधार को अकाली दल के ग्रामीण और "पंथी" समर्थन के साथ मिलाने से, "आप" के खिलाफ सत्ता-विरोधी वोटों को एकजुट किया जा सकेगा। इससे वोटों का वह तीन-तरफा बंटवारा भी रुक जाएगा, जिसका फायदा पहले सत्ताधारी पार्टी को मिलता रहा है।

भारतीय नागरिकों की नाव पर हूती विद्रोहियों का हमला

यमन के सशस्त्र बल ने सभी 14 भारतीयों को बचाया

सना (यमन), 22 अक्टूबर। यमन के हूती विद्रोहियों का दावा है कि लाल सागर में 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नाव को सऊदी अरब ने निशाना बनाया, जिसके बाद यमन के सशस्त्र बलों ने अभियान चला कर इन भारतीय नागरिकों को बचाया है। हालांकि, हूती के इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है और न ही संगठन ने इसके बारे में विस्तार से बताया कि अगर भारतीय नागरिकों की नाव को निशाना बनाया गया और उन्हें बचाया गया तो इन्हें कहां ले जाया गया और उनकी हालत कैसी है।

चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क (सीजीटीएन) के मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि लाल

■ चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क के अनुसार हूती विद्रोहियों ने हमले का दावा किया पर इस दावे की पुष्टि नहीं हुई तथा उस संगठन ने विस्तृत सूचना भी नहीं दी।

सागर में जूकर द्वीप के पास भारतीय नागरिकों वाली नाव को सऊदी अरब ने निशाना बनाया। नाव पर सवार सभी 14 भारतीयों को यमन के सशस्त्र बलों ने अभियान चलाकर बचा लिया है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सऊदी अरब ने लाल सागर में बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के पास जुकार द्वीप के निकट एक भारतीय नाव को निशाना बनाया, जिस पर 14 भारतीय नागरिक सवार थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि उन्हें बचाया जा रहा है और संगठन की तरफ से आगे की जानकारी दी जाएगी।

प्रवक्ता ने कहा कि सऊदी दुश्मन की इस गैर जिम्मेदाराना हरकत से लाल सागर में अंतरराष्ट्रीय नौवहन (शिपिंग) के लिए खतरा पैदा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सऊदी दुश्मन को ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतें करने से रोकना चाहिए।

क्राइम ब्रांच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहीं घुसने और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत आपराधिक साजिश रचने जैसे आरोप शामिल हैं। संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज दूसरी एफआईआर में सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डालने, उन पर हमला करने और घटना के दौरान पुलिसकर्मियों को चोट पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। बुधवार को दास और रांका तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने दिल्ली पुलिस की उस अर्जी को खारिज कर दिया, जिसमें उनकी न्यायिक हिरासत को तीन दिन और बढ़ाने की मांग की गई थी। ये दोनों नेता 14 अक्टूबर से हिरासत में थे। उन पर यह कार्रवाई शांति भंग होने की आशंका और पहले भरे गए शांति बॉन्ड (पीस बॉन्ड) के उल्लंघन के चलते शुरू की गई थी। जब उन्होंने 50,000-50,000 रुपये के निजी बॉन्ड और ज़मानत पेश की, तब मजिस्ट्रेट ने उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही, उन्होंने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का लिखित आश्वासन भी दिया।

पाकिस्तान, तुर्की, कतर व इंडोनेशिया के बीच "बद्र" रक्षा समझौता सम्पन्न

दोहा में हुए इस समझौते से चारों देशों में सैन्य उत्पाद, रक्षा तकनीक, प्रशिक्षण अनुसंधान की संभावना बढ़ जाएगी

दोहा, 22 अक्टूबर। पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया ने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को 'बद्र मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (समझौता) पर हस्ताक्षर किए। कतर की राजधानी दोहा में हुए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य सैन्य उत्पादन, रक्षा तकनीक, प्रशिक्षण और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के क्षेत्र में चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है।

पाकिस्तान की उर्दू टेलीविज़न चैनल दुनिया न्यूज तथा अंतरराष्ट्रीय

■ यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में भारी तनाव व्याप्त है।

मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, तुर्किये के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता चारों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी को गहरा करने और उनकी औद्योगिक क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से प्रत्येक देश की रक्षा उत्पादन संबंधी विशेषज्ञता का लाभ उठाने, संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने और मित्र देशों की रक्षा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल सकती है।

समझौते पर हस्ताक्षर के कार्यक्रम में चारों देशों के वरिष्ठ रक्षा प्रतिनिधि शामिल हुए।

'बद्र' समझौते के तहत, चारों देश रक्षा क्षेत्र में अपनी क्षमताओं और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए सहयोग का ढांचा विकसित करेंगे।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि उनका देश भरोसेमंद साझेदारों के साथ रक्षा सहयोग मजबूत करने को महत्व देता है। उन्होंने इस समझौते को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति चारों देशों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा चुनौतियों और क्षेत्रीय तनाव को लेकर कई देश अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। चारों देशों के बीच सहयोग से रक्षा तकनीक, सैन्य प्रशिक्षण और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुल सकती हैं।

मध्य प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर 12 नवम्बर को चुनाव

भोपाल, 22 अक्टूबर। राज्यसभा से डॉ. एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद, मध्य प्रदेश से रिक्त हुई एक सीट पर उपचुनाव का ऐलान हो गया है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने गुरुवार चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा और इसी दिन शाम 5 बजे मतगणना की जाएगी।

डॉ. एल. मुरुगन सरकार में मंत्री भी थे। वे 3 अप्रैल 2024 को मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य बने थे, उनका राज्यसभा का कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक था, लेकिन उन्होंने 14 अक्टूबर को केन्द्रीय मंत्रिमंडल के साथ ही राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक सीट रिक्त हो गई। इस रिक्त सीट को भरने के लिए आज निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव की

■ केन्द्रीय मंत्री मुरुगन के इस्तीफे के कारण यह सीट खाली हुई थी

अधिसूचना 26 अक्टूबर को जारी होगी। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 5 नवंबर तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। इस सीट पर 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद, उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मध्य प्रदेश से राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं। इनमें आठ पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस के सांसद थे। एल मुरुगन के इस्तीफा के बाद भाजपा के कोटे की एक सीट रिक्त हुई है। मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सदस्य हैं। यदि सभी विधायक मतदान करें और कोई मत अवैध न हो, तो एक राज्यसभा सीट के चुनाव में जीत के लिए आवश्यक मतों का कोटा 116 होगा। वर्तमान में मध्य प्रदेश में भाजपा के 164 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 65 और भारत आदिवासी पार्टी का एक विधायक है। ऐसे में उपचुनाव में भाजपा की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

नेहा बोरा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शंकरनारायणन ने कहा कि नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए एएसजी चेतन शर्मा ने बोरा की याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कानून हमें धारा 126 और 130 को एक साथ लागू करने की अनुमति देता है। याचिका में नेहा बोरा ने दस हजार रुपये के निजी मुचलका भरने और शांति बनाए रखने का निर्देश देने वाले आदेश को चुनौती दी है।

प्र.मंत्री मोदी ने अमित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीन वर्षों के आंकड़े भी पेश किए। उन्होंने बताया कि इस दौरान 4,839 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, 2,218 को गिरफ्तार किया गया और 706 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए।

उन्होंने कहा कि माओवादी हिंसा के कारण बस्तर विकास से वंचित रहा है। अब इस क्षेत्र के लोगों को आवास, गैस कनेक्शन, पीने का पानी और बीमा जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद देश को आधिकारिक रूप से वामपंथी उग्रवाद से मुक्त घोषित किया जाएगा।

एक बड़ी कार्रवाई मई 2025 में हुई थी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों ने 27 माओवादियों को मार गिराया था। इनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल थे। तीन दशकों में यह पहली बार हुआ था, जब इस स्तर के किसी नेता को मार गिराया गया हो।

उत्तराखंड में एक सदी से लॉक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंततः, यदि जमा हुआ तनाव उस प्रतिरोध को पार कर जाए जो फॉल्ट (चटटानों की दरार) को अपनी जगह पर रोके हुए है, तो चट्टानें अचानक खिसक सकती हैं, और ऊर्जा भूकंप के रूप में बाहर निकल सकती है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि उत्तराखंड के नीचे स्थित मुख्य फॉल्ट, जिसे "मेन हिमालयन थ्रस्ट" कहा जाता है, पूरी तरह से लॉक्ड है, जकड़ा हुआ है। उनकी गणना के अनुसार, इस फॉल्ट पर हर साल लगभग 18 मिलीमीटर का "मूवमैंट डैफिसिट" (गति में कमी) जमा हो रहा है। आसान शब्दों में कहें तो भारतीय प्लेट लगातार आगे बढ़ रही है, लेकिन इस गति का एक बड़ा हिस्सा दरार के किनारे धीरे-धीरे खिसकने के बजाय, रुका हुआ है।

यह "लॉक्ड" हिस्सा अनुमानित रूप से करीब 115 किलोमीटर चौड़ा है, जो एक ऐसा बड़ा क्षेत्र बनाता है, जहाँ तनाव जमा हो सकता है।

अध्ययन में जमीन की ऊंचाई में होने वाले बदलावों का भी पता चला। सैटेलाइट उपग्रह से प्राप्त रडार आंकड़ों के अनुसार, कुछ इलाकों में जमीन हर साल 4 से 6 मिलीमीटर तक ऊपर उठ रही है। जमीन में होने वाले ये बदलाव बेहद छोटे हैं और आमतौर पर लोगों को महसूस नहीं होते। लेकिन जब अत्याधुनिक उपकरणों से बार-बार मापा जाता है, तो इससे, धरती में बहुत नीचे क्या हो रहा है, इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

जमीन की पार्श्व (बगल की) गति और ऊँचाई में होने वाले बदलावों के आंकड़ों को मिलाकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसा मॉडल तैयार किया, जो देखे गए पैटर्न से काफी हद तक मेल खाता है। उनके निष्कर्ष इस बात को और पुख्ता करते हैं कि यह "फॉल्ट" पूरी तरह से "लॉक्ड" है और इस क्षेत्र के नीचे लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है।

उत्तराखंड मध्य हिमालय के उस हिस्से में स्थित है, जिसे वैज्ञानिक लंबे समय से बड़े भूकंपों का संभावित स्रोत मानते रहे हैं। इस क्षेत्र के बड़े हिस्सों में 200 साल से अधिक समय से कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है, हालांकि दरार का वास्तविक विस्तार कितना है और इससे कितना खतरा पैदा हो सकता है, इस पर अभी भी वैज्ञानिक अध्ययन जारी हैं।

लंबे समय तक कोई बड़ा भूकंप न आने का मतलब यह नहीं है कि अगला भूकंप कब आएगा, यह तय हो गया है। और न ही इसका मतलब यह है कि पहाड़ों के नीचे हर जगह एक समान गति से दबाव बढ़ रहा है।

फिर भी, ये निष्कर्ष बताते हैं कि उत्तराखंड और उससे सटे मैदानी इलाकों में भूकंप से बचाव की तैयारियों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इन इलाकों में बड़ी आबादी, तेजी से फैलते शहर और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे मौजूद हैं, जिन्हें किसी बड़े भूकंप के दौरान भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

इमारतों, सड़कों, पुलों, बांधों और अन्य महत्वपूर्ण ढांचों का निर्माण और रखरखाव इस क्षेत्र में भूकंप के खतरे को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। आपातकालीन योजनाएं बनाना और लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है।

इस शोध का मुख्य संदेश स्पष्ट है: उत्तराखंड की धरती के नीचे दबाव लगातार जमा हो रहा है, जो भविष्य में एक शक्तिशाली भूकंप का कारण बन सकता है। लेकिन विज्ञान अभी यह नहीं बता सकता कि ऐसा भूकंप कब आएगा। इस धीमी और काफी हद तक अदृश्य प्रक्रिया को समझना जरूरी है, ताकि क्षेत्र के सबसे गंभीर दीर्घकालिक प्राकृतिक खतरों में से एक से निपटने की तैयारी की जा सके।

अमेरिका ने सऊदी अरब से राजनयिक वापस बुलाए

रियाद, 22 अक्टूबर। हूती लड़ाकों के हमलों के बीच, अमेरिका ने अपने ज्यादातर राजनयिकों और उनके परिवारीजनों को अविलंब सऊदी अरब छोड़ने के लिए कहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब के अतिरिक्त अरब जगत के अन्य देशों में स्थित अपने दूतावासों में भी राजनयिकों की संख्या को कम करने का निर्णय लिया है। ऐसा दूतावासों पर हमले की आशंका और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाए जाने के खतरे के चलते किया गया है। अमेरिका ने यह निर्णय सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल ठिकानों पर लगातार हो रहे हूती के हमलों को देखते हुए लिया है। अमेरिका ने फरवरी में ईरान पर हमले के बाद क्षेत्र के कई देशों में अपने राजनयिकों की संख्या लगातार कम की है।

आने वाले दिनों में यह संख्या और कम किए जाने के संकेत हैं। चार अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अरब देशों में स्थित दूतावासों में गैरजरूरी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारीजनों को अमेरिका लौटने के लिए कहा गया है।

सऊदी अरब के एक और एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों का हमला

एक की मौत, आठ घायल, एयरपोर्ट के नुकसान का आंकलन कार्य जारी

रियाद, 22 अक्टूबर। सऊदी अरब के पूर्वी हिस्से में दम्माम स्थित किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार शाम हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सऊदी सिविल एविएशन अथॉरिटी ने दी है।

अथॉरिटी के बयान में कहा गया कि घायलों की हालत मामूली से लेकर गंभीर तक है। एयरपोर्ट को हुए भौतिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हमला कैसे हुआ, इसका अभी कुछ पता नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा प्रोजेक्टाइल से सऊदी एयरपोर्ट्स पर बार-बार हमले किए जा रहे हैं।

यह हमला क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जहां हूती हमलों से सऊदी अरब के कई एयरपोर्ट प्रभावित हो चुके हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को कहा कि वाशिंगटन ने सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास के गैर-जरूरी कर्मचारियों और उनके परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है, क्योंकि यमन के हूती विद्रोही द्वारा सऊदी अरब पर लगातार घातक हमले किए जा रहे हैं।

■ पिछले कुछ दिनों में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने कई सऊदी हवाई अड्डों पर हमला करके भारी नुकसान पहुंचाया है।

यह घटना तब सामने आई, जब एक राजनयिक सूत्र ने एएफपी को बताया कि खाड़ी राज्य में स्थित अमेरिकी दूतावास से सभी अमेरिकी कर्मचारियों और उनके परिवारों को चले जाने का आदेश दिया गया है।

सऊदी अरब के शैबा ऑयलफील्ड पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक घायल हो गया है। भारत के सऊदी अरब स्थित दूतावास ने इसकी पुष्टि की है।

दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दूतावास को पता चला है कि आज शैबा ऑयलफील्ड पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक घायल हुआ है। हम सऊदी अधिकारियों के संपर्क में हैं और आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। घायल भारतीय नागरिक को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

शैबा ऑयलफील्ड सऊदी अरब का एक प्रमुख तेल उत्पादन केंद्र है। क्षेत्र में हाल के दिनों में हूती हमलों और तनाव के बीच यह घटना हुई है। दूतावास घायल भारतीय की स्थिति पर नजर रखे हुए है और आवश्यक सहायता सुनिश्चित कर रहा है।

दिल्ली नगर निगम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई। आप पार्षदों का आरोप है कि सात महीने बीतने के बाद भी दो करोड़ रुपये के घोषित फंड में से सिर्फ 50 लाख रुपये ही मिले हैं।

महापौर कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सदन में दिल्ली के प्रदूषण और सफाई व्यवस्था पर आधे घंटे की चर्चा होनी थी। त्योहारों से पहले सफाई के इंतजाम बेहतर करने को लेकर भी फैसले लिए जाने थे। महापौर ने आरोप लगाया कि आप पार्षदों ने हंगामा करके चर्चा नहीं होने दी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908